सूर्योदय 5:43 सूर्यास्त 7:12

आज का तापमान

शिमला	17.0 न्यू	22.0 अधि
धर्मशाला	16.3 न्यू	27.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	78,499
निफ्टी	24,570

सोना 1,48,000 चांदी 2,26,000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | रविवार, 9 अगस्त 2026 | 25 श्रावण, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 106, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

चपरासी से सहायक ग्रेड-2 बना कर्मचारी, 6.43 करोड़ की संपत्ति का खुलासा

एजेंसी, जबलपुर। जबलपुर लोकायुक्त ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में सिवनी में पदस्थ सहायक ग्रेड-2 कर्मचारी सुभाष शर्मा के जबलपुर स्थित मकान और पाटन के लोहारी गांव स्थित फार्म हाउस समेत कई ठिकानों पर छापेमारी की। प्रारंभिक जांच में करीब 6.43 करोड़ रुपए की संपत्ति और व्यय का पता चला है, जो आय की तुलना में 543.19 प्रतिशत अधिक बताई गई है। जांच में पत्नी के नाम कृषि भूमि, प्लॉट, दो मंजिला मकान और फार्म हाउस की जानकारी सामने आई। लोकायुक्त के अनुसार शर्मा ने सरकारी सेवा की शुरुआत चपरासी के पद से की थी। कार्रवाई जारी है और अंतिम मूल्यांकन जांच पूरी होने के बाद होगा।

पठानकोट में कर्नाटक के व्यापारी की हत्या, 95 हजार ऐंठकर नहर में फेंका

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट में कर्नाटक के 50 वर्षीय व्यापारी लक्ष्मण एम. की संदिग्ध मौत का मामला हत्या में बदल गया है। मैसूर निवासी लक्ष्मण 18 जुलाई को मशीनरी देखने पंजाब आए थे, लेकिन उसी दिन उनका मोबाइल बंद हो गया। 19 जुलाई को उनका शव यूबीडीसी नहर से बरामद हुआ। परिजनों के अनुसार, आरोपियों ने व्यापारी को बंधक बनाकर मारपीट की और यूपीआई व बैंक पासवर्ड हासिल कर खातों से करीब 95 हजार रुपये ट्रांसफर किए। पुलिस जांच में सुशील कुमार और प्रवीन कुमार के नाम सामने आए। छापेमारी के दौरान सुशील की मौत की जानकारी मिली, जबकि प्रवीन को हिरासत में लिया गया। पुलिस अब हत्या की पूरी साजिश, घटना स्थल और अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है।

अमृतसर बॉर्डर पर बीएसएफ फायरिंग में अज्ञात व्यक्ति की मौत

एजेंसी, अमृतसर। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर दाओके क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर जाने की कोशिश कर रहे एक अज्ञात व्यक्ति की बीएसएफ की गोली लगने से मौत हो गई। घटना शुक्रवार रात बीओपी दाओके के अधिकार क्षेत्र में हुई। बीएसएफ के अनुसार, जवानों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को अंतरराष्ट्रीय सीमा की तारबंदी की ओर बढ़ते देखा। उसे रुकने की चेतावनी दी गई, लेकिन वह तारबंदी पार कर पाकिस्तान की ओर जाने का प्रयास करता रहा। इसके बाद जवानों ने फायरिंग की, जिसमें उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं।

अमेरिकी-इजरायली विमानों का मलबा ईरान ने किया सार्वजनिक

एजेंसी, तेहरान। तेहरान में ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अमेरिकी और इजरायली विमानों के मलबे की प्रदर्शनी लगाई है। ईरानी मीडिया के अनुसार, इसमें एफ-15 लड़ाकू विमान के बताए जा रहे अवशेष, इजेक्शन सीट, कैनोपी और पुर्जे का हिस्सा शामिल हैं। प्रदर्शनी में ड्रोन, मिसाइल और अन्य सैन्य उपकरणों के अवशेष भी रखे गए हैं। आईआरजीसी ने हालिया संघर्ष के दौरान कई अमेरिकी और इजरायली सैन्य परिसंपत्तियों को नुकसान पहुंचाने या गिराने का दावा किया है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ईरानी अधिकारियों ने नए घरेलू एयर डिफेंस सिस्टम के इस्तेमाल और एफ-35 को इंटरसेप्ट करने का भी दावा किया है।

तेजी से बदलती दुनिया में जो सीखेगा, वही जीतेगा : पीएम

मोदी ने आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में युवाओं को दिया सफलता का मंत्र

एजेंसी, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि दुनिया और प्रौद्योगिकी तेजी से बदल रही है और आने वाले समय में वही व्यक्ति और समाज आगे बढ़ेगा, जो लगातार सीखने के लिए तैयार रहेगा। उन्होंने युवाओं से अपनी जिज्ञासा को जीवित रखने, सवाल पूछने और नई चुनौतियों के नए समाधान खोजने का साहस रखने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने यहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज दुनिया का रणनीतिक समीकरण और वैश्विक शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है। इसके पीछे सबसे बड़ी ताकत प्रौद्योगिकी की गति है। कोई निश्चित रूप से नहीं कह सकता कि अगले 20–30 वर्षों की दुनिया कैसी होगी, लेकिन बदलाव के हर दौर में चुनौतियों के साथ नए अवसर भी पैदा होते हैं। उन्होंने कहा, 'दुनिया बदलेगी, टेक्नोलॉजी बदलेगी, इंडस्ट्री बदलेगी और प्रोफेशन भी बदलेंगे, लेकिन इन सबके बीच मेरी बात याद रखिएगा– जो सीखेगा, वो जीतेगा।' उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति नई चुनौतियों के नए समाधान खोजने का साहस रखेगा, उसके लिए चुनौतियां ही अवसर बन जाएंगी। यही सोच आईआईटी दिल्ली ने विद्यार्थियों को सिखाई है।

समारोह में 3,000 से अधिक स्नातकों को डिग्रियां प्रदान की गई, जिनमें 587 पीएचडी शोधार्थी शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर प्रेसिडेंट्स गोल्ड मेडल, डायरेक्टर्स गोल्ड मेडल, शंकर दयाल शर्मा गोल्ड मेडल और परफेक्ट टेन गोल्ड मेडल भी प्रदान किए। उन्होंने आईआईटी दिल्ली के सोनीपत परिसर में स्थापित एआई आधारित हाई-परफॉर्मेंस सुपरकंप्यूटिंग सुविधा 'परम प्रज्ञा' का भी उद्घाटन किया। मोदी ने कहा कि हर विद्यार्थी के मन में भविष्य की अलग तस्वीर होगी। कोई पहली नौकरी और पहली तनख्वाह का इंतजार कर रहा होगा, कोई नए शहर में नई शुरुआत की तैयारी कर रहा होगा, कोई अपना स्टार्टअप शुरू करने का सपना देख रहा होगा तो किसी ने अगली प्रतियोगी परीक्षा का लक्ष्य बनाया होगा। उन्होंने कहा कि रास्ते और सपने भले ही अलग हों, लेकिन आईआईटी दिल्ली में प्रवेश से लेकर दीक्षांत तक की यात्रा सभी के लिए यादगार है।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे इस पल को पूरी तरह जिएं, क्योंकि भविष्य में जब उन पर ज्यादा जिम्मेदारियां होंगी तो यही यादें उन्हें कैंपस जीवन की ओर वापस ले जाएंगी। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने दोस्तों, शिक्षकों, प्रोफेसरों, मेंटर्स और सपोर्ट स्टाफ को कभी नहीं भूलने की सलाह दी और कहा कि सफलता के बाद भी इन रिश्तों को जीवित और संजोकर रखें।

अंतरिक्ष में युवा प्रतिभा की ऐतिहासिक उड़ान

प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए पहले बंद रहे कई क्षेत्रों को खोला गया है और आधुनिक सोच के साथ नए अवसर पैदा किए जा रहे हैं। उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि कुछ वर्ष पहले इस क्षेत्र में लगभग सारा काम सरकार तक सीमित था, लेकिन आज यह हजारों युवाओं के लिए अवसरों का विशाल आकाश बन चुका है। युवा अपने लॉन्च व्हीकल बना रहे हैं और रॉकेट लॉन्च कर रहे हैं तथा ऐसी उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं, जिन्हें दुनिया के गिने-चुने देश ही हासिल कर पाए हैं।

पीड़ित की भाषा और भावनाओं के अनुरूप हो न्यायिक संवाद : सीजेआई

एजेंसी, इंदौर। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि भारत विविधताओं वाला देश है और अलग-अलग क्षेत्रों में समस्याओं का स्वरूप भी अलग होता है। ऐसे में न्याय व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों को पीड़ित की भाषा, व्यवहार, भावनाओं और परिस्थितियों के अनुरूप संवाद करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि संवाद प्रभावी और संवेदनशील नहीं होगा, तो व्यक्ति अपने अधिकारों से वंचित रह सकता है और न्याय व्यवस्था की सफलता पर सवाल उठेंगे।

मुख्य न्यायाधीश शनिवार को इंदौर में आयोजित दो दिवसीय 'वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस' के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। 'न्याय तक पहुँच बढ़ाने' विषय पर आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन सीजेआई सूर्यकांत और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। सीजेआई ने न्याय प्रक्रिया में सकारात्मक संवाद और संवेदनशील व्यवहार के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि न्याय की उम्मीद लेकर आने वाले पीड़ित के साथ उसकी भाषा में सहज और सम्मानजनक संवाद उसकी आधी परेशानी कम कर सकता है। उन्होंने डॉक्टर का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे चिकित्सक मरीज को भरोसा और सकारात्मकता देता है, उसी तरह न्याय प्रणाली को भी पीड़ितों के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाना चाहिए।

चीनी मिलों का ढांचा मजबूत करने पर सीएम नायब सैनी ने दिया जोर

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में प्रदेश की चीनी मिलों के आधारभूत ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) और संचालन व्यवस्था की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य की सभी चीनी मिलों का संचालन अधिक प्रभावी, पारदर्शी और आधुनिक बनाना था, ताकि गन्ना किसानों को समयबद्ध और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

बैठक में चीनी मिलों की वर्तमान स्थिति, तकनीकी संसाधनों, मशीनरी, गन्ना पेराई क्षमता, परिवहन व्यवस्था और किसानों को दी जाने वाली सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि चीनी मिलों के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम तेजी से उठाए जाएं, जिससे आगामी पेराई सत्र में किसी प्रकार की बाधा न आए और गन्ना आपूर्ति की पूरी प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता किसानों को अधिकतम सुविधा प्रदान करना और गन्ना भुगतान व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाना है। इसके लिए मिलों में तकनीकी सुधार, डिजिटल प्रणालियों का विस्तार, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता और आवश्यक बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि चीनी मिलों के संचालन में दक्षता बढ़ाने, पेराई क्षमता में सुधार करने और किसानों को समय पर जानकारी उपलब्ध कराने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जिन मिलों में आधारभूत ढांचे को लेकर कमियां हैं, वहां प्राथमिकता के आधार पर सुधार कार्य शुरू किए जाएं।

बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि मजबूत आधारभूत ढांचा न केवल चीनी मिलों की कार्यक्षमता बढ़ाएगा, बल्कि गन्ना किसानों को समय पर पर्ची, गन्ना आपूर्ति, भुगतान और अन्य सुविधाएं भी बेहतर तरीके से मिल सकेंगी। सरकार का उद्देश्य चीनी उद्योग को अधिक प्रतिस्पर्धी और किसान हितैषी बनाना है।

पंत के उत्तराखंड में घर बनाने के लिए मदद मांगने पर धामी बोले– मिलेगा हरसंभव सहयोग

एजेंसी, देहरादून। क्रिकेटर ऋषभ पंत ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने गृह राज्य उत्तराखंड में अपना पहला घर बनाने की इच्छा जताते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मदद मांगी है। उनके इस अनुरोध पर मुख्यमंत्री धामी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

ऋषभ पंत ने मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करने के लिए सम्मान और उपहार मिलना निश्चित रूप से सुखद है, लेकिन उनकी इच्छा है कि सरकार उन्हें अपने गृह राज्य में जमीन अथवा संपत्ति खरीदने में सहयोग करे, ताकि वह उत्तराखंड में अपना पहला घर बना सकें। पंत के मुताबिक वह पिछले करीब तीन वर्षों से राज्य में अपने लिए उपयुक्त जमीन तलाश रहे हैं और अब इस मामले में उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है।

पंत की अपील पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उन्हें उत्तराखंड का गौरव बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने शानदार खेल और उपलब्धियों के माध्यम से देश-दुनिया में देवभूमि का नाम रोशन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी मातृभूमि के प्रति पंत का प्रेम और उत्तराखंड लौटकर यहां योगदान देने की भावना सराहनीय है। मुख्यमंत्री ने पंत को भरोसा दिलाया कि उनके द्वारा उठाए गए विषय के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जा रहा है। अधिकारी शीघ्र ही उनसे संपर्क कर नियमानुसार हरसंभव सहयोग सुनिश्चित करेंगे।

ऋषभ पंत का उत्तराखंड से गहरा जुड़ाव रहा है। राज्य से निकल कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहचान बनाने वाले पंत ने कई मौकों पर उत्तराखंड के प्रति अपने लगाव को सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया है। अब अपने गृह राज्य में स्थायी घर बनाने की उनकी इच्छा ने इस जुड़ाव को एक नया आयाम दिया है। पंत की ओर से मुख्यमंत्री से मदद मांगे जाने और सरकार की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया सामने आने के बाद अब निगाहें इस बात पर हैं कि संबंधित विभाग उनके लिए जमीन या संपत्ति खरीदने की प्रक्रिया में किस प्रकार नियमानुसार सहयोग करता है।

चंबा में निजी बस पलटी; सात की मौत, 11 घायल

चालूंज मोड़ के पास सड़क से पलटकर दूसरी सड़क पर जा गिरी बस, छह घायल चंबा रेफर

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में शनिवार सुबह एक निजी बस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई और 11 लोग घायल हो गए। हादसा चुराह विधानसभा क्षेत्र के तहत तीसा थाना क्षेत्र में बैरागढ़ के पास चालूंज मोड़ पर हुआ। घायलों में छह लोगों को आगे के इलाज के लिए पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल चंबा रेफर किया गया है। हादसे में मारे गए लोगों की पहचान की जा रही है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, हादसा शनिवार सुबह करीब 7:15 बजे हुआ। शर्मा कोच की निजी बस बैरागढ़ से चंबा की ओर आ रही थी। इसी दौरान चालूंज मोड़ के पास बस हादसे का शिकार हो गई। बस सड़क से पलटकर दूसरी सड़क पर जा पहुंची थी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके के लिए रवाना की गईं। चंबा के पुलिस अधीक्षक विजय सकलानी ने बताया कि हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस बल को घटनास्थल के लिए भेजा गया।

पुलिस टीम के मौके पर पहुंचने के बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार हादसे में 11 लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें छह घायलों को उनकी स्थिति को देखते हुए पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, चंबा रेफर किया गया है। हादसे में जान गंवाने वाले सात लोगों की पहचान की जा रही है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), पुलिस, होमगार्ड, अग्निशमन विभाग और राजस्व विभाग के कर्मचारियों को घटनास्थल पर खोज और बचाव अभियान के लिए भेजा गया है। फिलहाल, टीम मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव का काम कर रही है। वहीं, पुलिस हादसे के कारणों की भी जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी ने मेरठ में भोलेनाथ के भक्तों पर की पुष्पवर्षा

हर-हर बम-बम से गूंज उठा पश्चिम उत्तर प्रदेश, सीएम ने हेलिकॉप्टर से भी शिवभक्तों पर बरसाए फूल

एजेंसी, मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावण मास की दशमी तिथि में महादेव के भक्तों पर श्रद्धा के पुष्प बरसाए। गोरक्षपीठाधीश्वर के साथ रामायण सीरियल में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले मेरठ के सांसद अरुण गोविल समेत सभी जनप्रतिनिधियों ने आस्था को सम्मान देते हुए शिवभक्त कांवड़ यात्रियों पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाईं। इसके साथ ही पूरे कांवड़ मार्ग पर हेलीकॉप्टर से भी शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा की गई। इस मौके पर कांवड़ यात्रियों के 'हर-हर, बम-बम' के उद्घोष से पूरा पश्चिमी उत्तर प्रदेश गुंजायमान हो उठा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा को भक्ति, समर्पण, सामाजिक व राष्ट्रीय एकता और समरसता का अनुपम उदाहरण बताया। उन्होंने प्रदेश सरकार की ओर से समस्त शिवभक्त कांवड़ यात्रियों का स्वागत व अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों से संवाद करते हुए कहा कि श्रावण मास में पावन कांवड़ यात्रा अपने चरम की ओर बढ़ रही है। शिवभक्त कांवड़ यात्री हरिद्वार में हर की पैड़ी से गंगाजल लेकर पवित्र शिवालयों में जलाभिषेक करने की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। इस अभियान से लाखों शिवभक्त जुड़े हैं। आशा है कि गाजियाबाद से हरिद्वार के बीच चार-साढ़े चार करोड़ शिवभक्त सावन की शिवरात्रि तक इस कांवड़ यात्रा के संग गंगाजल लेकर पवित्र शिवालयों में जलाभिषेक करेंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मुजफ्फरनगर के शिवचौक में भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी है। मेरठ में मुझे जनप्रतिनिधियों संग कांवड़यात्रियों पर पुष्पवर्षा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ में बाबा औघड़नाथ मंदिर, गाजियाबाद में बाबा दूधेश्वर नाथ मंदिर, बागपत में पुरा महादेव मंदिर के साथ ही दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश के भी लाखों शिवभक्त श्रद्धा व उत्साहवर्धन के साथ कांवड़ यात्रा का हिस्सा बने हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम सभी पूरी तत्परता से कांवड़ यात्रियों के स्वागत व सुरक्षा के लिए तैयार हैं। देवाधिदेव महादेव के प्रति श्रद्धा के साथ सैकड़ों किलोमीटर पैदल यात्रा कर रहे शिवभक्त भक्ति, समर्पण, सामाजिक व राष्ट्रीय एकता और समरसता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। जात-पात, क्षेत्र व प्रांत की सीमाओं से ऊपर उठकर उनकी हर श्वांस शिव के नाम है।

हेलिकॉप्टर से किया कांवड़ मार्ग का अवलोकन

आयोजन स्थल पर पहुंचने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हेलिकॉप्टर से कांवड़ यात्रा का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए भोलेबाबा के भक्तों की श्रद्धा को नमन किया और प्रशासनिक अधिकारियों को कांवड़ यात्रियों की नियमित सुरक्षा, स्वास्थ्य, सुविधा आदि की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। पवित्र गंगाजल लेकर शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने निकले कांवड़ यात्रियों द्वारा हर-हर बम-बम की गूंज से समूचा पश्चिमी उत्तर प्रदेश गुंजायमान हो उठा।

सीएम रेखा ने कांवड़ियों पर गुलाबी फूलों की पंखुड़ियां बरसाकर किया स्वागत, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को दिलशाद गार्डन के पास अप्सरा बॉर्डर स्थित कांवड़ सेवा शिविर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कांवड़ियों पर फूलों की वर्षा कर उनका स्वागत किया। सीएम ने वहां मौजूद कांवड़ियों तथा श्रद्धालुओं पर गुलाबी फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर अभिवादन किया और भक्तिपूर्ण माहौल में कांवड़ियों का अभिनंदन किया। यह दौरा कांवड़ यात्रा के दौरान दिल्ली सरकार द्वारा कांवड़ियों की सेवा और सुविधाओं को सुनिश्चित करने के प्रयासों का हिस्सा है। शिविर में श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं की गई हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को पूर्वी दिल्ली के दिलशाद गार्डन क्षेत्र में दिल्ली–उत्तर प्रदेश सीमा के पास एक कांवड़ शिविर पहुंचीं। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि कांवड़ यात्रा में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

भोलेनाथ के भक्तों को नहीं होने देंगे कोई समस्या

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'चाहे वित्तीय सहायता हो, स्वच्छता की व्यवस्था हो या बिजली और पानी की आपूर्ति, दिल्ली सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि कांवड़ शिविर अच्छे तरह से व्यवस्थित रहें। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी हर संभव प्रयास किया गया है ताकि हमारे भोलेनाथ के भक्तों को जरा सी भी समस्या न हो।'

वित्तीय सहायता बढ़ाने का प्रस्ताव मंजूर

दिल्ली सरकार ने इससे पहले कांवड़ यात्रा 2026 के लिए कांवड़ समितियों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार, 20,000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्रफल वाले और छह से ज्यादा दिनों तक संचालित होने वाले बड़े कांवड़ शिविर अब 15 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता के पात्र होंगे। इस वर्ष कांवड़ यात्रा पवित्र श्रावण मास की शुरुआत के साथ 30 जुलाई को शुरू हुई थी और 11 अगस्त को समाप्त होगी।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने ई20 ईंधन में मिलावट के दावों को किया खारिज

एजेंसी, नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने ई20 पेट्रोल में ज्यादा क्लोराइड और नमी मिलने के दावों को खारिज कर दिया है। इन कंपनियों का कहना है कि देशभर में हुई जांच में ऐसे आरोप सही नहीं पाए गए हैं। ऑयल कंपनियों की जांच में 500 पीपीएम क्लोराइड और नमी होने के दावों की पुष्टि नहीं हुई है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि ऑयल कंपनियों का कहना है कि देशभर में की गई बड़े पैमाने पर जांच में ऐसे किसी दावे की पुष्टि नहीं हुई है। ओएमसी ने साफ कहा कि ई20 पेट्रोल की क्वालिटी तय पेट्रोल की क्वालिटी तय मानकों के अनुरूप है और लोगों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की ओर से देशभर में की गई विस्तृत जांच में ई20 पेट्रोल में नमी या क्लोराइड प्रदूषण के दावों की पुष्टि नहीं हुई है। इनकी जांच में ईंधन की गुणवत्ता भी तय मानकों के भीतर पाई गई है। यह जांच हाल में कई मीडिया में आई खबरों के बाद तेज की गई थी, जिनमें 20 फीसदी इथेनॉल के मिश्रण वाले ई–20 पेट्रोल में नमी व क्लोराइड पाए जाने की बात कही गई थी। मंत्रालय के मुताबिक इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने एक संयुक्त बयान में कहा कि समूची आपूर्ति श्रृंखला में की गई इस जांच से यह पुष्टि हुई कि ईंधन की गुणवत्ता लगातार निर्धारित मानकों के भीतर रही।

ई20 पेट्रोल की गुणवत्ता पर मंत्रालय का भरोसा

पेट्रोलियम मंत्रालय ने ई20 पेट्रोल की गुणवत्ता को लेकर उपभोक्ताओं को भरोसा दिलाया है। तेल कंपनियों की देशव्यापी जांच में ईंधन में किसी तरह के प्रदूषण या मिलावट का ठोस प्रमाण नहीं मिला। 100 से अधिक पेट्रोल नमूनों में क्लोराइड स्तर 1 पीपीएम या उससे कम पाया गया, जबकि डिस्टिलरी और खुदरा स्तर पर यह 3 पीपीएम से नीचे रहा। पेट्रोल पंपों पर पानी की मिलावट और घनत्व की रोजाना कई बार जांच के साथ मोबाइल लैब से भी परीक्षण किए जा रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि ई20 पेट्रोल तय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप है और उपभोक्ता इसका इस्तेमाल निश्चित होकर जारी रख सकते हैं।

कार्यक्रम 69,094 पहुंचा सरकारी नौकरियों का आंकड़ा, मेरिट और पारदर्शिता बनी भर्ती की पहचान

सीएम मान ने मोहाली में 866 युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

गुरनाम सागर, भारतेन्दु संवाददाता, साहिबजादा अजीत सिंह नगर। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के रोजगार अभियान के तहत मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शनिवार को मोहाली में 866 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। इसके साथ ही पंजाब में पिछले साढ़े चार वर्षों के दौरान दी गई सरकारी नौकरियों की कुल संख्या 69,094 हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और मेरिट को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे युवाओं का सरकारी व्यवस्था में विश्वास मजबूत हुआ है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 866 नियुक्तियों में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के 636 उम्मीदवार शामिल हैं। इनमें 614 स्टाफ नर्स, 3 फार्मासिस्ट, 13 मल्टीपर्पज हेल्थ वर्कर

(पुरुष), 2 वार्ड अटेंडेंट, एक दर्जा-चार कर्मचारी और 3 स्वीपर शामिल हैं। इसके अलावा शुगरफेड में 101, वित्त विभाग में जूनियर ऑडिटर के तौर पर 57, रक्षा सेवाएं कल्याण विभाग में 51, सहकारिता विभाग में 11 और गृह विभाग में लॉ अधिकारी के रूप में 10 युवाओं को नियुक्त किया गया है।

भगवंत मान ने कहा कि सरकारी नौकरी हासिल करने का आधार अब केवल मेहनत, योग्यता और मेरिट है। उन्होंने कहा कि रिश्वत, सिफारिश और राजनीतिक हस्तक्षेप के आधार पर नियुक्तियों का दौर खत्म हो चुका है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, युवाओं का सिस्टम में भरोसा बढ़ा है और रोजगार के अवसर मिलने से विदेश जाने का रुझान भी कम हुआ है।

मुख्यमंत्री ने शिक्षा क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को आईआईएम अहमदाबाद के साथ-साथ सिंगापुर और फिनलैंड में प्रशिक्षण दिलाया गया है। स्कूलों में नए फर्नीचर, आईटी आधारित शिक्षण मॉड्यूल, आधुनिक लाइब्रेरी और बेहतर सैनिटेशन सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

मान ने कहा कि 2026 की दसवीं कक्षा परीक्षा में सरकारी स्कूलों के 882 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की, जबकि 2021 में यह संख्या केवल 80 थी। उन्होंने कहा कि शिक्षा सामाजिक और आर्थिक बदलाव की सबसे मजबूत कुंजी है। नव-नियुक्त युवाओं को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने उनसे ईमानदारी, विनम्रता और मेहनत के साथ सरकारी सेवा करने तथा जरूरतमंद लोगों की मदद करने का आह्वान किया।

हिमाचल में 14 तक बारिश का खतरा

10 और 11 अगस्त को ऑरेंज और बाकी दिनों में येलो अलर्ट, भूस्खलन से 185 सड़कें बंद

- बारिश से 104 ट्रांसफार्मर और 77 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित
- मौसम विभाग ने भूस्खलन व अचानक बाढ़ वाले क्षेत्रों में सतर्क रहने की दी सलाह

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून की सक्रियता बनी हुई है और अगले छह-सात दिनों तक बारिश से राहत के आसार कम हैं। मौसम विभाग ने 14 अगस्त तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। 10 और 11 अगस्त को भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट दिया गया है। बाकी दिनों में येलो अलर्ट रहेगा। बारिश के कारण राज्य के कई हिस्सों में भूस्खलन से 185 सड़कें बंद हैं और बिजली व पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आज अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है और येलो अलर्ट है। 9 अगस्त को भी अलग-अलग जगह भारी बारिश के साथ येलो अलर्ट रहेगा। 10 अगस्त को भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 11 अगस्त को भी भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। 12, 13 और 14 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना के साथ येलो अलर्ट रहेगा। विभाग ने बारिश के दौरान भूस्खलन और अचानक पानी बढ़ने वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतने की सलाह दी है।

बीते 24 घंटों में राज्य के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। कांगड़ा जिले के धर्मशाला में सबसे अधिक 48.1 मिलीमीटर बारिश हुई। कुल्लू के बाजौरा ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन में 31.5 मिलीमीटर, मनाली में 22 मिलीमीटर और भुंतर में 21 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई। मंडी जिले के सलापड में 21.8 मिलीमीटर और मुरारी देवी में 20 मिलीमीटर बारिश हुई। कुल्लू के कोठी में 18 मिलीमीटर और मंडी के जोगिंदरनगर में 16 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। शिमला जिले के सराहन में 15.6 मिलीमीटर, मंडी के सुंदरनगर में 15 मिलीमीटर और शिमला में 15 मिलीमीटर बारिश हुई। सिरमौर के धौलाकुआं ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन में 14 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

शनिवार सुबह शिमला सहित कई हिस्सों में बादल छाए हुए हैं और कई जगह बारिश हो रही है। लगातार बारिश का असर सड़क संपर्क पर भी दिख रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार शनिवार सुबह तक भूस्खलन के कारण राज्य में 185 सड़कें बंद थीं। मंडी सबसे अधिक प्रभावित जिला है, जहां 92 सड़कें बंद हैं। कुल्लू में 48, चंबा और शिमला में 14-14, सिरमौर में नौ, कांगड़ा में पांच और ऊना में तीन सड़कें बंद हैं।

बारिश से बिजली व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। राज्य में 104 ट्रांसफार्मर बंद हैं। इनमें कुल्लू के 53 और मंडी के 34 ट्रांसफार्मर शामिल हैं। किन्नौर में 12 और चंबा में एक ट्रांसफार्मर बंद है। पेयजल आपूर्ति की 77 योजनाएं भी ठप हैं, जिनमें सिरमौर की 55 योजनाएं शामिल हैं। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में बारिश बढ़ने की संभावना को देखते हुए लोगों से संवेदनशील सड़कों और भूस्खलन वाले क्षेत्रों में विशेष सावधानी बरतने को कहा है।

हेरोइन मामले में युवक गिरफ्तार कैथू जेल भेजा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने नशा तस्करी से जुड़े एक मामले की जांच के दौरान एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार ढली थाना क्षेत्र में दो आरोपियों से करीब आठ ग्राम हेरोइन यानी चिट्टा बरामद होने के बाद की गई जांच में अनूज सरकैक की भूमिका सामने आई थी। उसे 4 अगस्त को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार 3 अगस्त को ढली थाना क्षेत्र में एनडीपीएस अधिनियम की धाराओं 21 और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस टीम ने दो आरोपियों को पकड़ा था। उनके कब्जे से करीब आठ ग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। मामले की आगे की जांच में पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और उपलब्ध अन्य तथ्यों का विश्लेषण किया। इसी दौरान 21 वर्षीय अनूज सरकैक की कथित भूमिका सामने आई। वह शिमला जिला की कुमारसैन तहसील के दलान का रहने वाला है। पुलिस ने इसके बाद उसे कानूनी प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद अनूज सरकैक को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इसके बाद उसे जिला कारागार कैथू भेजा गया। पुलिस के अनुसार मामले की जांच अभी जारी है।

चिट्टा मामले के दोषी को दो साल की सजा, 25 हजार का जुर्माना

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मादक पदार्थ बरामदगी के एक मामले में पुलिस की जांच और अदालत में प्रभावी पैरवी के बाद आरोपित को सजा सुनाई गई है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश-2, शिमला की अदालत ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत दोषी रणवीर सिंह को दो वर्ष के कठोर कारावास और 25 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है।

अदालत ने यह फैसला बालूगंज थाना में दर्ज प्राथमिकी से संबंधित मामले में सुनाया। मामला एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21 के तहत दर्ज किया गया था। दोषी रणवीर सिंह, पुत्र रूप लाल मंडी जिले के सुंदरनगर का निवासी है। पुलिस के अनुसार, मामले में रणवीर सिंह के कब्जे से करीब सात ग्राम चिट्टा बरामद किया गया था। बरामदगी के बाद बालूगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने मामले से जुड़े साक्ष्य जुटाए और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की।

पुलिस के मुताबिक, मामले की जांच वैज्ञानिक तरीके और निर्धारित कानूनी प्रावधानों के अनुसार की गई। जांच में जुटाए गए साक्ष्यों को अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस की ओर से मामले में प्रभावी पैरवी के बाद अदालत ने रणवीर सिंह को दोषी ठहराया और दो वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने दोषी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा नहीं करने की स्थिति में उसे एक महीने का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। शिमला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गौरव सिंह ने कहा कि पुलिस मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि नशे से जुड़े मामलों में आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण जांच और अदालत में प्रभावी पैरवी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एसएसपी ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मादक पदार्थों से जुड़े अपराधों में शामिल दोषियों को कानून के अनुसार सजा मिले। पुलिस द्वारा जांच को वैज्ञानिक और साक्ष्य आधारित बनाने पर जोर दिया जा रहा है, ताकि ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

5 किलो अफीम संग सप्लायर गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने कुमारसैन क्षेत्र में करीब पांच किलोग्राम अफीम डोडा यानी पोस्त बरामद होने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान मादक पदार्थ की आपूर्ति करने वाले एक व्यक्ति की पहचान हुई। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार 30 जुलाई को कुमारसैन थाना क्षेत्र के सैंज में नाकाबंदी के दौरान एक टैक्सी की तलाशी ली गई थी। तलाशी के दौरान टैक्सी की डिक्की से करीब पांच किलोग्राम अफीम डोडा यानी पोपी स्ट्रॉ बरामद हुआ था। इस मामले में पुलिस ने मौके से 42 वर्षीय पिंकू राम को गिरफ्तार किया था। वह कुमारसैन तहसील, जिला शिमला का रहने वाला है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इसके बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

महेश्वर युवक मंडल बटेबड़ी ने रोपे 51 पौधे, ग्रामीण भी किए जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। ग्राम पंचायत मधाना के महेश्वर युवक मंडल बटेबड़ी के सदस्यों ने वन विभाग से प्राप्त 51 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। युवक मंडल के प्रधान अजय शर्मा, उपप्रधान नरेश कुमार, सचिव देविंद्र तथा सदस्य दुलाराम, यशपाल, रविकांत, मनोज और आस्तिक ने पौधारोपण अभियान में भाग लिया। युवक मंडल के सदस्यों ने कहा कि वनों के महत्व को समझते हुए ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष उन्हें अपेक्षाकृत कम पौधे प्राप्त हुए हैं, लेकिन सदस्यों में पौधारोपण को लेकर काफी उत्साह है।

युवक मंडल ने वनमंडल अधिकारी चौपाल और वन विभाग का आभार जताया। साथ ही अगले वर्ष अधिक संख्या में चौड़ी पत्ती वाले पौधे उपलब्ध करवाने की मांग की, क्योंकि इनका विकास अपेक्षाकृत तेजी से होता है। युवक मंडल ने आम लोगों से भी पर्यावरण संरक्षण अभियान से जुड़ने का आग्रह किया।

शिमला पुलिस ने अंतरराज्यीय चिट्टा सप्लाई नेटवर्क का किया भंडाफोड़

हिमाचल, यूपी और पंजाब के पांच आरोपी गिरफ्तार, 53 ग्राम चिट्टा बरामदगी से खुली नेटवर्क की कड़ियां

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रोहड़ू हदमें एक अंतरराज्यीय चिट्टा सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़ करने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार इस मामले में अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें हिमाचल प्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश और पंजाब के रहने वाले आरोपी भी शामिल हैं।

पुलिस के मुताबिक कार्रवाई की शुरुआती कार्रवाई के दौरान रोहड़ू निवासी पिंकू राम और सुनील पुहराता को 53 ग्राम चिट्टा यानी हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच को आगे बढ़ाया और नशे की सप्लाई से जुड़े दूसरे लोगों तक पहुंचने के लिए अलग-अलग स्तर पर जांच की। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान डिजिटल साक्ष्यों और बैंक खातों से जुड़ी जानकारी का विश्लेषण किया गया। इसके साथ ही नशे की सप्लाई के पीछे के संपर्कों की जानकारी जुटाई गई। इस जांच के आधार पर उत्तर प्रदेश के बिजनौर निवासी सलमान हैदर और पंजाब के गुरदासपुर जिले के काला अफगाना निवासी 29 वर्षीय थॉमस मसीह को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों को इस नेटवर्क के मुख्य सप्लायरों में शामिल बताया है। जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने रोहड़ू क्षेत्र के करालश गांव निवासी मनोज ठाकुर उर्फ सन्नी को भी गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार 33 वर्षीय मनोज ठाकुर की गिरफ्तारी नशे की सप्लाई से जुड़े आगे के संपर्कों की जांच के आधार पर की गई है। पुलिस का कहना है कि अब तक की जांच में पांचों आरोपियों के बीच रोहड़ू क्षेत्र में सक्रिय चिट्टा सप्लाई नेटवर्क से जुड़े होने की जानकारी सामने आई है। जांच में नशे की सप्लाई के पीछे जुड़े लोगों और संपर्कों का पता लगाने के लिए डिजिटल जानकारी, बैंक खातों और अन्य साक्ष्यों का इस्तेमाल किया गया। शिमला पुलिस के अनुसार मामले की जांच अभी जारी है। पुलिस ने कहा है कि नशे की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने के लिए पीछे और आगे दोनों स्तरों पर जांच की गई। इसी प्रक्रिया के तहत कथित सप्लायरों और रोहड़ू क्षेत्र में नशे की सप्लाई से जुड़े लोगों तक पहुंच बनाई गई।

पुलिस ने कहा कि तकनीकी विश्लेषण और वैज्ञानिक तरीके से की गई जांच के परिणामस्वरूप अंतरराज्यीय ड्रग सप्लाई नेटवर्क को ध्वस्त करने में सफलता मिली है।

गनमैन बढ़ाने के लिए शिवसेना नेता ने किसान के घर करवाई फायरिंग

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। गांव लाहड़ी 318 में बुजुर्ग किसान के घर पर फायरिंग के मामले में पुलिस ने खुद को शिवसेना नेता बताने वाले चमन लाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच के अनुसार आरोपी ने अपनी सुरक्षा में तैनात गनमैन को हटाए जाने के डर और स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर अतिरिक्त सुरक्षा पाने की कथित लालच में वारदात को साजिश रची थी।

पीड़ित किसान गुरदीप सिंह के बेटे गुरप्रीत सिंह के अनुसार परिवार रात में घर की लॉबी में खाना खा रहा था। इसी दौरान अचानक गोली चलने और खिड़की का शीशा टूटने की आवाज आई। बाहर देखने पर हाथ में पिस्तल लिए एक व्यक्ति खेतों की ओर भागता दिखाई दिया। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में चमन लाल ही कथित तौर पर फायरिंग करता दिखाई दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घरोटा चौकी प्रभारी वरिंद्र मान ने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

सीबीएसई क्लस्टर एथलेटिक्स मीट में पीडब्ल्यूएस का शानदार प्रदर्शन

पंजाब व जम्मू-कश्मीर के 1,500 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा, मेजबान स्कूल ने हासिल की उपविजेता ट्रॉफी

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। प्रताप वर्ल्ड स्कूल पठानकोट में आयोजित तीन दिवसीय सीबीएसई क्लस्टर-18 एथलेटिक्स मीट का खेल भावना और उत्साह के बीच भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता में पंजाब और जम्मू-कश्मीर के विभिन्न विद्यालयों से 1,500 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों ने ट्रैक एवं फील्ड की विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंतिम दिन लंबी कूद, 1500 मीटर दौड़ और भाला फेंक सहित विभिन्न स्पर्धाओं में रोमांचक मुकाबले हुए। खिलाड़ियों ने पदक और ट्रॉफी हासिल करने के लिए पूरा दमखम लगाया। प्रशिक्षकों और दर्शकों ने तालियों के साथ खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

मेजबान प्रताप वर्ल्ड स्कूल के लिए प्रतियोगिता विशेष उपलब्धि लेकर आई। विद्यालय ने ओवरऑल चैंपियनशिप में द्वितीय उपविजेता ट्रॉफी हासिल की। वहीं, अंडर-17 लड़कों की लंबी कूद में पीडब्ल्यूएस के खिलाड़ी सयाम भारद्वाज ने रजत पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया।

अंतिम दिन अंडर-14 लड़कियों की लंबी कूद में दिशिता गर्ग ने पहला स्थान हासिल किया। अंडर-17 लड़कियों की लंबी कूद में गुंतास कौर तथा अंडर-17 लड़कों की लंबी कूद में साहिलप्रीत सिंह विजेता रहे। अंडर-19 लड़कों की 1500 मीटर दौड़ में यशदीप घारू और लड़कियों की 1500 मीटर दौड़ में प्रीति शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर-19 लड़कियों की भाला फेंक स्पर्धा में आस्था ने पहला स्थान हासिल किया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि अधिवक्ता रविंदर ठाकुर और विशिष्ट अतिथि एईओ एवं जिला खेल समन्वयक अरुण कुमार उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यालय द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रबंधों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और खेल भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या शुभ्रा रानी ने सीबीएसई, प्रतिभागी विद्यालयों, खिलाड़ियों, अधिकारियों, स्वयंसेवकों, अभिभावकों और आयोजन टीम का आभार व्यक्त किया। निदेशक सनी महाजन ने सभी प्रतिभागियों और पदक विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि 1,500 से अधिक युवा खिलाड़ियों की भागीदारी ने प्रतियोगिता को यादगार बना दिया। उन्होंने पीडब्ल्यूएस टीम को द्वितीय उपविजेता ट्रॉफी और सयाम भारद्वाज को रजत पदक जीतने पर बधाई दी।

एलआईसी चीफ मैनेजर राजेंद्र शर्मा ने समझाया वित्तीय सुरक्षा का महत्व

- कोल वैली नर्सिंग संस्थान में एलआईसी का वित्तीय जागरूकता सत्र आयोजित

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। कोल वैली नर्सिंग संस्थान हरनोडा में भारतीय जीवन बीमा निगम की शाखा की ओर से वित्तीय जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एलआईसी के चीफ मैनेजर राजेंद्र शर्मा, सहायक शाखा प्रबंधक आशीष तथा मुख्य बीमा सलाहकार कश्मीर ठाकुर ने शिक्षकों को जीवन सुरक्षा और भविष्य की बचत से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

कार्यक्रम की शुरुआत में संस्थान की प्रिंसिपल नम्रता नेगी और स्टाफ ने मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथियों का गुलदस्ता, हिमाचली टोपी और मफलर भेंट कर स्वागत किया। सत्र को संबोधित करते हुए चीफ मैनेजर राजेंद्र शर्मा ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माता होते हैं। वे विद्यार्थियों का भविष्य संवारने के साथ देश की नींव को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह शिक्षक अपने विद्यार्थियों के भविष्य की चिंता करते हैं, उसी तरह उन्हें अपने परिवार की आर्थिक सुरक्षा पर भी ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जीवन में परिवार, बच्चों की शिक्षा, विवाह और अन्य जिम्मेदारियों के लिए आर्थिक योजना जरूरी है। अनहोनी की स्थिति में जीवन बीमा परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर सकता है। उन्होंने एलआईसी की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इनमें जीवन सुरक्षा के साथ बचत, बच्चों की शिक्षा व विवाह, पेंशन और कर बचत जैसे विकल्प शामिल हैं। सत्र में जीवन उत्सव तथा महिलाओं के लिए शुरू की गई बीमा लक्ष्मी योजना पर भी जानकारी दी गई। अधिकारियों ने शिक्षकों से अपनी जरूरत और आर्थिक स्थिति के अनुसार उचित योजना का चयन करने का आग्रह किया, ताकि भविष्य में उनका परिवार आर्थिक रूप से सुरक्षित और आत्मनिर्भर रह सके।

देशभक्ति शिमला में भाजपा की तिरंगा यात्रा, जयराम ठाकुर और सुरेश कश्यप ने किया नेतृत्व

तिरंगे के सम्मान में सड़कों पर उतरी भाजपा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। स्वतंत्रता के 80वें वर्ष के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को शिमला में प्रदेश स्तरीय तिरंगा यात्रा निकाली। इस यात्रा में भाजपा के नेताओं, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, युवाओं, महिलाओं और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने हाथों में तिरंगा लेकर हिस्सा लिया। यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से माहौल देशभक्ति से भर गया।

तिरंगा यात्रा की शुरुआत शिमला के सीटीओ से हुई। इसके बाद यात्रा नाज़ चौक, लोअर बाजार और मॉल रोड से होते हुए द रिज पहुंची। यहां महात्मा गांधी की प्रतिमा के पास राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यात्रा का नेतृत्व नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर तथा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद सुरेश कश्यप ने किया। इस मौके पर सांसद सुरेश कश्यप ने कहा कि देश

इस वर्ष स्वतंत्रता के 80वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।

उन्होंने कहा कि यह अवसर उन लाखों स्वतंत्रता सेनानियों, वीर सैनिकों और शहीदों को याद करने का है, जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है और इसके सम्मान के लिए अनेक लोगों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया है। सुरेश कश्यप ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देशभर में तिरंगा यात्राओं के माध्यम से राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश लोगों तक पहुंचा रही है। उन्होंने प्रदेश के लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की।

उन्होंने कहा कि हर घर पर तिरंगा फहराने से देश के प्रति सम्मान और एकता की भावना मजबूत होती है। संसद के मानसून सत्र में जारी गतिरोध को लेकर सुरेश कश्यप ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर संसद की कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले दो सप्ताह से विपक्ष के विरोध के कारण संसद का कामकाज प्रभावित हो रहा है। उनके मुताबिक देशभर के सांसद अपने क्षेत्रों से जुड़े विकास कार्यों, प्राकृतिक आपदाओं और आम लोगों की समस्याओं से जुड़े मुद्दे संसद में उठाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से चलेगी तो जनहित के मुद्दों पर चर्चा हो सकेगी और जरूरी विधेयकों पर भी विचार होगा। उन्होंने कांग्रेस से संसद की कार्यवाही चलने देने की अपील की। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि स्वतंत्रता के 80 वर्ष पूरे होना हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान से राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय एकता की भावना मजबूत हुई है।

जयराम ठाकुर ने कहा कि भाजपा ने संगठन स्तर पर फैसला लिया है कि स्वतंत्रता दिवस से पहले प्रदेश के प्रत्येक जिले और विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्राएं निकाली जाएंगी। इन यात्राओं का उद्देश्य युवाओं और नई पीढ़ी में देशभक्ति की भावना को मजबूत करना है।

ट्रक से टकराई तेज रफ्तार स्कॉर्पियो, 6 युवक घायल

बधानी में भीषण हादसा, कार से शराब की बोतलें और कीमती सामान बरामद

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट-डलहौजी राष्ट्रीय राजमार्ग-154ए पर बधानी स्थित श्री साई डिप्लोमा कॉलेज के पास शनिवार तड़के तेज रफ्तार स्कॉर्पियो सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में स्कॉर्पियो सवार अमृतसर के छह युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

जानकारी के अनुसार महिंद्रा स्कॉर्पियो संख्या पीबी-06 बीएल-5555 डलहौजी से धारकलां की ओर जा रही थी। इसी दौरान वह ट्रक संख्या एचपी-73 बी-1058 से टकरा गई। हादसे में राज अभय सिंह, वंश, कर्णवीर सिंह, राजबीर सिंह, गुरप्रीत सिंह और प्रदीप सिंह घायल हुए हैं। सभी की उम्र 23 से 28 वर्ष के बीच बताई गई है। ट्रक चालक वीर सिंह निवासी चंबा भी घायल हुआ है।

एसएसएफ टीम के अनुसार सुबह करीब 5:30 बजे ईआरएस ऐप के माध्यम से हादसे की सूचना मिली। सिपाही अंकुर शर्मा और रजत कुमार के नेतृत्व में टीम करीब 10 मिनट में मौके पर पहुंची। जवानों ने क्षतिग्रस्त कार में फंसे युवकों को बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सीएचसी बधानी पहुंचाया। गंभीर हालत को देखते हुए घायलों को सिविल अस्पताल पठानकोट और बाद में मामून स्थित अमनदीप अस्पताल रेफर किया गया।

हादसे के बाद स्कॉर्पियो की तलाशी में दो शराब की बोतलें, एक महंगी घड़ी, 220 रुपये नकद, सामान से भरा बैग और एक स्मार्टफोन मिला। एसएसएफ ने सामान सुरक्षित कब्जे में लेकर घायलों के परिजनों को सौंप दिया। क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाकर यातायात सुचारू करवाया गया। थाना धारकलां पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

न्यूज शॉर्ट्स

95 साल की सोन देवी ने पालकी में की कांवड़ यात्रा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। हापुड़ में कांवड़ यात्रा के दौरान 95 वर्षीय सोन देवी की आस्था ने सभी का ध्यान खींचा। बुलंदशहर के हसनपुर जागीर गांव की सोन देवी हरिद्वार से गंगा स्नान कर पालकी में अपने गांव लौट रही हैं। अधिक उम्र के कारण वह पैदल यात्रा नहीं कर सकतीं। उनकी इच्छा पूरी करने के लिए परिवार के करीब 35 पोते बारी-बारी से पालकी को कंधा दे रहे हैं।

खीरगंगा नदी किनारे मिला क्षेत्र पंचायत सदस्य का शव

भारतेंदु संवाददाता, बागेश्वर। कपकोट ब्लॉक मुख्यालय के समीप नगर पंचायत के वार्ड संख्या सात में खीरगंगा नदी किनारे क्षेत्र पंचायत सदस्य का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान जालेख निवासी 48 वर्षीय तारा सिंह कोरंगा के रूप में हुई है। वह गडेरा क्षेत्र से क्षेत्र पंचायत सदस्य थे। बताया गया कि तारा सिंह खीरगंगा नदी किनारे स्थित अपने आवास में अकेले रहते थे। सुबह पड़ोस में रहने वाली करीब तीन वर्षीय बच्ची की नजर बरामदे में तारा सिंह पर पड़ी।

सीएम धामी करेंगे विद्यार्थियों से सीधा संवाद

2800 स्कूलों के विद्यार्थी देंगे सुझाव, धामी तैयार करेंगे विकास का विजन

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राज्य की नई पीढ़ी के साथ सीधे संवाद कर भविष्य के उत्तराखंड की रूपरेखा तैयार करने की दिशा में एक नई पहल शुरू करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन कार्यक्रम का शुभारंभ 10 अगस्त से होगा। इस पहल के माध्यम से राज्य के 2800 से अधिक विद्यालयों के कक्षा 11 और 12 के तीन लाख से अधिक विद्यार्थी ऑनलाइन माध्यम से अपने विचार और सुझाव मुख्यमंत्री के साथ साझा करेंगे। सरकार का उद्देश्य विकास की योजनाओं में युवाओं की सोच और उनकी प्राथमिकताओं को शामिल करना है।

इस कार्यक्रम की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमें उन विद्यार्थियों को शामिल किया जा रहा है जिनका जन्म उत्तराखंड राज्य के गठन के बाद हुआ है। यह पीढ़ी आने वाले वर्षों में राज्य की विकास यात्रा की प्रमुख भागीदार होगी। ऐसे में सरकार का मानना है कि उत्तराखंड के भविष्य को लेकर उनकी सोच और अपेक्षाओं को समझना जरूरी है। मुख्यमंत्री युवा विद्यार्थी मंथन के माध्यम से विद्यार्थियों को यह अवसर मिलेगा कि वे अपने राज्य के विकास को लेकर सीधे अपने विचार सरकार तक पहुंचा सकें।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों से हिंदी अथवा अंग्रेजी में विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सुझाव मांगे जाएंगे। इनमें पर्यटन विकास, रोजगार के अवसर, वन और पर्यावरण संरक्षण, आधुनिक शिक्षा, महिलाओं की भूमिका, सड़क और संपर्क व्यवस्था, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं तथा तकनीकी विकास जैसे विषय प्रमुख हैं।

विद्यार्थी देंगे उत्तराखंड विकास के सुझाव

पर्यटन उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। ऐसे में विद्यार्थी यह सुझाव दे सकेंगे कि राज्य में पर्यटन को किस तरह बढ़ावा दिया जाए और नए पर्यटन स्थलों को विकसित करते समय पर्यावरण का संरक्षण कैसे सुनिश्चित किया जाए। रोजगार के क्षेत्र में भी युवाओं की अपनी अपेक्षाएं हैं। विद्यार्थी स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर, स्वरोजगार और तकनीक आधारित काम को लेकर सुझाव दे सकते हैं।

24 अगस्त तक भेजी जा सकेंगी प्रविष्टियां

विद्यार्थी अपने विद्यालयों के माध्यम से ऑनलाइन अपनी प्रविष्टियां भेज सकेंगे। प्रविष्टियां जमा करने की अंतिम तिथि 24 अगस्त निर्धारित की गई है। सरकार को उम्मीद है कि तीन लाख से अधिक विद्यार्थी इस कार्यक्रम में भाग लेकर अपने सुझाव साझा करेंगे। प्रविष्टि सफलतापूर्वक जमा करने वाले प्रत्येक विद्यार्थी को डिजिटल प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा। प्राप्त सुझावों में से लगभग 150 श्रेष्ठ प्रविष्टियों का चयन किया जाएगा। इसके लिए विशेषज्ञों की टीम गठित की गई है।

देवभूमि कार्ड नहीं, सशक्त भू-कानून और मूल निवास का अधिकार चाहिए : यूकेडी

भू-कानून को लेकर सरकार पर उक्रांद का हमला।

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून में उत्तराखंड क्रांति दल की बैठक में प्रदेश में जमीनों की लगातार हो रही खरीद-फरोख्त और सरकार के प्रस्तावित देवभूमि कार्ड को लेकर गहरी चिंता जताई गई। पार्टी नेताओं ने कहा कि उत्तराखंड के मूल निवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए केवल प्रतीकात्मक योजनाएं पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि सशक्त और प्रभावी भू-कानून तथा मूल निवास की स्पष्ट व्यवस्था जरूरी है। बैठक में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि पर्वतीय क्षेत्रों में बाहरी लोगों और प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा खुले तौर पर जमीन खरीद-बिक्री के विज्ञापन किए जा रहे हैं। इससे प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान, जनसांख्यिकीय संतुलन और प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

- **पर्वतीय क्षेत्रों में जमीनों की अनियंत्रित खरीद पर उक्रांद ने जताई गंभीर चिंता**
- **उत्तराखंड की अस्मिता की रक्षा के लिए निर्णायक संघर्ष का संकल्प**

भू-कानून प्रकोष्ठ के अध्यक्ष लूशुन टोडरिया ने कहा कि सबदरखाल में 144 नाली जमीन की खरीद-बिक्री का मामला सामने आना चिंता का विषय है। उन्होंने सरकार से भूमि की अनियंत्रित खरीद-फरोख्त पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। केंद्रीय महामंत्री सेवानिवृत्त कर्नल देवरानी ने कहा कि सरकार को मूल निवासियों के अधिकारों की रक्षा के लिए स्पष्ट नीति बनानी चाहिए। पार्टी नेताओं ने देवभूमि कार्ड की व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इससे मूल निवास प्रमाण-पत्र की मांग का समाधान नहीं होगा।

उक्रांद ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए तो विधानसभा चुनाव से पहले गांव-गांव जाकर जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। पार्टी ने भू-कानून, मूल निवास और जल-जंगल-जमीन के संरक्षण को लेकर व्यापक लोकतांत्रिक आंदोलन की बात भी कही। बैठक में नेताओं ने उत्तराखंड की भूमि और पहचान की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया।

कुली बेगार आंदोलन के जननायक थे बद्रीदत्त पांडे

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। कुमाऊं केसरी बद्रीदत्त पांडे उत्तराखंड के इतिहास में ऐसे व्यक्तित्व के रूप में याद किए जाते हैं जिन्होंने पत्रकारिता, इतिहास लेखन, सामाजिक सुधार और जनआंदोलन के माध्यम से पहाड़ी समाज में नई राजनीतिक चेतना पैदा की। उनका जन्म 15 फरवरी 1882 को कनखल में हुआ था। बचपन में माता-पिता के निधन के बाद उनका पालन-पोषण अल्मोड़ा में हुआ। अंग्रेजी शासन की दमनकारी नीतियों और भारतीयों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार ने उनके मन में स्वाभिमान और स्वतंत्रता की भावना को मजबूत किया। उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़कर पत्रकारिता को जनजागरण का माध्यम बनाया। लीडर, कोस्मोपोलिटन, अल्मोड़ा अखबार और शक्ति जैसे पत्रों के माध्यम से उन्होंने औपनिवेशिक नीतियों, सामाजिक कुरीतियों और आर्थिक शोषण के खिलाफ आवाज उठाई।

1971 युद्ध में पांच भाइयों ने बढ़ाया देहरादून का गौरव

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून के कुकरेती परिवार के पांच भाइयों ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अलग-अलग मोर्चों पर तैनात होकर देश की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इनमें तीन भाई राजपूत रेजिमेंट और दो ईएमई कोर में थे। सभी की इकाइयां अलग थीं, लेकिन उनका लक्ष्य एक ही था—भारत की विजय। शौर्य चक्र विजेता सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल राकेश कुकरेती भी इन वीर भाइयों में शामिल थे। युद्ध के दौरान उन्होंने कठिन परिस्थितियों में लंबी दूरी तक रेकी अभियान चलाया।

राज्यपाल गुरमीत सिंह से केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने की मुलाकात

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून स्थित लोक भवन में शनिवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों के बीच सामाजिक न्याय, वंचित और कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। बातचीत में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास के अवसर पहुंचाने तथा उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। राज्यपाल और केंद्रीय राज्य मंत्री ने सामाजिक समानता, अधिकारों की सुरक्षा और जरूरतमंद वर्गों के कल्याण के लिए प्रभावी प्रयासों की आवश्यकता पर भी विचार-विमर्श किया। मुलाकात सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई।

धार्मिक आयोजनों से बढ़ता है सामाजिक सद्भाव : अग्रवाल

श्यामपुर में श्री राम कथा के समापन में शामिल हुए डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल

भारतेंदु संवाददाता, ऋषिकेश। श्यामपुर के भल्ला फार्म में आयोजित श्री राम कथा के समापन अवसर पर ऋषिकेश विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने सहभागिता की। उन्होंने कथावाचक शोभाराम उनियाल से आशीर्वाद प्राप्त किया और श्रद्धापूर्वक श्री राम कथा का श्रवण किया। कथा के समापन अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और धार्मिक वातावरण भक्तिमय बना रहा।

कथा के दौरान व्यास जी ने भगवान श्री राम के आदर्श जीवन, मर्यादा, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान श्री राम का जीवन मानव समाज के लिए आदर्श है। उनके जीवन से सत्य, धर्म, संयम, सेवा और कर्तव्य के प्रति समर्पण की प्रेरणा मिलती है। श्रद्धालुओं से भगवान श्री राम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया गया।

डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि श्री राम कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला आध्यात्मिक माध्यम भी है। कथा हमें सत्य, धर्म और मर्यादा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा लोगों में आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे की भावना मजबूत होती है।

कांग्रेस ने राकेश राणा को सौंपी प्रदेश महासचिव की जिम्मेदारी

भारतेंदु संवाददाता, नई टिहरी। टिहरी गढ़वाल के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राकेश राणा को उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी का महासचिव नियुक्त किया गया है। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के इस निर्णय से पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। कार्यकर्ताओं ने नेतृत्व का आभार जताते हुए राकेश राणा को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

- **लंबे संगठनात्मक अनुभव से मजबूत होगी कांग्रेसः राणा**

राकेश राणा का राजनीतिक सफर छात्र राजनीति से शुरू हुआ। वर्ष 1995 में एनएसयूआई से जुड़कर उन्होंने छात्र राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई और लगातार दो बार गढ़वाल विश्वविद्यालय परिसर टिहरी में छात्र संघ के नेता चुने गए। इसके बाद उन्होंने युवा कांग्रेस और कांग्रेस संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां संभालते हुए संगठन को मजबूत करने में योगदान दिया। वह दो बार टिहरी जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष, एनएसयूआई और युवा कांग्रेस के अध्यक्ष तथा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव रह चुके हैं।

उत्तराखंड में चार रोजगार मेले लगाएगा तकनीकी शिक्षा विभाग

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। तकनीकी शिक्षा विभाग प्रदेशभर में विशेष रोजगार मेलों का आयोजन करेगा। इन मेलों के माध्यम से करीब 10 हजार बेरोजगार युवाओं को देशभर की विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए आगामी चार माह के भीतर गढ़वाल और कुमाऊं मंडल में चार रोजगार मेले आयोजित किए जाएंगे। इनमें गढ़वाल मंडल के श्रीनगर और देहरादून तथा कुमाऊं मंडल के काशीपुर और अल्मोड़ा में रोजगार मेले लगाए जाएंगे।

- **चार रोजगार मेलों में युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर**

विद्यालयी शिक्षा, उच्च शिक्षा, सेवायोजन और कौशल विकास विभाग भी इन रोजगार मेलों में सहयोग करेंगे। इसका उद्देश्य प्रदेश के अधिक से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

सरकार का लक्ष्य अधिक युवाओं को रोजगार देना: डा. रावत

विद्यालयी शिक्षा, उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शनिवार को अपने शासकीय आवास पर तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ना है। सरकार की ओर से अब तक 42 हजार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है। इनमें स्थायी कर्मचारियों के साथ संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों को भी शामिल किया गया है।

होगा ऑनलाइन पंजीकरण

- **डा.रावत** ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रोजगार मेलों की तैयारियों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। इसके लिए तकनीकी शिक्षा विभाग को एक सप्ताह के भीतर निशुल्क ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से इच्छुक युवा रोजगार मेले में भाग लेने के लिए आवेदन कर सकेंगे।

अंतिम वर्ष के छात्रों को भी मिलेगा अवसर

रोजगार मेलों में केवल तकनीकी संस्थानों से पढ़ाई पूरी करने वाले युवाओं को ही अवसर नहीं मिलेगा, बल्कि अंतिम वर्ष में अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं को भी कंपनियों के सामने अपनी योग्यता प्रस्तुत करने का मौका दिया जाएगा। विद्यालयी शिक्षा के तहत व्यावसायिक पाठ्यक्रम पूरा कर चुके युवाओं को भी इन रोजगार मेलों में शामिल किया जाएगा।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर बिछड़ी मासूम को पुलिस ने खोजा

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर उत्तराखंड पुलिस की तत्परता और मानवीय संवेदनशीलता का सराहनीय उदाहरण सामने आया है। सात अगस्त 2026 को नेपाल निवासी एक परिवार की ढाई वर्षीय बच्ची यात्रा के दौरान अपने माता-पिता से बिछड़ गई। नेपाल के भलगांव निवासी विजय प्रसाद यादव अपने परिवार के साथ केदारनाथ धाम के दर्शन के लिए आए थे। केदारनाथ से गौरीकुंड लौटते समय रामबाड़ा पुल के समीप पिट्ठू के साथ जा रही उनकी पुत्री अंशिका यादव अचानक परिजनों की नजरों से ओझल हो गई। बच्ची के लापता होने से परिवार में अफरा-तफरी मच गई। परिजनों ने तत्काल आपातकालीन सेवा डायल 112 पर सूचना देकर मदद मांगी। सूचना मिलते ही यात्रा मार्ग पर तैनात पुलिस टीम ने बिना समय गंवाए खोजबीन और सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया।

जिस गांव से कभी तिब्बत जाते थे लोग, अब बना भारत का पहला गांव

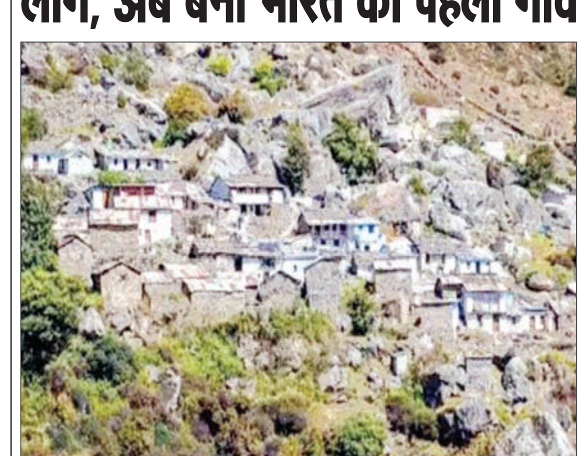

- **जिस गांव से विदेश जाते थे व्यापारी, आज बन चुका है भारत का पहला गांव**

भारतेंदु संवाददाता, चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले में हिमालय की ऊंची पहाड़ियों के बीच बसा माणा गांव इतिहास, संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता का अनोखा संगम है। बद्रीनाथ से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह गांव भारत-तिब्बत सीमा के पास बसा है। समुद्र तल से करीब 3219 मीटर की ऊंचाई पर स्थित माणा को लंबे समय तक भारत का आखिरी गांव कहा जाता था। हालांकि अब इसकी पहचान भारत के पहले गांव के रूप में की जाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2022 में माणा के दौरे के दौरान सीमावर्ती गांवों को आखिरी नहीं बल्कि देश के पहले गांव के रूप में देखने की बात कही थी।

माणा का इतिहास माणा दर्रे से गहराई से जुड़ा हुआ है। ऐतिहासिक समय में यह दर्रा भारत और तिब्बत के बीच व्यापार तथा तीर्थयात्रा के प्रमुख मार्गों में शामिल था। व्यापारी इस रास्ते से ऊन, नमक और अन्य पारंपरिक वस्तुओं का लेन-देन करते थे। इस कारण माणा लंबे समय तक भारत और तिब्बत के बीच संपर्क का महत्वपूर्ण केंद्र बना रहा। यहां रहने वाले भोटिया समुदाय के लोगों का भी व्यापारिक गतिविधियों से पुराना संबंध रहा है।

वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद सीमा पार होने वाली पारंपरिक आवाजाही और व्यापार बंद हो गया। सुरक्षा कारणों से माणा दर्रे की ओर आम लोगों की आवाजाही भी प्रतिबंधित कर दी गई। इसके बाद माणा की भूमिका एक सीमावर्ती गांव के रूप में और अधिक महत्वपूर्ण हो गई। वर्तमान में पर्यटक माणा गांव तक पहुंच सकते हैं, लेकिन सीमा क्षेत्र के आगे जाने के लिए अनुमति आवश्यक होती है।

माणा धार्मिक और पौराणिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यहां व्यास गुफा, गणेश गुफा और सरस्वती नदी से जुड़े स्थल प्रमुख आकर्षण हैं। सरस्वती नदी के पास स्थित भीम पुल भी पर्यटकों के बीच लोकप्रिय है और इसे पांडवों से जुड़ी मान्यताओं के कारण विशेष महत्व प्राप्त है।

दून में 26 दिवसीय महिला उद्यमिता प्रशिक्षण शुरू

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। देहरादून में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान ने एक्सेंचर कंपनी के वित्तीय सहयोग से 26 दिवसीय माइक्रो स्किलप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू किया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को उद्यमिता और कौशल विकास का प्रशिक्षण देकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना है। प्रशिक्षण के दूसरे दिन 55 महिलाओं को उद्यमिता विकास के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को सफल महिला उद्यमियों की प्रेरक कहानियां सुनाने के साथ टीम कार्य और नेतृत्व क्षमता के बारे में भी बताया गया। संस्थान के अनुसार प्रशिक्षण में 10 दिन उद्यमिता विकास तथा 16 दिन बुनाई कौशल का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

नीलकंठ कांवड़ यात्रा क्षेत्र की 24 घंटे निगरानी

नीलकंठ में भीड़ प्रबंधन को लेकर पुलिस ने कसी कमर

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। नीलकंठ महादेव कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए पौड़ी पुलिस ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं।

नीलकंठ यात्रा क्षेत्र में 24 घंटे निगरानी के लिए विशेष नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। यहां से यात्रा मार्ग और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार नजर रखी जा रही है। यात्रा क्षेत्र के सड़क मार्ग, पैदल रास्तों और मंदिर परिसर में करीब 70 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन कैमरों के माध्यम से श्रद्धालुओं की आवाजाही, भीड़ की स्थिति और यातायात व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसके साथ ही ड्रोन के माध्यम से भी पूरे क्षेत्र की निगरानी की जा रही है। भीड़ बढ़ने की स्थिति में ड्रोन से प्राप्त जानकारी के आधार पर पुलिस बल की तैनाती और यातायात व्यवस्था में आवश्यक बदलाव किए जा रहे हैं।

नशे के खिलाफ कार्रवाई में ढिलाई बर्दाश्त नहीं : एसएसपी

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। नई टिहरी में नशे और मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस ने जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे ने जनपद के एएनटीएफ और सभी थाना प्रभारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एनडीपीएस मामलों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में दर्ज मुकदमों, विवेचनाओं की प्रगति, वांछित आरोपितों की गिरफ्तारी, आरोपपत्रों की स्थिति, जब्त मादक पदार्थों के निस्तारण और निरोधात्मक कार्रवाई की जानकारी ली गई।

समीक्षा के दौरान अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर एसएसपी ने संबंधित थाना प्रभारियों को फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट किया कि एनडीपीएस मामलों की जांच में किसी भी तरह की लापरवाही या देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। लंबित विवेचनाओं का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। एसएसपी ने आदतन और पेशेवर नशा तस्करों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए।

री-कार्पेटिंग से ऊंची हुई सड़कें मकान हुए नीचे, हाईकोर्ट सख्त

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

फगवाड़ा के विभिन्न इलाकों में सड़कों की बार-बार री-कार्पेटिंग किए जाने से सड़क का स्तर लगातार ऊंचा होने और इसके कारण मकानों व दुकानों के सड़क से नीचे चले जाने के मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने पंजाब के मुख्य सचिव, स्थानीय निकाय विभाग के सचिव और नगर निगम फगवाड़ा के आयुक्त को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति रोहित कपूर की खंडपीठ ने यह आदेश फगवाड़ा के सेवानिवृत्त सेक्शन इंजीनियर रजनीश सहगल की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। याचिकाकर्ता ने बताया कि उन्होंने और न्यू मॉडल टाउन, फगवाड़ा के अन्य निवासियों ने नगर निगम से स्वीकृत नक्शों के अनुसार अपने मकान बनाए थे। हालांकि, पिछले कई वर्षों में क्षेत्र की सड़कों की बार-बार री-कार्पेटिंग और पुनर्निर्माण किया गया।

याचिका में आरोप लगाया गया कि सड़क निर्माण के दौरान पुरानी सड़क की परत को हटाने यानी स्क्रैचिंग किए बिना उसके ऊपर नई परत बिछाई जाती रही। इससे सड़क की ऊंचाई लगातार बढ़ती गई और अब कई मकानों का प्लिंथ स्तर सड़क से नीचे हो गया है। स्थिति यह है कि बारिश के दौरान सीवरेज और बारिश का पानी घरों में घुस जाता है। कई लोगों को अपने घरों तक पहुंचने के लिए बाहर रैंप बनाने पड़े हैं। याचिकाकर्ता के अनुसार, सड़क का स्तर बढ़ने से कई मकानों और दुकानों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। कुछ लोगों के लिए इन भवनों में रहना तक मुश्किल हो गया है। इस संबंध में याचिका के साथ प्रभावित मकानों और दुकानों के फोटो भी अदालत में पेश किए गए।

नशे के खिलाफ पंजाब पुलिस ने बढ़ाया जनजागरूकता अभियान

17 महीनों में की 39,236 बैठकें, गांवों से शिक्षण संस्थानों तक पहुंची पंजाब पुलिस की मुहिम

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में नशे के खिलाफ चलाया जा रहा 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' अभियान अब केवल नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई तक सीमित नहीं रह गया है। पंजाब पुलिस ने आम लोगों को इस मुहिम से जोड़ने के लिए गांवों, शहरों और शिक्षण संस्थानों में बड़े स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया है। पुलिस के अनुसार, 1 मार्च 2025 से 5 अगस्त 2026 तक राज्यभर में 39,236 पुलिस-जन बैठकें आयोजित की गई हैं। इन बैठकों का उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के साथ तस्करी की सूचना पुलिस तक पहुंचाने और नशा पीड़ितों को उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करना है।

पुलिस का कहना है कि इन बैठकों के माध्यम से नशे के खिलाफ चल रही मुहिम को जन आंदोलन का रूप देने में मदद मिली है। सबसे अधिक 25,328 बैठकें विलेज डिफेंस कमेटियों और वार्ड डिफेंस कमेटियों के सदस्यों के साथ आयोजित की गईं। बैठकों में लोगों को अपने आसपास नशे की बिक्री या तस्करी से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को देने, युवाओं को नशे से दूर रखने और नशे की गिरफ्त में आए लोगों को नशा मुक्ति केंद्रों तक पहुंचाने के लिए जागरूक किया गया।

13 हजार विलेज डिफेंस कमेटियां सक्रिय : राज्य में इस समय करीब 13 हजार विलेज डिफेंस कमेटियां सक्रिय हैं। इनमें लगभग 1.25 लाख स्वयंसेवक जुड़े हुए हैं। इन समितियों में गांवों के बुजुर्गों के साथ सेवानिवृत्त सैनिक, पूर्व पुलिस कर्मचारी, शिक्षक और अन्य सम्मानित नागरिक शामिल हैं। पुलिस का मानना है कि स्थानीय स्तर पर इन समितियों की सक्रियता से नशा तस्करी की गतिविधियों पर नजर रखने और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी समय पर पुलिस तक पहुंचाने में मदद मिल रही है।

युवाओं के साथ 10,605 जागरूकता बैठकें: नशे से युवाओं को बचाने पर विशेष जोर देते हुए पंजाब पुलिस ने स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शिक्षण संस्थानों में 10,605 जागरूकता बैठकें आयोजित की हैं। इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, गलत संगत से बचने और किसी भी संदिग्ध नशा गतिविधि की जानकारी पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया गया।

इसके अलावा युवाओं के साथ 3,303 संपर्क बैठकें भी आयोजित की गईं। इन बैठकों में पुलिस अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रबुद्ध लोगों ने युवाओं से सीधे संवाद किया। नशे को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने के साथ नशा मुक्ति, उपचार और पुनर्वास से जुड़ी सुविधाओं की जानकारी भी दी गई।

सामाजिक भागीदारी जरूरी : डीजीपी : पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल कानून लागू करने और तस्करों को गिरफ्तार करने से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि पुलिस संगठित नशा तस्करी नेटवर्क के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है, लेकिन स्थायी सफलता तभी मिलेगी जब आम लोग भी जागरूक होकर इस अभियान का हिस्सा बनेंगे। डीजीपी के अनुसार, पुलिस और जनता के बीच बढ़ता विश्वास लोगों को नशे से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाएं साझा करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एनएसक्यूएफ शिक्षकों का प्रदर्शन, स्थायी नीति की मांग तेज

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। एनएसक्यूएफ (व्यावसायिक) शिक्षकों ने शुक्रवार को पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के बाहर प्रदर्शन कर शिक्षा विभाग में विलय और स्थायी नीति लागू करने की मांग उठाई। शिक्षकों ने कहा कि लंबे समय से उनकी मांगों पर सरकार की ओर से कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो 15 अगस्त को कैबिनेट मंत्रियों का विरोध किया जाएगा। शिक्षकों के अनुसार, पंजाब में करीब 3670 एनएसक्यूएफ व्यावसायिक शिक्षक निजी कंपनियों के माध्यम से आउटसोर्स आधार पर सेवाएं दे रहे हैं। उनका आरोप है कि पिछले 12 वर्षों से उन्हें अस्थायी व्यवस्था में काम करना पड़ रहा है और उनके साथ शोषण किया जा रहा है। एनएसक्यूएफ वोकेशनल टीचर्स फ्रंट, पंजाब ने आउटसोर्स व्यवस्था समाप्त कर सभी शिक्षकों को सीधे शिक्षा विभाग में शामिल करने की मांग की। शिक्षकों ने रोजगार सुरक्षा के साथ समान वेतन और अन्य सुविधाएं देने की भी मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे लंबे समय से विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा दे रहे हैं, लेकिन उनकी अपनी नौकरी को लेकर स्थिरता नहीं है।

मोहाली में एचपीवी टीकाकरण धीमा, लक्ष्य का महज 8.58 प्रतिशत काम पूरा

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली। मोहाली जिले में एचपीवी टीकाकरण अभियान की गति धीमी बनी हुई है। छह महीने में केवल 1,050 पात्र किशोरियों को ही वैक्सीन लग पाई है, जो कुल लक्ष्य का 8.58 प्रतिशत है। इसके साथ मोहाली पंजाब के 23 जिलों में 20वें स्थान पर है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले में 12,237 पात्र किशोरियां हैं, जबकि पूरे पंजाब में 3,11,783 पात्र किशोरियों में से 56,921 का टीकाकरण हो चुका है। श्री मुक्तसर साहिब 45 प्रतिशत कवरेज के साथ सबसे आगे है। जिला टीकाकरण अधिकारी गिरीश डोगरा ने कहा कि एचपीवी वैक्सीन सुरक्षित है। उन्होंने अभिभावकों से सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक सूचनाओं पर भरोसा नहीं करने की अपील की। स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर और स्कूलों में जागरूकता अभियान चला रही हैं। अब तक प्रस्तावित 1,397 में से 1,282 टीकाकरण सत्र आयोजित किए जा चुके हैं। विभाग का लक्ष्य जागरूकता बढ़ाकर अधिक से अधिक पात्र किशोरियों का टीकाकरण सुनिश्चित करना है।

एक ही यूनिट दो लोगों को बेचकर की 30 लाख की ठगी

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। चंडीगढ़ स्क्वायर परियोजना में दो कामर्शियल यूनिटों की बिक्री में धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस ने मोहाली निवासी गुरमीत सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोप है कि उसने एक ही दो यूनिटें अलग-अलग लोगों को बेचकर 30 लाख रुपये हड़प लिए। शिकायतकर्ता दरमीत सिंह के अनुसार, गुरमीत सिंह ने चंडीगढ़ स्क्वायर की पांचवीं मंजिल पर स्थित दो यूनिटें उसे 90 लाख रुपये में बेचने का सौदा किया था। 25 अप्रैल 2025 को समझौता हुआ और 30 लाख रुपये बयाने के तौर पर दिए गए। रजिस्ट्री के लिए 10 नवंबर 2025 की तारीख तय हुई, लेकिन आरोपी उस दिन नहीं पहुंचा। बाद में जांच में पता चला कि आरोपी ने इन्हीं यूनिटों का सौदा पहले पंचकूला निवासी ध्रुव भारद्वाज से किया था।

नाबालिगों के यौन शोषण दोषी को 40 साल की सजा

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली । मोहाली अतिरिक्त जिला एवं विशेष न्यायाधीश की अदालत ने दो नाबालिग बच्चियों के यौन शोषण और अश्लील सामग्री बनाने के दो अलग-अलग मामलों में आरोपी देव राज मौर्य को दोषी करार दिया है। अदालत ने दोनों मामलों में पॉक्सो अधिनियम के तहत 20-20 साल की कठोर कैद सुनाई, यानी कुल 40 साल की सजा दी गई है। दोनों मामलों में जुर्माना भी लगाया गया। पहले मामले में मुल्लांपुर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज किया था। आरोप था कि आरोपी बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने कमरे में ले जाता और उसका शोषण करता था।

227 करोड़ की जलापूर्ति परियोजना पर सवाल, निगम कमिश्नर ने जांच के दिए आदेश

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

स्मार्टसिटी में 227.70 करोड़ रुपये की जलापूर्ति पाइपलाइन परियोजना को लेकर उठे सवालों के बाद नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार ने पूरे मामले की तथ्य जांच कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विशेष कमिश्नर हरप्रीत सिंह सूदन को कजौली वाटर वर्क्स से सेक्टर-39 वाटर वर्क्स तक मौजूदा 1200 एमएम आई/डी पीएससी पाइपलाइन को बदलने से संबंधित प्रस्ताव के सभी तथ्यों की जांच कर एक सप्ताह में रिपोर्ट सौंपने को कहा है।

कमिश्नर ने यह आदेश परियोजना से जुड़े प्रस्ताव की प्रस्तुति और प्रक्रिया को लेकर विभिन्न स्तरों पर उठी आपत्तियों के बाद जारी किए। हालांकि प्रस्ताव नगर निगम सदन से पारित हो चुका है, लेकिन इसके बाद मेयर, विभिन्न राजनीतिक दलों और कई पार्षदों की ओर से आपत्तियां और अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें सदन की बैठक में मौजूद और अनुपस्थित दोनों तरह के पार्षद शामिल हैं।

कमिश्नर ने पार्षदों से हुई बातचीत और प्राप्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के बाद कहा कि प्रस्ताव को अगली सदन की बैठक में चर्चा और अनुमोदन के लिए दोबारा रखना पारदर्शिता और सामूहिक निर्णय प्रक्रिया को मजबूत करेगा। विशेष कमिश्नर को मामले से संबंधित सभी रिकॉर्ड की जांच करने, संबंधित अधिकारियों से तथ्य जुटाने और विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

बड़े वित्तीय प्रस्तावों में पारदर्शिता पर जोर: अमित कुमार ने कहा कि जांच का उद्देश्य पारदर्शिता सुनिश्चित करना, प्रक्रियागत नियमों के पालन की समीक्षा करना और पूरे मामले से जुड़े तथ्यों को स्पष्ट करना है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक धन से जुड़े बड़े वित्तीय प्रस्तावों में सभी आवश्यक जानकारियां जनप्रतिनिधियों के सामने पूरी पारदर्शिता के साथ रखी जानी चाहिए, ताकि वे तथ्यों और पूरी जानकारी के आधार पर निर्णय ले सकें।आम आदमी पार्टी के पार्षद एवं मुख्य प्रवक्ता योगेश ढींगरा ने जांच के आदेश को पार्टी के विरोध की जीत बताया।

पंजाब यूनिवर्सिटी स्टूडेंट सेंटर को मिली बम से उड़ाने की धमकी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट सेंटर को शनिवार को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद विश्वविद्यालय परिसर में हड़कंप मच गया। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्टूडेंट सेंटर और उसके आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई।

सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू की। किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को भी जांच में लगाया गया। टीमों ने स्टूडेंट सेंटर के भीतर और आसपास के संवेदनशील स्थानों की बारीकी से जांच की। परिसर में आने-जाने वाले लोगों और संदिग्ध गतिविधियों पर भी निगरानी बढ़ा दी गई।

सुरक्षा एजेंसियां अब यह पता लगाने में ज़ुटी हैं कि धमकी किस माध्यम से दी गई थी और इसके पीछे कौन व्यक्ति या समूह हो सकता है। पुलिस धमकी की विश्वसनीयता की भी जांच कर रही है। इसके साथ ही धमकी भेजने वाले की पहचान के लिए तकनीकी स्तर पर भी पड़ताल की जा रही है।

घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के बीच समन्वय बढ़ाया गया है। स्टूडेंट सेंटर सहित परिसर के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है। सुरक्षा कर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारियों का कहना है कि किसी भी तरह की धमकी को गंभीरता से लिया जाता है और सुरक्षा के सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। जांच पूरी होने तक संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त निगरानी रखी जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि धमकी के पीछे किसी की शरारत है या वास्तव में कोई सुरक्षा संबंधी खतरा मौजूद है। विश्वविद्यालय परिसर में अचानक सुरक्षा बढ़ाए जाने से विद्यार्थियों और कर्मचारियों में भी चिंता का माहौल बना रहा।

फार्मासिस्ट, नर्सिंग और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों पर मिलीभगत का शक गहराया

पीजीआई गायनी विभाग से 20 लाख के इंजेक्शन गायब, कर्मचारियों की भूमिका पर उठे सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पीजीआई के गायनी विभाग में गर्भवती महिलाओं और नवजात बच्चों के उपचार में इस्तेमाल होने वाले महंगे इंजेक्शनों के गायब होने का मामला सामने आया है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार गायब हुए इंजेक्शनों की कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है। मामले में विभाग के कुछ फार्मासिस्ट, नर्सिंग स्टाफ और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। इंजेक्शनों को अस्पताल के स्टॉक से निकालकर बाजार में बेचने की आशंका भी जताई गई है। पीजीआई प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, इंजेक्शन गायब होने का यह सिलसिला पिछले कई महीनों से चलने की आशंका है। मामला तब सामने आया जब एक नए कर्मचारी की ड्यूटी गायनी विभाग के वार्ड में लगाई गई। कर्मचारी ने देखा कि मरीजों की

वास्तविक जरूरत की तुलना में चार से पांच गुना अधिक इंजेक्शन मंगवाए जा रहे थे। लगातार अधिक मात्रा में इंजेक्शन मंगाए जाने पर उसे संदेह हुआ और उसने इसकी जानकारी अस्पताल प्रशासन को दी।

शिकायत मिलने के बाद प्रशासन ने विभाग में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग की जांच करवाई। जांच के दौरान कुछ संदिग्ध गतिविधियां सामने आने की बात कही जा रही है। सूत्रों के अनुसार, कुछ फार्मासिस्ट, नर्सिंग स्टाफ और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एक ही समय और एक ही पाली में ड्यूटी लगवाते थे। आशंका है कि इसी दौरान स्टॉक से इंजेक्शन निकालकर उन्हें बाहर पहुंचाया जाता था। हालांकि, मामले की वास्तविकता जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी।

हर दिन 100 से अधिक इंजेक्शन गायब होने की आशंका : प्राथमिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि विभाग से प्रतिदिन 100 से अधिक इंजेक्शन गायब किए जा रहे थे। इसमें अस्पताल के कुछ कर्मचारियों के साथ सुरक्षा कर्मियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। इतनी बड़ी संख्या में इंजेक्शन के गायब होने से अस्पताल के स्टॉक प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

इंजेक्शनों की कीमत अधिक होने के कारण इनके अवैध तरीके से बाजार में पहुंचाए जाने की आशंका जताई जा रही है। प्रशासन इस बात की भी जांच कर रहा है कि पिछले कई महीनों के दौरान कितनी मात्रा में इंजेक्शन मंगाए गए, कितने मरीजों को लगाए गए और स्टॉक में कितनी कमी पाई गई। इसके अलावा संबंधित कर्मचारियों की ड्यूटी, स्टॉक रजिस्टर और सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है।

जीरकपुर बना नशा तस्करों का नया गलियारा बड़ी बरामदगी के बाद भी सरगना फरार

◆ पुलिस ने सप्ताहभर में पकड़े शराब, अफीम, आइस ड्रग और नशीले कैप्सूल

भारतेन्दु संवाददाता, जीरकपुर। चंडीगढ़, पंचकूला और अंबाला को जोड़ने वाला जीरकपुर क्षेत्र नशा तस्करों के लिए अहम रास्ता बनता जा रहा है। पुलिस ने पिछले एक सप्ताह में कार्रवाई करते हुए 500 से अधिक पेटियां अवैध शराब, 1250 ग्राम अफीम, 115 ग्राम आइस ड्रग और 5000 से अधिक नशीले कैप्सूल बरामद किए हैं। लगातार हो रही बड़ी बरामदगियों के बावजूद नशे के कारोबार के पीछे सक्रिय मुख्य सरगनाओं तक पुलिस के नहीं पहुंच पाने पर सवाल उठ रहे हैं।

जीरकपुर की भौगोलिक स्थिति और हाईवे से सीधा जुड़ाव तस्करों के लिए अनुकूल माना जा रहा है। यहां से चंडीगढ़, पंचकूला, मोहाली, अंबाला और हरियाणा के कई क्षेत्रों के लिए आसानी से आवागमन होता है। इसी का फायदा उठाकर तस्कर नशीले पदार्थों की खेप एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचा रहे हैं।

पुलिस की नाकाबंदी और जांच के दौरान लगातार अवैध शराब, अफीम, आइस ड्रग और नशीले कैप्सूल पकड़े जा रहे हैं। एक सप्ताह में 500 से अधिक शराब की पेटियां बरामद होना क्षेत्र में सक्रिय अवैध शराब के नेटवर्क की ओर भी इशारा करता है। वहीं आइस ड्रग और बड़ी संख्या में नशीले कैप्सूल की बरामदगी ने चिंता बढ़ा दी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस छोटे तस्करों को गिरफ्तार कर रही है, लेकिन नशे के नेटवर्क के बड़े संचालक अब भी गिरफ्त से बाहर हैं। लोगों ने मांग की है कि केवल खेप पकड़ने के बजाय सप्लाई नेटवर्क और इसके मुख्य सरगनाओं तक पहुंचकर सख्त कार्रवाई की जाए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए संदिग्ध वाहनों और लोगों की जांच बढ़ाई गई है। विभिन्न स्थानों पर नाकाबंदी कर निगरानी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि बरामदगी के मामलों में आरोपियों से पूछताछ कर नशीले पदार्थों की आपूर्ति के स्रोत और आगे जुड़े लोगों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

मोहाली: फेज पांच में बारिश के बाद बिगड़े रोड़ के हालात

पाइप लाइन का काम पूरा, तीन महीने से सड़क निर्माण अधूरा, राहगीर और दुकानदार हुए परेशान

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

मोहाली के फेज-5 में पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़क करीब तीन महीने बाद भी दोबारा नहीं बनाई जा सकी है। पाइप लाइन डालने का काम पूरा होने के बावजूद सड़क की मरम्मत नहीं होने से स्थानीय लोगों और दुकानदारों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हाल में हुई बारिश के बाद सड़क की स्थिति और खराब हो गई है। जगह-जगह गड्ढे, उखड़ी सड़क, जमा पानी और कीचड़ के कारण इस मार्ग से गुजरना मुश्किल हो गया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पाइप लाइन डालने के लिए संबंधित विभाग की ओर से सड़क की खुदाई की गई थी। पाइप लाइन बिछाने का काम पूरा होने के बाद सड़क को पहले की स्थिति में लाने और दोबारा बनाने की जिम्मेदारी संबंधित विभाग की थी। लोगों का आरोप है कि काम पूरा होने के बावजूद सड़क निर्माण की दिशा में कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। करीब तीन महीने बीत जाने के बाद भी सड़क अधूरी पड़ी है।

बारिश होने के बाद सड़क पर पानी जमा हो जाता है और कई स्थानों पर कीचड़ फैल जाता है। इससे पैदल चलने वाले लोगों को सबसे अधिक परेशानी होती है। दोपहिया वाहन चालकों को भी गड्ढों और फिसलन के कारण संभलकर वाहन चलाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि बारिश के दौरान स्थिति इसी तरह बनी रही तो दुर्घटना का खतरा बढ़ सकता है।

यह मार्ग स्थानीय लोगों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी सड़क पर जल सप्लाई विभाग का कार्यालय और बिल जमा कराने का काउंटर स्थित है। इसके अलावा आम आदमी क्लिनिक में आने-जाने के लिए भी इसी मार्ग का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में रोजाना बड़ी संख्या में लोग इस सड़क से गुजरते हैं। सड़क की खराब स्थिति के कारण मरीजों, बुजुर्गों, महिलाओं और कार्यालय में आने वाले लोगों को विशेष परेशानी उठानी पड़ रही है।

धूल-मिट्टी और कीचड़ से दुकानदार परेशान : फेज-5 निवासी अनु शर्मा ने कहा कि सड़क की समस्या काफी समय से बनी हुई है। पाइप लाइन डालने के बाद उम्मीद थी कि जल्द ही सड़क को दोबारा बना दिया जाएगा, लेकिन कई सप्ताह बीतने के बाद भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि बारिश के बाद सड़क पर पानी और कीचड़ जमा होने से लोगों की परेशानी कई गुना बढ़ गई है।

फेज-5 निवासी अनुराग ने कहा कि स्थानीय लोगों को रोजाना इसी रास्ते से आवागमन करना पड़ता है। सड़क की हालत खराब होने के कारण वाहन चालकों के साथ पैदल राहगीरों को भी परेशानी हो रही है। उनका कहना है कि नगर निगम को लोगों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द सड़क की मरम्मत करवानी चाहिए।

दुकानदार ईशू ने बताया कि खराब सड़क का सीधा असर कारोबार पर पड़ रहा है। धूल-मिट्टी और बारिश के बाद कीचड़ के कारण दुकान के आसपास गंदगी रहती है। ग्राहकों को भी दुकान तक पहुंचने में परेशानी होती है। दुकानदार राजपाल चौधरी ने कहा कि बारिश के बाद गड्ढों में पानी भर जाता है और सड़क पर कीचड़ फैल जाता है। इससे ग्राहकों और स्थानीय लोगों को काफी दिक्कत होती है।

स्थानीय लोगों ने नगर निगम और संबंधित विभाग से मांग की है कि सड़क की स्थिति का तत्काल जायजा लिया जाए और लंबित निर्माण कार्य जल्द पूरा कराया जाए। लोगों का कहना है कि बारिश का मौसम जारी रहने के कारण सड़क की समस्या और गंभीर हो सकती है। यदि समय रहते मरम्मत नहीं की गई तो सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने के साथ-साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ सकता है।

राम के संदेश से गूंजेगा पंजाब, 12 शहरों में होंगे भव्य निश्शुल्क मंचन

भारतेन्दु संवाददाता, मोहाली

पंजाब सरकार ने राज्य की सांस्कृतिक विरासत और सनातन मूल्यों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से प्रसिद्ध रंगमंचीय प्रस्तुति 'हमारे राम' के 12 शहरों में 41 निश्शुल्क मंचन कराने का फैसला किया है। इस राज्यव्यापी अभियान की शुरुआत शुक्रवार को मोहाली से हुई, जहां मुख्यमंत्री भगवंत मान उद्घाटन प्रस्तुति में शामिल हुए और दर्शकों के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगस्त और सितंबर के दौरान आयोजित होने वाले इन मंचनों के माध्यम से भगवान श्रीराम के सत्य, धर्म, करुणा, मर्यादा और सामाजिक सद्भाव के संदेश को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी मंचन पूरी तरह निश्शुल्क रखे गए हैं, ताकि समाज के हर वर्ग के लोग इस भव्य प्रस्तुति को देख सकें और भारतीय संस्कृति से जुड़ सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रसिद्ध अभिनेता आशुतोष राणा द्वारा रावण के किरदार का सशक्त अभिनय इस नाटक की प्रमुख विशेषता है। प्रस्तुति में रामायण की कथा को आधुनिक रंगमंचीय शैली में पेश किया गया है। उनका कहना था कि इस तरह के कार्यक्रम विशेष रूप से युवा पीढ़ी को भारतीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार राज्य की संस्कृति और विरासत के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में सांस्कृतिक गतिविधियों के बजट में भी वृद्धि की गई है। इससे पहले सरकार की ओर से 'एक शाम शिव के नाम' और श्री गुरु रविदास जी महाराज के 650वें प्रकाश पर्व से संबंधित कार्यक्रम भी आयोजित किए जा चुके हैं।

150 कलाकार दे रहे प्रस्तुति : पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामलों के मंत्री तरुणप्रीत सिंह सोंद ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। करीब 150 कलाकारों की टीम इस भव्य नाटक को प्रस्तुत कर रही है। आधुनिक मंच सज्जा, एलईडी दृश्यों, संगीत, पारंपरिक वेशभूषा और प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से प्रस्तुति को आकर्षक बनाया गया है। मोहाली में आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम में दर्शकों ने कलाकारों के अभिनय की सराहना की। विशेष रूप से आशुतोष राणा के रावण के किरदार को खूब पसंद किया गया।

पंजाब में एक दिन में 800 से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

मुख्यमंत्री मान ने नियुक्ति पत्र बांटे, अब तक 69,094 युवाओं को सरकारी नौकरी देने का किया दावा

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शनिवार को विकास भवन मोहाली में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने विभिन्न विभागों में एक दिन में 800 से अधिक युवाओं को सरकारी सेवा में शामिल किया है। उन्होंने दावा किया कि राज्य सरकार के गठन के बाद अब तक 69,094 युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता युवाओं को योग्यता और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के आधार पर रोजगार उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया लगातार जारी है और इसी दिशा में एक दिन में बड़ी संख्या में नियुक्तियां की गई हैं।

स्वास्थ्य विभाग में सबसे ज्यादा नियुक्तियां : मुख्यमंत्री के अनुसार, शनिवार को हुई नियुक्तियों में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में सबसे अधिक 636 युवाओं को नियुक्त किया गया। इनमें 616 स्टाफ नर्स शामिल हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में बड़ी संख्या में कर्मचारियों की नियुक्ति से सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में सेवाओं को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

इसके अलावा शुगरफेड में 101, वित्त विभाग में 72, डिफेंस सर्विसेज विभाग में 57 और सहकारिता विभाग में 11 नियुक्तियां की गई हैं। गृह विभाग में 10 कानून अधिकारियों की भर्ती की गई है। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले कर्मचारियों ने सरकार का आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकारी सेवा केवल रोजगार का माध्यम नहीं, बल्कि लोगों की सेवा करने की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कर्मचारियों से पूरी ईमानदारी, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ अपनी सेवाएं निभाने का आह्वान किया।

नीट पास करने वाले विद्यार्थियों की संख्या बढ़ने का दावा : समारोह के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शिक्षा के क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जब उनकी सरकार सत्ता में आई थी, तब पंजाब से करीब 80 विद्यार्थी ही नीट परीक्षा पास करते थे। इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 882 हो गई है। मुख्यमंत्री ने इसे लगभग 11 गुना वृद्धि बताया।

मान ने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए सरकार की ओर से लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। उनके अनुसार, बेहतर शैक्षणिक माहौल, शिक्षकों की मेहनत और सरकार की नीतियों का असर विद्यार्थियों के परिणामों में दिखाई दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार के सत्ता में आने के समय पंजाब शिक्षा के क्षेत्र में देश में 27वें स्थान पर था। अब पंजाब ने केरल को पीछे छोड़ते हुए शिक्षा के क्षेत्र में पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने इसे सरकार की शिक्षा नीतियों और शिक्षकों की मेहनत का परिणाम बताया।

उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल सरकारी नौकरियां उपलब्ध करवाना नहीं है, बल्कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के बेहतर अवसर देना भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को आगे बढ़ने के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध करवाना सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।

खाली पदों को भरने की प्रक्रिया जारी: मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न सरकारी विभागों में खाली पदों को भरने की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। सरकार का प्रयास है कि योग्य युवाओं को पारदर्शी तरीके से रोजगार के अवसर मिलें और सरकारी संस्थानों में कर्मचारियों की कमी दूर हो।

उन्होंने कहा कि नई नियुक्तियों से प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और आम लोगों को सरकारी सेवाएं अधिक प्रभावी ढंग से उपलब्ध करवाई जा सकेंगी।

स्वतंत्रता दिवस से पहले सीमावर्ती जिलों में रेड अलर्ट, पुलिस ने चलाया विशेष जांच अभियान

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर

स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बॉर्डर रेंज पुलिस ने विशेष रेड अलर्ट नाकाबंदी अभियान चलाया। बॉर्डर रेंज के डीआईजी हरमनबीर सिंह गिल के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान के दौरान सभी सीमावर्ती जिलों में एक साथ नाकाबंदी कर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन जांच की गई। पुलिस ने संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाते हुए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा भी की।

विशेष अभियान दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक सभी संबंधित जिलों में एक साथ चलाया गया। अभियान के दौरान डीआईजी हरमनबीर सिंह गिल स्वयं विभिन्न सीमावर्ती क्षेत्रों में पहुंचे और नाकों पर तैनात पुलिस अधिकारियों तथा कर्मचारियों से सुरक्षा प्रबंधों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और प्रत्येक संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जाए।

प्रमुख मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर नाकाबंदी : अभियान के तहत जिलों के प्रवेश और निकास मार्गों, प्रमुख चौकों, पुलों, बाईपास तथा अन्य संवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच नाके लगाए गए। पुलिस टीमों ने इन मार्गों से गुजरने वाले वाहनों को रोककर उनकी जांच की। संदिग्ध वाहनों की तलाशी लेने के साथ-साथ उनमें सवार लोगों से पूछताछ भी की गई।

अधिकारियों के अनुसार, अभियान के दौरान सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी और विभिन्न इकाइयों के प्रभारी स्वयं नाकों पर मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों की सीधी निगरानी में जांच अभियान चलाए जाने से जवानों को सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

नशा तस्करी और अपराध पर नजर : पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह विशेष अभियान खुफिया सूचनाओं और सुरक्षा आकलन के आधार पर चलाया गया। इसका उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में नशा तस्करी, संगठित अपराध और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है। पुलिस का विशेष ध्यान ऐसे लोगों और वाहनों पर रहा, जिनकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हुईं।

स्वतंत्रता दिवस के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही को देखते हुए पुलिस ने सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है।

धार्मिक स्थलों के पास नकली घी की शिकायत पर अमृतसर में खाद्य विभाग ने भरे पांच नमूने

नमूने प्रयोगशाला भेजे गए, चविंडा देवी और रंजीत एवेन्यू में हुई जांच

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। धार्मिक स्थलों के आसपास नकली और मिलावटी देसी घी बेचे जाने की शिकायतों के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने अमृतसर में औचक जांच अभियान चलाया। विभाग की टीम ने चविंडा देवी क्षेत्र और रंजीत एवेन्यू में विभिन्न खाद्य कारोबारियों के प्रतिष्ठानों की जांच की। इस दौरान देसी घी, पेड़ा, बर्फी और मट्ठी के कुल पांच नमूने लिए गए, जिन्हें जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला, खरड़ भेजा गया है।

अभियान की अगुवाई नामित अधिकारी-कम-जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनजीत सिंह रटौल ने की। उनके साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारी सतनाम सिंह भी मौजूद रहे। टीम ने विशेष रूप से ऐतिहासिक चविंडा देवी मंदिर और आसपास के धार्मिक स्थलों के नजदीक खाद्य पदार्थ बेचने वाले कारोबारियों की जांच की। विभाग को इन क्षेत्रों में धार्मिक कार्यों में इस्तेमाल होने वाले देसी घी की गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं।

धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : डॉ. मनजीत सिंह रटौल ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर ज्योति और अन्य धार्मिक कार्यों में इस्तेमाल होने वाले देसी घी की गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी नमूनों को प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया है। यदि किसी नमूने में मिलावट या गुणवत्ता संबंधी कमी पाई जाती है तो संबंधित कारोबारी के खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

रंजीत एवेन्यू के रेस्तरां की भी जांच : खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने रंजीत एवेन्यू स्थित एक रेस्तरां की भी जांच की। विभाग के अनुसार, सामाजिक माध्यम पर प्रसारित एक वीडियो में रेस्तरां में परोसी गई बीयर में कॉकरोच होने का दावा किया गया था। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए टीम मौके पर पहुंची और प्रतिष्ठान की जांच की। खाद्य पदार्थों के नमूने भी लिए गए, जिन्हें जांच के लिए भेजा गया है। विभाग अब जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगा।

बारिश में करंट लगने से छत से गिरा युवक, मौत

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। महानगर के थाना मेहरबान के अधीन आते गांव बाजडां में बारिश के दौरान बिजली की तारों की चपेट में आने से 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद युवक छत से नीचे गिर गया था। गंभीर हालत में उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर परमजीत सिंह ने बताया कि पुलिस को बीती रात सूचना मिली थी कि सोनू पुत्र कृष्ण यादव निवासी गांव बाजडां करंट लगने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गया है। पुलिस के अनुसार सोनू मूल रूप से बिहार के मुजफ्फरपुर का रहने वाला था और यहां अपने रिश्तेदारों के साथ मजदूरी करता था।

बताया गया कि बीती रात सोनू छत पर सो रहा था। इसी दौरान बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने और नीचे आने के लिए जब वह छत से उतर रहा था, तभी उसके सामने से गुजर रही बिजली की तारों से उसका संपर्क हो गया। अचानक करंट लगने से वह बुरी तरह झुलस गया और संतुलन बिगड़ने के कारण छत से नीचे गिर पड़ा।

मकसूदां बाईपास पर भीषण हादसे से तीन युवकों की हुई मौत

ट्रक से टकराने के बाद डिवाइडर से भिड़ी कार, चालक मौके से फरार

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। जालंधर के मकसूदां बाईपास हाईवे पर शनिवार सुबह तेज रफ्तार स्विफ्ट कार और ट्रक की टक्कर के बाद हुए भीषण सड़क हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि ट्रक से टकराने के बाद कार अनियंत्रित होकर हाईवे के डिवाइडर से जा भिड़ी और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, स्विफ्ट कार तेज गति से हाईवे पर जा रही थी। इसी दौरान उसकी ट्रक के साथ जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद चालक कार पर नियंत्रण नहीं रख सका और वाहन सड़क के बीच बने डिवाइडर से जा टकराया। कार में सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत होने की बात सामने आई है।

फरार ट्रक चालक की तलाश में जुटी पुलिस, सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही

घटना के बाद ट्रक चालक अपना वाहन हाईवे के बीच में छोड़कर मौके से फरार हो गया। ट्रक और क्षतिग्रस्त कार के सड़क पर खड़े होने के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया है। पुलिस फिलहाल मृतकों की पहचान करने में जुटी हुई है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए घटनास्थल की जांच की जा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि हादसे के समय कार की गति कितनी थी और ट्रक किस दिशा से आ रहा था। आसपास लगे कैमरों की फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के आधार पर भी जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

वहीं, पुलिस ने मौके से फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। हादसे के बाद हाईवे पर काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस और संबंधित विभाग की टीमों ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारु कराया। फिलहाल पुलिस हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

पुरानी रंजिश के चलते बरसीं गोलियां लुधियाना में युवक की सरेआम की हत्या

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना । शहर के टिब्बा रोड स्थित स्वतंत्रता नगर इलाके में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। देर रात कार सवार हमलावरों ने युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। वारदात के दौरान करीब 15 से 18 राउंड गोलियां चलने की बात सामने आई है। गोलीबारी में युवक को पांच गोलियां लगीं और वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई।

मृतक की पहचान हरजिंदर सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, हरजिंदर सिंह की कुछ युवकों के साथ पुरानी रंजिश चल रही थी। बताया जा रहा है कि वह बीते दिन स्वतंत्रता नगर इलाके में मौजूद था। इसी दौरान कार में सवार विरोधी गुट के युवक वहां पहुंचे और उसे घेर लिया। इसके बाद आरोपियों ने उस पर गोलियां चला दीं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक हुई फायरिंग से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। गोलियों की आवाज सुनकर लोग अपने घरों और दुकानों की ओर भागने लगे। हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल हरजिंदर सिंह को परिजन और स्थानीय लोग उपचार के लिए सीएमसी अस्पताल लेकर रवाना हुए, लेकिन रास्ते में ही उसकी हालत बिगड़ गई। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नोटिस और बैंक ड्राफ्ट राशि को लेकर ठेकेदारों ने उठाए सवाल

जन्माष्टमी मेले की बोली में फर्जीवाड़े के गंभीर आरोपों से प्रक्रिया हुई रद्द

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। चंडीगढ़ रोड पर वर्धमान मिल के सामने गलाडा ग्राउंड में लगने वाले जन्माष्टमी मेले की बोली को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार यहां 16 अगस्त से 16 सितंबर तक मेले का आयोजन प्रस्तावित है। मेले के लिए होने वाली बोली प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के आरोप लगे हैं। आरोप है कि चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से बोली का नोटिस केवल दो दिन पहले जारी किया गया।

मामले में सबसे बड़ा विवाद बैंक ड्राफ्ट की राशि को लेकर सामने आया है। आरोप लगाया गया है कि बोली के नोटिस में बैंक ड्राफ्ट की राशि 30 लाख रुपये लिखी गई, जबकि यह राशि तीन लाख रुपये होनी चाहिए थी। आरोप लगाने वालों का कहना है कि इतनी बड़ी राशि निर्धारित करने और कम समय में नोटिस जारी करने का उद्देश्य अन्य ठेकेदारों को बोली प्रक्रिया से दूर रखना था, ताकि कुछ पसंदीदा ठेकेदारों को फायदा मिल सके।

शुक्रवार को जब बोली प्रक्रिया शुरू हुई तो मौके पर केवल तीन ठेकेदार पहुंचे। बाद में अन्य ठेकेदारों को जब बोली की जानकारी मिली तो वे मौके पर पहुंचे और उन्होंने प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए। इसके बाद वहां जमकर हंगामा हुआ। ठेकेदारों ने आरोप लगाया कि उन्हें पर्याप्त समय पर जानकारी नहीं दी गई और बोली की शर्तों को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं थी।

पूछताछ के लिए लाया युवक पुलिस वाहन से फरार

भारतेंदु संवाददाता, सुल्तानपुर लोधी। थाना सुल्तानपुर लोधी के अधीन पुलिस चौकी मोठांवाला में चोरी के एक मामले में पूछताछ के लिए लाए गए युवक के पुलिस वाहन से फरार होने के बाद हंगामा हो गया। युवक की पहचान साहिल कुमार उर्फ बिल्ली निवासी गांव मोहब्बलीपुर के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही युवक के परिजन और रिश्तेदार चौकी पर पहुंचे और पुलिस प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया।

परिजनों ने आरोप लगाया कि युवक पुलिस हिरासत में था और ऐसे में उसके लापता होने की जिम्मेदारी पुलिस की बनती है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और साहिल का जल्द पता लगाने की मांग की। वहीं चौकी प्रभारी एएसआई सुरजीत सिंह ने बताया कि गांव के सरपंच फुमन सिंह ने घर में हुई चोरी को लेकर लिखित शिकायत दी थी।

15 अगस्त तक ई-केवाईसी नहीं कराई तो गैस बुकिंग हो सकती है बंद

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। देश की प्रमुख रसोई गैस कंपनियों ने उपभोक्ताओं को 15 अगस्त तक अपने गैस कनेक्शन की ई-केवाईसी कराने की सलाह दी है। गैस एजेंसियों के संचालकों के अनुसार, तय समय तक ई-केवाईसी नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं की सिलेंडर बुकिंग स्वीकार नहीं किए जाने के साथ आपूर्ति रोकने और कनेक्शन रद्द करने जैसी कार्रवाई की जा सकती है।

चीमा चौक स्थित अरुण गैस सर्विस के अरुण अग्रवाल, बच्चन गैस एजेंसी के मंजीत सिंह, थम्मन गैस सर्विस के अमित थम्मन और शिमलापुरी के डाबा रोड स्थित इन्द्र गैस सर्विस के संचालक रंजीत सिंह गांधी ने बताया कि उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए गैस एजेंसियों के कार्यालय रविवार को भी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक खुले रहेंगे। इन केंद्रों पर ई-केवाईसी की प्रक्रिया निश्शुल्क की जा रही है। गैस एजेंसी संचालकों ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द ई-केवाईसी पूरी करवा लें, ताकि भविष्य में गैस सिलेंडर की बुकिंग या आपूर्ति में किसी तरह की परेशानी न हो।

उन्होंने बताया कि ई-केवाईसी अभियान का उद्देश्य गैस कनेक्शनों का सत्यापन करना है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और गैस कंपनियां फर्जी या संदिग्ध कनेक्शनों की पहचान कर उन्हें समाप्त करने तथा रसोई गैस के दुरुपयोग और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए यह प्रक्रिया करवा रही हैं।

सिविल अस्पताल में घायल पक्ष फिर भिड़े युवक के सिर पर ईंट मारकर किया घायल

भारतेंदु संवाददाता, पठानकोट। पठानकोट के सिविल अस्पताल में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब आपसी विवाद में घायल हुए दो पक्ष इलाज और चिकित्सकीय जांच के लिए अस्पताल पहुंचे और एक बार फिर आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच अस्पताल परिसर में कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इसी दौरान एक युवक के सिर पर ईंट मार दी गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पहले चक्की वाले पुल और ढांगू क्षेत्र में किसी बात को लेकर झड़प हुई थी। इस घटना में घायल हुए एक पक्ष के लोग शिकायत दर्ज कराने के लिए डिवीजन नंबर-2 थाने पहुंचे थे। पुलिस ने उन्हें चिकित्सकीय जांच के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया। इसी दौरान दूसरा पक्ष भी अपना चिकित्सकीय परीक्षण करवाने के लिए अस्पताल पहुंच गया।

अस्पताल परिसर में पुलिस की मौजूदगी के बावजूद दोनों पक्षों के बीच फिर से बहसबाजी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्ष एक-दूसरे से भिड़ गए। इसी दौरान एक युवक ने रास्ते में पड़ी ईंट उठाकर दूसरे पक्ष के युवक के सिर पर दे मारी। ईंट लगने से युवक घायल हो गया और मौके पर हड़कंप मच गया।

घटना की सूचना मिलते ही अतिरिक्त पुलिस बल के साथ पुलिस नियंत्रण कक्ष और आपात प्रतिक्रिया वाहन की टीमें अस्पताल पहुंचीं। पुलिस ने तत्काल दोनों पक्षों को अलग किया और स्थिति को नियंत्रित किया। किसी तरह की दोबारा झड़प न हो, इसके लिए अस्पताल परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई। पुलिस की निगरानी में दोनों पक्षों का चिकित्सकीय परीक्षण करवाया गया।

युवक ने लगाया जानलेवा हमले का आरोप : घायल युवक हैप्पी सैनी ने आरोप लगाया कि चक्की वाले पुल के पास बड़ी संख्या में युवकों ने उस पर और उसके भाई पर जानलेवा हमला किया था। उसके अनुसार, हमलावरों ने दोनों के साथ बेरहमी से मारपीट की और उन्होंने किसी तरह वहां से निकलकर अपनी जान बचाई।

सियासत | कैप्टन ने गांधी परिवार से रिश्ते और भाजपा के प्रति निष्ठा पर रखी बात

राहुल के बयान पर कैप्टन बोले: राजनीति अलग निजी रिश्ते हैं आज भी कायम

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से कैप्टन अमरिंदर सिंह को भारतीय जनता पार्टी में अपना पसंदीदा नेता बताए जाने के बाद कैप्टन ने कहा कि राजनीति और निजी रिश्तों को कभी एक साथ नहीं मिलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के साथ उनके आज भी अच्छे निजी संबंध हैं, लेकिन राजनीतिक रूप से वह भारतीय जनता पार्टी के साथ हैं और पूरी निष्ठा से अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी निभाते रहेंगे।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि वह गांधी परिवार का निजी तौर पर सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि कभी सोनिया गांधी को किसी व्यक्तिगत मामले में उनकी मदद की जरूरत होगी तो वह तुरंत उनके पास पहुंचेंगे। उनके अनुसार, राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन पुराने व्यक्तिगत रिश्तों को राजनीति के कारण प्रभावित नहीं होने देना चाहिए।

उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि वर्ष 1980 में वह पटियाला से कांग्रेस सांसद थे, जबकि उनकी मां भारतीय जनता पार्टी की सांसद थीं। इसके बावजूद राजनीतिक विचार अलग होने का असर परिवार के आपसी संबंधों पर नहीं पड़ा। उन्होंने कहा कि यही बात आज भी लागू होती है और राजनीति तथा व्यक्तिगत संबंधों को अलग रखना जरूरी है।

राहुल के बयान के लिए जताया आभार : राहुल गांधी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कैप्टन ने कहा कि वह इसके लिए उनके आभारी हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी स्वयं जानते हैं कि वह अब भारतीय जनता पार्टी में हैं और भाजपा में रहते हुए अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी पूरी तरह निभाते रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस से उनका कोई व्यक्तिगत गिला या गांधी परिवार से नाराजगी नहीं है।

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने उनके राजनीतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पार्टी ने उन्हें दो बार सांसद, छह बार विधायक और दो बार पंजाब का मुख्यमंत्री बनने का अवसर दिया। इसलिए उनके मन में कांग्रेस को लेकर कोई अफसोस या व्यक्तिगत नाराजगी नहीं है।

पंजाब कांग्रेस के विवाद पर टिप्पणी से इनकार : पंजाब कांग्रेस में चल रहे अंदरूनी विवाद को लेकर पूछे गए सवाल पर कैप्टन अमरिंदर सिंह ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वह अब भारतीय जनता पार्टी के नेता हैं और किसी दूसरी राजनीतिक पार्टी के अंदरूनी मामलों पर टिप्पणी करना उचित नहीं समझते।

ओपिनियन

जल व वायु प्रदूषण बढ़ा रहा बीमारियां स्वच्छ पर्यावरण के लिए जागरूकता जरूरी

अशोक कुमार
स्वतंत्र लेखक

आज हमारे देश में पर्यावरण प्रदूषण की सबसे बड़ी समस्या हमारे सामने मुंह बाय खड़ी है। पर्यावरण का असंतुलित होना अथवा दूषित होना मानव जीवन के लिए अत्यंत खतरनाक है। हम देख रहे हैं कि हमारे आसपास, घर, गांव अथवा शहर में प्राय: लोग एक ही बीमारी से पीड़ित हो जाते हैं। क्या कभी हमने इस बारे में सोचा है कि यह सब क्यों और कैसे हो जाता है? इसका मात्र एक ही कारण है और वो है पर्यावरण का दूषित हो जाना।

यह समस्या हमारे देश की ही नहीं है बल्कि समूचे विश्व की है। अगर इस समस्या का समाधान शीघ्र नहीं किया गया तो यह समस्या भयानक रूप धारण कर सकती है जिसका परिणाम होगा असामयिक मृत्यु। इस समस्या को दूर करने के लिए हम सबको सोचने पर विवश होना पड़ेगा। इस प्रदूषित वातावरण के लिए अधिकतर बड़े बड़े औद्योगिक संस्थान, फैक्ट्रियां जिम्मेदार हैं। इन उद्योगों, फैक्ट्रियों से उठने वाले बदबूदार गंदे धुएं से सारा वातावरण दूषित हो जाता है जिससे अनेक बीमारियों के फैलने का अंदेशा हो जाता है। भले ही उद्योग मालिक/प्रबंधक धुआं रहित मशीनरियां लगाने का प्रबंध कर रहे हैं, लेकिन वे सब अपर्याप्त दिखाई देते हैं।

इन फैक्ट्रियों से उठने वाले धुएं अर्थात कार्बन डाइऑक्साइड गैस को मात्र पेड़ ग्रहण करते हैं और पेड़ों से ही हमें शुद्ध वायु ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इसलिए हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की आवश्यकता है। जहां पेड़ों का अभाव होता है वहां शुद्ध वायु ऑक्सीजन का भी अभाव रहता है जिस कारण पर्यावरण बिगड़ जाता है। बड़े बड़े शहरों में चल रही अनेक फैक्ट्रियां, मशीनों, सड़कों पर चल रहे अनगिनत वाहनों, स्कूटर, मोटरसाइकिलों आदि से निकलने वाला धुआं भी पर्यावरण को अत्यधिक दूषित कर देता है, सीमेंट फैक्ट्रियों, ईंट के भट्ठों से उठने वाले धुएं और धूल कणों द्वारा भी पर्यावरण दूषित हो जाता है। फैक्ट्रियों से निकलने वाला गंदा पानी, कूड़ा कचरा, शहरों की गंदगी गाड़ियों में भरकर आम खुले स्थानों पर या फिर नदियों, नालों में फैंक दी जाती है, जिससे आस पास के क्षेत्र में बदबू फैल जाती है और नदियों, कुओं तथा अन्य श्रोतों का पानी भी दूषित हो जाता है। इसी कारण जल प्रदूषण में आए दिन बढ़ोतरी होती जा रही है। परिणाम स्वरूप उस क्षेत्र के नदी, नालों, तालाबों, बावड़ियों, कुओं आदि का पानी दूषित हो जाता है जो पीने योग्य नहीं रह जाता। इस पानी को पीने वाले और स्नान करने वाले लोग संक्रामक बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। नदियों, कुओं, तालाबों, बावड़ियों आदि पर सामूहिक स्नान करना भी हानिकारक होता है।

प्लास्टिक के बैग आदि तो कुछ राज्य सरकारों द्वारा बंद कर दिए गए हैं, परंतु सरकारी डिपुओं, दुकानों में मिलने वाला समान अभी तक प्लास्टिक पैकों में आ रहा है। खाने का सामान जैसे दालें, तेल, घी, चिप्स, कुरकुरे आदि प्लास्टिक पैकों में ही आता जा रहा है। इन पैकटों के खाली होने पर, उन्हें यहां, वहां फैंक दिया जाता है जिसे अगर कोई पशु भी खा ले तो वो भी मर जाता है, इसलिए सरकार को इस ओर भी ध्यान देना होगा और इन प्लास्टिक के खाली पैकटों को तत्काल बंद करना होगा।

है। कई भूमि मालिक आर्थिक लाभ के लिए ठेकेदारों को खनन की अनुमति दे देते हैं, जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान होता है। इस अंधाधुंध खुदाई से भूमि की उर्वरता घटती है, जल स्तर नीचे चला जाता है और जल संकट गहराने लगता है। साथ ही धूल और प्रदूषण भी बढ़ता है। इसलिए सरकार को इस प्रकार के अवैध और अत्यधिक खनन पर सख्त रोक लगानी चाहिए।

पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना भी आवश्यक है। पेड़ हमें ऑक्सीजन देते हैं और जीवन का आधार हैं। अत: अनावश्यक पेड़ों की कटाई रोकनी चाहिए तथा एक पेड़ काटने पर कम से कम दस पेड़ लगाने चाहिए। अत: हम सबको चाहिए कि हम अपने आस पड़ोस, घर, गांव, शहर में स्वच्छता बनाए रखें। 'पेड़ लगाओ, जीवन पाओ।'

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनियमित दिनचर्या, तनाव और गलत खानपान ने बढ़ाई लोगों के स्वास्थ्य की मुश्किलें

डॉ. कर्म सिंह
स्वतंत्र लेखक

जआज के बदलते दौर में इंसान ने तकनीक, सुविधाओं और आधुनिक जीवनशैली के क्षेत्र में काफी प्रगति की है, लेकिन इसी तेजी के बीच स्वास्थ्य के प्रति लोगों की लापरवाही भी लगातार बढ़ती जा रही है। भागदौड़ भरी जिंदगी, अनियमित दिनचर्या, गलत खानपान और तनाव ने लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। पहले जहां लोग प्राकृतिक जीवनशैली और संतुलित आहार को प्राथमिकता देते थे, वहीं अब आधुनिक जीवन में कई ऐसी आदतें शामिल हो गई हैं जो धीरे-धीरे शरीर और मन दोनों को नुकसान पहुंचा रही हैं।

आज बड़ी संख्या में लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर जागरूक होने के बजाय बीमारियों के बाद ही सतर्क होते हैं। नियमित जांच, व्यायाम और संतुलित भोजन की आवश्यकता को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। लंबे समय तक बैठकर काम करना, शारीरिक गतिविधियों की कमी और नींद पूरी न लेना कई स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म दे रहा है। मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और मानसिक तनाव जैसी बीमारियां अब केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि युवा वर्ग भी इनकी चपेट में आ रहा है।

खानपान में बदलाव स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है। फास्ट फूड, अधिक तेल और मसाले वाले भोजन तथा पैकेट बंद खाद्य पदार्थों का बढ़ता उपयोग शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। लोग स्वाद को स्वास्थ्य से अधिक महत्व देने लगे हैं। पोषक तत्वों से भरपूर पारंपरिक भोजन की जगह आधुनिक और असंतुलित आहार ने ले ली है। इसका परिणाम यह है कि कम उम्र में ही लोग कई गंभीर बीमारियों का सामना कर रहे हैं।

स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही का एक बड़ा कारण तनावपूर्ण जीवनशैली भी है। नौकरी, शिक्षा और आर्थिक दबाव के कारण लोग मानसिक शांति खोते जा रहे हैं। लगातार तनाव से मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित होता है और इसका असर शरीर पर भी पड़ता है। चिंता, अवसाद और नींद संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसके बावजूद कई लोग मानसिक स्वास्थ्य को गंभीरता से नहीं लेते और सहायता लेने से भी बचते हैं।

बच्चों और युवाओं में भी बदलती जीवनशैली नई चुनौतियां पैदा कर रही है। मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट के अत्यधिक उपयोग के कारण शारीरिक गतिविधियां कम हो गई हैं। खेलकूद और बाहरी गतिविधियों की जगह स्क्रीन समय ने ले ली है। इससे बच्चों में मोटापा, आंखों की समस्याएं और मानसिक दबाव जैसी परेशानियां बढ़ रही हैं। स्वस्थ भविष्य के लिए बच्चों में अच्छी आदतों का विकास करना आवश्यक है।

स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती लापरवाही केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं बल्कि सामाजिक चुनौती भी बन रही है। बीमारियों का बढ़ता बोझ परिवारों और स्वास्थ्य व्यवस्था दोनों पर प्रभाव डालता है। इसलिए जरूरी है कि लोग अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और छोटी-छोटी अच्छी आदतों को जीवन का हिस्सा बनाएं। नियमित व्यायाम, संतुलित भोजन, पर्याप्त नींद और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच जैसी आदतें बीमारियों से बचाव में मदद कर सकती हैं।

सरकार और स्वास्थ्य संस्थाएं भी लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न अभियान चला रही हैं, लेकिन केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। हर व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। स्वास्थ्य केवल बीमारी से मुक्त होने का नाम नहीं है, बल्कि शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से स्वस्थ रहने की स्थिति है। आज आवश्यकता इस बात की है कि लोग आधुनिक सुविधाओं का उपयोग करते हुए अपनी जीवनशैली में संतुलन बनाए रखें। विकास के साथ स्वास्थ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

संपादकीय

नई सोच नए तरीके

शिक्षा किसी भी समाज के विकास की आधारशिला होती है और इस आधारशिला को मजबूत बनाने में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक केवल विद्यार्थियों को किताबों का ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह उनके व्यक्तित्व निर्माण, सोच विकसित करने और भविष्य की दिशा तय करने में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। बदलते समय के साथ शिक्षा जगत में भी व्यापक परिवर्तन आए हैं। आज शिक्षक की जिम्मेदारी पहले की तुलना में कहीं अधिक बढ़ गई है। आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक को ज्ञान देने के साथ-साथ तकनीक, रचनात्मकता और नई शिक्षण पद्धतियों के साथ कदमताल करना पड़ रहा है।

पुराने समय में शिक्षा मुख्य रूप से पुस्तकों, पाठ्यक्रम और शिक्षक के व्याख्यान तक सीमित थी। विद्यार्थी शिक्षक से प्राप्त जानकारी को ही ज्ञान का मुख्य स्रोत मानते थे। लेकिन वर्तमान दौर में इंटरनेट, डिजिटल माध्यमों और आधुनिक तकनीकों ने शिक्षा के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। अब विद्यार्थियों के पास जानकारी प्राप्त करने के अनेक साधन उपलब्ध हैं। ऐसे में शिक्षक की भूमिका केवल जानकारी देने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि उन्हें विद्यार्थियों को सही जानकारी चुनने, उसका विश्लेषण करने और उसका उपयोग करने की क्षमता विकसित करनी होती है।

एक अच्छा शिक्षक विद्यार्थियों के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानता है और उसे निखारने का प्रयास करता है। हर विद्यार्थी की क्षमता, रुचि और सीखने की गति अलग होती है। इसलिए शिक्षक को अपनी शिक्षण शैली में बदलाव लाने की आवश्यकता होती है। आधुनिक शिक्षक विद्यार्थियों को रटने के बजाय समझने, प्रश्न पूछने और नए विचारों को विकसित करने के लिए प्रेरित करते हैं। यही शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य भी है।

आज शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि यह व्यक्ति के संपूर्ण विकास का साधन बन चुकी है। शिक्षक विद्यार्थियों में अनुशासन, नैतिक मूल्यों, जिम्मेदारी और सामाजिक संवेदनशीलता का विकास करते हैं। एक शिक्षक का प्रभाव विद्यार्थी के जीवन पर लंबे समय तक बना रहता है। कई बार एक शिक्षक की प्रेरणा ही किसी विद्यार्थी को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

बदलते शिक्षा जगत में तकनीक का महत्व तेजी से बढ़ा है। ऑनलाइन कक्षाएं, डिजिटल पुस्तकें, स्मार्ट कक्षाएं और शिक्षा से जुड़े नए उपकरणों ने पढ़ाई के तरीकों को आसान और प्रभावी बनाया है। हालांकि तकनीक शिक्षक का स्थान नहीं ले सकती। तकनीक केवल एक माध्यम है, जबकि शिक्षक ही विद्यार्थियों को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक होता है। एक संवेदनशील शिक्षक विद्यार्थियों की भावनाओं को समझ सकता है और उनकी समस्याओं का समाधान कर सकता है।

वर्तमान समय में शिक्षकों के सामने कई नई चुनौतियां भी हैं। विद्यार्थियों की बदलती सोच, प्रतिस्पर्धा का बढ़ता दबाव और नई तकनीकों के साथ तालमेल बनाना शिक्षकों के लिए चुनौतीपूर्ण है। इसके अलावा शिक्षक को लगातार अपने ज्ञान को अपडेट रखना पड़ता है ताकि वह विद्यार्थियों को वर्तमान समय के अनुरूप शिक्षा दे सके। प्रशिक्षण और नई शिक्षण पद्धतियों का ज्ञान आज हर शिक्षक के लिए आवश्यक हो गया है।

शिक्षा में बदलाव के साथ शिक्षक की भूमिका एक प्रशिक्षक से बढ़कर एक मार्गदर्शक और प्रेरक की हो गई है। अब शिक्षक विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में सफलता दिलाने के लिए नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। उनमें आत्मविश्वास, निर्णय लेने की क्षमता और समस्या समाधान के गुण विकसित करना भी शिक्षक की जिम्मेदारी है।

ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। जहां संसाधनों की कमी होती है, वहां शिक्षक अपनी मेहनत और समर्पण से विद्यार्थियों के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। कई शिक्षक सीमित सुविधाओं के बावजूद बेहतर शिक्षा देने का प्रयास करते हैं और समाज के विकास में योगदान देते हैं।

शिक्षकों का सम्मान किसी भी सभ्य समाज की पहचान होता है। जिस समाज में शिक्षकों को उचित सम्मान और सुविधाएं मिलती हैं, वहां शिक्षा का स्तर बेहतर होता है। शिक्षकों को भी अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए ईमानदारी, समर्पण और सकारात्मक सोच के साथ कार्य करना चाहिए।

अंतत: कहा जा सकता है कि बदलते शिक्षा जगत में शिक्षक की भूमिका पहले से कहीं अधिक व्यापक और महत्वपूर्ण हो गई है। तकनीक और आधुनिक संसाधनों के बावजूद शिक्षक का महत्व कम नहीं हुआ है। शिक्षक ही वह शक्ति है जो विद्यार्थियों को ज्ञान, संस्कार और सही दिशा प्रदान करती है। एक बेहतर शिक्षक ही बेहतर समाज और मजबूत राष्ट्र के निर्माण की नींव रखता है। इसलिए शिक्षा के बदलते स्वरूप में शिक्षकों को नई चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अपने ज्ञान और कौशल को लगातार विकसित करते रहना चाहिए।

-शिवांश धाकड़

कविता: टूटते रिश्ते

रवींद्र कुमार शर्मा, घुमारवीं
जिला बिलासपुर (हि.प्र.)

आज प्राथमिकताओं के आगे रिश्ते कहां हैं टिकते
अनमोल जो होते थे कभी आज कौड़ियों के भाव हैं बिकते
कभी रिश्तों में हुआ करती थी शहद से भी ज्यादा मिठास
घाव ऐसे मिल रहे हैं रिश्तों में जो ताउम्र धीरे धीरे हैं रिसते
आज प्राथमिकता नहीं है रिश्तों को बचाना
आज आदमी का लक्ष्य है केवल पैसा कमाना
हंसते हुए किसी को देख नहीं सकते
काम रह गया है केवल दूसरों को रुलाना
एक बच्चा है परिवार में उसे रिश्तों की क्या पहचान
भाई बहन बुआ मासी चाचा चाची का नहीं है ज्ञान
नारी का सम्मान कैसे करेगा दिल से कोई
जब उसके मन में ही नहीं है नारी का सम्मान
बूढ़े माता पिता को नहीं रखना चाहता कोई साथ
संवेदनहीन हम हो गए बिगड़ रहे हालात

जल, जंगल और जमीन से जुड़े आदिवासी समाज के योगदान को दुनिया करती है नमन

अनिल शर्मा
(स्वतंत्र लेखक)

विश्व आदिवासी दिवस, जिसे अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस के नाम से भी जाना जाता है, हर वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर के आदिवासी समुदायों के अधिकारों, उनकी संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से समर्पित है। आदिवासी समाज मानव सभ्यता का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसने सदियों से प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीवन जीने की अनूठी परंपराएं विकसित की हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1994 में 9 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय विश्व आदिवासी दिवस के रूप में घोषित किया था। इसका उद्देश्य दुनिया के आदिवासी समुदायों के सामने आने वाली सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक चुनौतियों को उजागर करना तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए वैश्विक स्तर पर प्रयासों को बढ़ावा देना है। यह दिन आदिवासी समाज की पहचान, सम्मान और उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करने का अवसर प्रदान करता है।

आदिवासी समुदायों की संस्कृति और परंपराएं बेहद समृद्ध होती हैं। उनकी भाषा, लोककला, संगीत, नृत्य, हस्तशिल्प और पारंपरिक ज्ञान मानव सभ्यता की अमूल्य धरोहर हैं। आदिवासी समाज ने पीढ़ियों से जंगल, जल और जमीन के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रकृति के प्रति उनका जुड़ाव पर्यावरण संरक्षण के लिए पूरी दुनिया को प्रेरणा देता है।

भारत में भी आदिवासी समाज का विशेष महत्व है। देश के विभिन्न राज्यों में रहने वाले जनजातीय समुदाय अपनी अलग-अलग भाषाओं, रीति-रिवाजों और परंपराओं के लिए पहचाने जाते हैं। मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात और पूर्वोत्तर राज्यों में बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय निवास करते हैं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी आदिवासी वीरों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

आदिवासी समाज के कई महान योद्धाओं ने विदेशी शासन के खिलाफ संघर्ष किया। बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, रानी दुर्गावती और कई अन्य जनजातीय नायकों ने अपने साहस और बलिदान से इतिहास में अमिट छाप छोड़ी। उनका संघर्ष केवल स्वतंत्रता के लिए नहीं था बल्कि अपनी संस्कृति, अधिकारों और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए भी था।

विश्व आदिवासी दिवस का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं बल्कि आदिवासी समुदायों की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना भी है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक समानता और आर्थिक विकास जैसे क्षेत्रों में आज भी कई आदिवासी समुदाय चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इस दिवस के माध्यम से सरकारों और समाज को उनके विकास और अधिकारों के लिए प्रभावी कदम उठाने का संदेश दिया जाता है।

आधुनिक विकास की दौड़ में आदिवासी क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और विस्थापन जैसी समस्याएं भी सामने आती हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि विकास योजनाओं के साथ-साथ आदिवासी समुदायों के हितों और उनकी पारंपरिक जीवनशैली का भी सम्मान किया जाए। उनकी भागीदारी के बिना समावेशी विकास की कल्पना अधूरी है। विश्व आदिवासी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि विविधता ही मानव समाज की सबसे बड़ी ताकत है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मोटापे की चपेट में आता बचपन, देश के स्वस्थ भविष्य के लिए बड़ी चुनौती

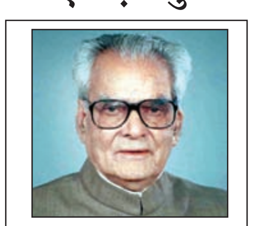

भैरो सिहं सहरावत
स्वतन्त्र लेखक

भारत में बच्चों के बीच बढ़ता मोटापा आज एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बन चुका है। कुछ दशक पहले तक मोटापे को केवल विकसित देशों की समस्या माना जाता था, लेकिन अब यह स्थिति भारत में भी तेजी से बदल रही है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों तक अधिक वजन वाले बच्चों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह केवल शरीर का वजन बढ़ने की समस्या नहीं है बल्कि आने वाले समय में देश के स्वास्थ्य ढांचे पर बड़ा दबाव डालने वाली चुनौती बन सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि बच्चों में बढ़ते मोटापे को नियंत्रित करने के लिए अभी प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में मधुमेह, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा तेजी से बढ़ सकता है।

बच्चों में मोटापे के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण बदलती जीवनशैली है। पहले बच्चे अपना अधिकतर समय बाहर खेलकूद में बिताते थे। दौड़ना, साइकिल चलाना, मैदान में खेलना और अन्य शारीरिक गतिविधियां उनके दैनिक जीवन का हिस्सा हुआ करती थीं। इससे उनका शरीर सक्रिय रहता था और ऊर्जा का संतुलन बना रहता था। लेकिन आज तकनीक के बढ़ते प्रभाव ने बच्चों की दिनचर्या को काफी बदल दिया है। मोबाइल फोन, टीवी, कंप्यूटर और वीडियो गेम बच्चों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठे रहने से शारीरिक गतिविधियां कम हो रही हैं और शरीर में जमा अतिरिक्त ऊर्जा वसा के रूप में परिवर्तित होने लगती है।

बच्चों के खानपान में आया बदलाव भी मोटापे की बड़ी वजह है। आज बाजार में उपलब्ध जंक फूड बच्चों को आसानी से आकर्षित कर रहा है। पिज्जा, बर्गर, चिप्स, फ्रेंच फ्राइज, कोल्ड ड्रिंक्स, चॉकलेट और अन्य तले हुए खाद्य पदार्थ बच्चों की पसंद बनते जा रहे हैं। इन खाद्य पदार्थों में अधिक मात्रा में चीनी, नमक, कैलोरी और अस्वास्थ्यकर वसा होती है, जो शरीर के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है। दूसरी ओर फल, हरी सब्जियां, दालें, दूध और घर का पौष्टिक भोजन बच्चों की थाली से धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। स्वाद को प्राथमिकता देने के कारण पोषण की अनदेखी बच्चों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है।

बचपन का मोटापा केवल शारीरिक बदलाव तक सीमित नहीं रहता बल्कि इसका असर बच्चे के पूरे जीवन पर पड़ सकता है। मोटापे से ग्रस्त बच्चों में कम उम्र में ही टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, फैटी लिवर और हड्डियों तथा जोड़ों से जुड़ी समस्याएं विकसित होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा सांस संबंधी परेशानियां भी सामने आ सकती हैं। कई बार मोटापे के कारण बच्चों को सामाजिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अधिक वजन के कारण उनमें आत्मविश्वास की कमी, दूसरों से दूरी बनाना, तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

इस समस्या से निपटने में अभिभावकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। बच्चों की आदतें काफी हद तक घर के वातावरण से प्रभावित होती हैं। यदि माता-पिता स्वयं संतुलित भोजन और स्वस्थ जीवनशैली अपनाते हैं तो बच्चे भी उससे प्रेरित होते हैं। बच्चों को बचपन से ही पौष्टिक भोजन की आदत डालना जरूरी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

सूर्य देव की आराधना, आध्यात्मिक चिंतन और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है रविवार का पवित्र दिन

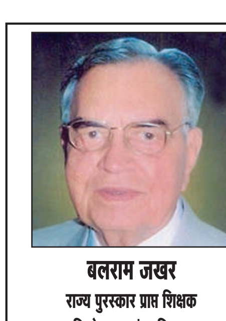

बलराम जखर
राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक
कवि लेखक एवं साहित्यकार

भारतीय संस्कृति में सप्ताह के प्रत्येक दिन का अपना धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व माना गया है। इन्हीं दिनों में रविवार का स्थान विशेष है। रविवार को सूर्य देव का दिन माना जाता है। भारतीय परंपरा में सूर्य को जीवन, ऊर्जा, प्रकाश और चेतना का प्रतीक माना गया है। सूर्य के बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना संभव नहीं है। इसलिए धार्मिक दृष्टि से रविवार का दिन सूर्य देव की आराधना, आत्मचिंतन और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने का अवसर माना जाता है।

सूर्य देव की पूजा का महत्व: हिंदू धर्म में सूर्य देव को प्रत्यक्ष देवता कहा गया है क्योंकि उनका दर्शन हर व्यक्ति कर सकता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य देव स्वास्थ्य, सफलता, आत्मविश्वास और सम्मान प्रदान करने वाले देवता हैं। रविवार के दिन प्रात:काल स्नान करने के बाद सूर्य को जल अर्पित करने की परंपरा है। माना जाता है कि श्रद्धा और विश्वास के साथ सूर्य को जल चढ़ाने से मन को शांति मिलती है और जीवन में सकारात्मकता आती है।

सूर्य पूजा केवल धार्मिक कर्मकांड तक सीमित नहीं है बल्कि इसके पीछे स्वास्थ्य संबंधी महत्व भी छिपा है। सुबह जल्दी उठकर सूर्य की किरणों के संपर्क में आने से शरीर को प्राकृतिक ऊर्जा मिलती है। नियमित दिनचर्या और अनुशासन का पालन करने की प्रेरणा भी सूर्य उपासना से जुड़ी हुई है।

रविवार और धार्मिक परंपराएं: भारतीय समाज में रविवार को कई लोग व्रत और पूजा करते हैं। सूर्य देव की कृपा प्राप्त करने के लिए लोग इस दिन विशेष नियमों का पालन करते हैं। कुछ लोग नमक का त्याग करते हैं और सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। लाल रंग के वस्त्र, लाल फूल और गुड़ जैसे पदार्थ सूर्य पूजा में विशेष रूप से उपयोग किए जाते हैं।

धार्मिक ग्रंथों में सूर्य देव को शक्ति और ज्ञान का स्रोत बताया गया है। मान्यता है कि सूर्य की आराधना करने से व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास बढ़ता है और वह जीवन की कठिन परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम बनता है।

रविवार का आध्यात्मिक महत्व: रविवार को केवल आराम का दिन नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर भी माना जा सकता है। भागदौड़ भरी जिंदगी में व्यक्ति अपने परिवार, समाज और स्वयं के लिए समय नहीं निकाल पाता। रविवार का दिन व्यक्ति को अपनी दिनचर्या पर विचार करने और जीवन को बेहतर बनाने का अवसर देता है।

धार्मिक दृष्टि से यह दिन मन को शांत करने, ईश्वर का स्मरण करने और अच्छे कार्यों के लिए प्रेरणा लेने का समय है। ध्यान, प्रार्थना और आध्यात्मिक चिंतन से मानसिक तनाव कम होता है और मन में सकारात्मक विचार उत्पन्न होते हैं।

दान और सेवा का महत्व: भारतीय परंपरा में रविवार के दिन दान और सेवा कार्यों को भी शुभ माना गया है। जरूरतमंद लोगों की सहायता करना, भोजन कराना और समाज के कमजोर वर्गों के प्रति सहयोग की भावना रखना धार्मिक दृष्टि से पुण्य कार्य माना जाता है।

धर्म का वास्तविक उद्देश्य मानवता की सेवा करना है। इसलिए रविवार को केवल पूजा तक सीमित न रखकर अच्छे कार्यों और समाज कल्याण के लिए भी समर्पित किया जा सकता है। दूसरों की सहायता करने से मन को संतोष और आत्मिक आनंद प्राप्त होता है।

परिवार के साथ समय बिताने का अवसर: आधुनिक जीवन में काम की व्यस्तता के कारण परिवार के सदस्यों के बीच संवाद कम होता जा रहा है। रविवार का दिन परिवार के साथ समय बिताने और रिश्तों को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

युवा कलाकारों के लिए प्रेरणा हैं अंजू

अंजू कुरियन का जन्मदिन उनके प्रशंसकों के लिए खास अवसर होता है। भारतीय मनोरंजन जगत में अपनी अलग पहचान बनाने वाली अंजू कुरियन ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और आकर्षक व्यक्तित्व के दम पर दर्शकों के बीच लोकप्रियता हासिल की है। उनका जन्म **9 अगस्त 1993** को केरल में हुआ था। बचपन से ही रचनात्मक क्षेत्रों में रुचि रखने वाली अंजू ने शिक्षा पूरी करने के बाद अभिनय की दुनिया में कदम रखा और धीरे-धीरे अपनी मजबूत पहचान बनाई।

अंजू कुरियन
जन्म : 9 अगस्त 1993

अंजू कुरियन ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। वर्ष 2016 में आई फिल्म कावलगम से उन्होंने बड़े पर्दे पर कदम रखा। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में अपने अभिनय कौशल का प्रदर्शन किया और अलग-अलग तरह के किरदारों को जीवंत किया। उनकी सादगी, भावनात्मक अभिनय और स्क्रीन पर सहज मौजूदगी ने उन्हें दर्शकों के बीच खास जगह दिलाई।

अंजू ने अपने करियर में रोमांटिक, पारिवारिक और युवा वर्ग से जुड़े किरदार निभाए हैं। फिल्म नयन प्रकाशन प्रकरणम, जैक डेनियल और कैंपस डायरी जैसी फिल्मों में उनके अभिनय को सराहा गया। उन्होंने यह साबित किया कि एक कलाकार के लिए केवल खूबसूरती ही नहीं बल्कि अभिनय क्षमता और मेहनत भी महत्वपूर्ण होती है।

जन्मदिन के मौके पर अंजू कुरियन के प्रशंसक उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। सोशल मीडिया पर भी उनके चाहने वाले उनके पुराने चित्रों और यादगार पलों को साझा कर उन्हें बधाई देते हैं। अंजू अपनी फिटनेस, फैशन शैली और सकारात्मक सोच के लिए भी जानी जाती हैं।

अंजू कुरियन का सफर उन युवाओं के लिए प्रेरणा है जो मनोरंजन जगत में अपना करियर बनाना चाहते हैं। उन्होंने लगातार मेहनत और आत्मविश्वास के साथ अपनी जगह बनाई है। आने वाले समय में उनसे और भी बेहतरीन फिल्मों और यादगार भूमिकाओं की उम्मीद की जा रही है।

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

अलीगढ़ में ट्रेन से गिरकर कानपुर के युवक की मौत

एजेंसी, कानपुर। ककवन क्षेत्र के फतेपुर गांव निवासी 20 वर्षीय सौरभ पाल की अलीगढ़ में ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। घटना के बाद शनिवार को गांव में उस समय हंगामा हो गया, जब स्वजन ने शव रखकर दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। परिजनों का आरोप है कि गांव के तीन युवक नौकरी दिलाने का झांसा देकर सौरभ को अपने साथ ले गए थे और रास्ते में उसके साथ किसी अनहोनी को अंजाम दिया गया। सौरभ के बड़े भाई रिशु पाल के अनुसार, सौरभ कानपुर की एक फैक्ट्री में नौकरी करता था। करीब 20 दिन पहले उसने नौकरी छोड़ दी थी और घर पर रह रहा था। मंगलवार को गांव के ही अतुल, सचिन और अर्जुन ने उसे नोएडा में नौकरी दिलाने की बात कहकर अपने साथ ले जाने की बात सामने आई है। इसके बाद अलीगढ़ में ट्रेन से गिरकर उसकी मौत की सूचना परिवार को मिली। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। स्वजन को सौरभ की मौत की परिस्थितियों पर संदेह है। उनका आरोप है कि केवल ट्रेन से गिरने की बात बताकर मामले को खत्म नहीं किया जा सकता। उन्होंने दोस्तों पर सौरभ को धक्का देकर ट्रेन से गिराने और उसकी हत्या करने का आरोप लगाया। हालांकि हत्या के आरोपों की अभी पुलिस जांच की जानी बाकी है। शनिवार को सौरभ का शव गांव पहुंचा तो आक्रोशित स्वजन ने अंतिम संस्कार करने से इन्कार कर दिया और शव रखकर हंगामा किया। परिजनों ने आरोपित युवकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर ककवन पुलिस मौके पर पहुंची और स्वजन को समझाने का प्रयास किया। काफी बातचीत के बाद पुलिस ने परिजनों को शांत कराया, जिसके बाद शव अंतिम संस्कार के लिए भेजा गया।

न्यूज ब्रीफ

मुजफ्फरनगर में ससुराल आए युवक की धारदार हथियार से हत्या

एजेंसी, मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना क्षेत्र में ससुराल आए एक युवक की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान मेरठ के लक्खीपुरा निवासी तालिब के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि तालिब अपनी ससुराल आया था। इसी दौरान पड़ोसी युवक हासिम ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार हमलावर ने तालिब पर लगातार कई वार किए। हमले में उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं। युवक के घायल होने की जानकारी मिलते ही स्वजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। गंभीर हालत में तालिब को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

भरवारा आरओबी का रास्ता साफ 35 परिवारों को मिलेंगे मकान

एजेंसी, लखनऊ। लखनऊ में भरवारा रेलवे क्रासिंग पर प्रस्तावित रेल ओवर ब्रिज के निर्माण का रास्ता अब साफ हो गया है। आरओबी की जद में आने वाले 80 लोगों में से 35 विस्थापित परिवारों को प्रशासन मुआवजे के साथ 50 वर्ग मीटर का मकान उपलब्ध कराएगा। बाकी प्रभावित लोगों को मुआवजा दिया जाएगा। इस प्रक्रिया में करीब छह महीने लगने की संभावना है। इसके बाद वर्ष 2027 में आरओबी का निर्माण शुरू किया जाएगा और 2029 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। वाई आकार में बनने वाले इस आरओबी पर उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम 126.86 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इसके बनने से चार लाख से अधिक लोगों को यातायात में राहत मिलेगी और क्षेत्र की संपर्क व्यवस्था भी बेहतर होगी।

यूपी के होम्योपैथी कॉलेजों को मान्यता, आयुर्वेदिक-यूनानी की तैयारी

एजेंसी, लखनऊ। प्रदेश में आयुष चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आयुर्वेदिक और यूनानी कॉलेजों को मान्यता दिलाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। राज्य के होम्योपैथी कॉलेजों को भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग से मान्यता मिलने के बाद अब आयुर्वेदिक और यूनानी कॉलेजों के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। आयुष विभाग ने आयोग की ओर से उठाई गई आपत्तियों को दूर करने संबंधी शपथ पत्र भेज दिया है। विभाग को उम्मीद है कि आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद जल्द ही मान्यता आदेश जारी हो सकता है। इससे आयुष चिकित्सा पद्धति में राज्य कोटे की सीटों पर प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को लाभ मिलने की संभावना है। विभाग काउंसिलिंग प्रक्रिया की तैयारियों में भी जुटा है।

राहुल प्रयागराज आए तो झारखंड क्यों नहीं गए: केशव मौर्य

एजेंसी, लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रयागराज दौरे को लेकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने राहुल गांधी के दौरे पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस नेता प्रयागराज में राजनीतिक गतिविधियों के लिए पहुंच रहे हैं, लेकिन झारखंड में चल रहे छात्रों के आंदोलन के दौरान वहां नहीं गए। केशव प्रसाद मौर्य ने आरोप लगाया कि झारखंड में कांग्रेस की सरकार है और वहां प्रतियोगी परीक्षाओं तथा छात्रों से जुड़े मुद्दे उठ रहे हैं। उनका कहना है कि यदि राहुल गांधी वास्तव में युवाओं और छात्रों के हितों को लेकर गंभीर हैं तो उन्हें झारखंड जाकर छात्रों की समस्याएं सुननी चाहिए थीं। उन्होंने कांग्रेस पर युवाओं के मुद्दों को राजनीतिक लाभ के नजरिए से देखने का आरोप भी लगाया। उपमुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार फिर बनेगी। मौर्य ने कहा कि सपा की सामाजिक न्याय और पिछड़े, दलित तथा अल्पसंख्यक वर्गों को लेकर बनाई गई राजनीतिक रणनीति प्रभावी नहीं है। उन्होंने भाजपा सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि जनता का विश्वास सरकार के प्रति मजबूत हुआ है। मौर्य ने समाजवादी पार्टी के शासनकाल को लेकर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पिछड़ों, दलितों और ब्राह्मणों के साथ अन्याय हुआ तथा अपराधियों और माफिया तत्वों को संरक्षण मिला। हालांकि ये सभी राजनीतिक आरोप हैं और इनके जवाब में विपक्ष की ओर से अलग-अलग दावे किए जाते रहे हैं। राहुल गांधी के प्रयागराज दौरे को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज होती दिखाई दे रही है। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए दोनों दलों की गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं।

2027 की तैयारी में जुटी भाजपा, 13 नए चेहरों को मिली जिम्मेदारी

यूपी में 2027 चुनाव की तैयरियां तेज

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी क्रम में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने पार्टी के छह क्षेत्रों और सात मोर्चों के लिए नए प्रभारियों की घोषणा की है। पार्टी की ओर से जारी सूची में 13 नए चेहरों को जिम्मेदारी दी गई है। इन नियुक्तियों को आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भाजपा अब संगठन को बूथ और क्षेत्रीय स्तर तक और अधिक सक्रिय करने की दिशा में काम कर रही है।

प्रदेश में विधानसभा चुनाव अभी दूर हैं, लेकिन भाजपा ने संगठन को चुनावी मोड में लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। छह क्षेत्रों के लिए वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी सौंपने के साथ ही सात मोर्चों के लिए भी प्रभारी तय किए गए हैं। पार्टी का प्रयास है कि अलग-अलग क्षेत्रों और सामाजिक समूहों तक संगठन की गतिविधियों को प्रभावी तरीके से पहुंचाया जाए। नई जिम्मेदारियों के माध्यम से

- भाजपा ने छह क्षेत्रों और सात मोर्चों के प्रभारी किए नियुक्त
- छह क्षेत्रों की कमान वरिष्ठ नेताओं को, सात मोर्चों के प्रभारी तय

नेताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बढ़ाने और पार्टी की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का काम करना होगा।

भाजपा के लिए उत्तर प्रदेश राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण राज्य है। विधानसभा चुनाव में मजबूत प्रदर्शन के लिए पार्टी संगठन की भूमिका को महत्वपूर्ण मानती है। यही वजह है कि चुनाव से काफी पहले क्षेत्रीय स्तर पर जिम्मेदारियां तय की जा रही हैं। नए प्रभारियों के सामने संगठन को सक्रिय रखने के साथ-साथ आगामी चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को तैयार करने की चुनौती होगी। पार्टी नेतृत्व की कोशिश होगी कि संगठन और सरकार के बीच बेहतर तालमेल बना रहे और स्थानीय स्तर पर सामने आने वाले मुद्दों की जानकारी समय पर शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचे।

नई सूची में छह क्षेत्रों के अलावा सात मोर्चों के प्रभारियों की भी घोषणा की गई है। पार्टी के विभिन्न मोर्चे अलग-अलग सामाजिक और युवा वर्गों के बीच संगठन की पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनमें युवा, महिला, किसान, पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अन्य वर्गों से जुड़े संगठनात्मक प्रयास शामिल हैं। इन मोर्चों के माध्यम से भाजपा समाज के अलग-अलग वर्गों के बीच अपनी राजनीतिक और संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने की कोशिश करेगी।

गोरखपुर में डिजिटल होगा शहर का हर भू अभिलेख, 'नक्शा' परियोजना का सर्वे शुरू

एजेंसी, अयोध्या। गोरखपुर में शहर की संपत्तियों से जुड़े भू-अभिलेखों को डिजिटल स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। केंद्र सरकार की डिजिटल इंडिया पहल के अंतर्गत संचालित नक्शा परियोजना के तहत नगर निगम क्षेत्र में संपत्तियों का स्थलीय सर्वेक्षण शुरू हो गया है। इस परियोजना का उद्देश्य शहर की प्रत्येक संपत्ति का सटीक और आधुनिक डिजिटल भू-अभिलेख तैयार करना है। इससे भविष्य में संपत्तियों से संबंधित जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी और अभिलेखों के रखरखाव में भी सुविधा होगी।

सर्वेक्षण के लिए नगर निगम और राजस्व विभाग की संयुक्त रूप से 26 टीमें गठित की गई हैं। इन टीमों में कुल 52 अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। सभी कर्मचारियों को छह दिवसीय प्रशिक्षण देने के बाद सर्वेक्षण के लिए मैदान में उतारा गया है। टीमें आधुनिक रोवर उपकरण की सहायता से प्रत्येक संपत्ति का जियो-रेफरेंस सर्वे करेंगी। सर्वेक्षण के दौरान संपत्तियों की वास्तविक स्थिति और उनके स्थान से संबंधित आंकड़े एकत्र किए जाएंगे।

एकत्र किए गए आंकड़ों का उपलब्ध राजस्व अभिलेखों से मिलान भी किया जाएगा। इससे पुराने अभिलेखों में मौजूद कमियों या अंतर को पहचानने में मदद मिलेगी। परियोजना पूरी होने के बाद शहर की संपत्तियों का अधिक सटीक डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होने की उम्मीद है।

डिजिटल भू-अभिलेख तैयार होने से शहरी विकास योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करने में सहायता मिलेगी। साथ ही संपत्ति कर के निर्धारण और संबंधित प्रशासनिक कार्यों में भी पारदर्शिता बढ़ सकती है। संपत्तियों की सही स्थिति और सीमाओं से जुड़ी जानकारी उपलब्ध होने पर सरकारी विभागों के लिए योजना बनाना आसान होगा।

आजमगढ़ में प्रेमिका से शादी के लिए टावर पर चढ़ा युवक

एजेंसी, आजमगढ़

आजमगढ़ के अजमतगढ़ क्षेत्र में शनिवार सुबह प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक मामला अचानक चर्चा का विषय बन गया। करीब 25 वर्षीय एक युवक अपनी प्रेमिका से शादी करने की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़ गया। युवक को टावर पर चढ़ा देखकर आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई। कुछ ही देर में मौके पर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए और युवक को नीचे उतारने का प्रयास शुरू किया गया।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने युवक से बातचीत कर उसे समझाने और सुरक्षित नीचे उतरने के लिए काफी देर तक मान-मनौव्वल की। युवक अपनी मांग पर अड़ा रहा और प्रेमिका से शादी कराने की बात कहता रहा। इस दौरान पुलिस ने स्थिति को शांत बनाए रखने के साथ युवक को किसी तरह का जोखिम न उठाने के लिए समझाया।

काफी प्रयास के बाद युवक की प्रेमिका को भी मौके पर बुलाया गया। प्रेमिका के वहां पहुंचने के बाद युवक टावर से नीचे उतरने के लिए तैयार हो गया। पुलिस की मौजूदगी में युवक को सुरक्षित नीचे उतारा गया। इसके बाद पुलिस दोनों पक्षों को जीयनपुर थाने लेकर गई। वहां दोनों से पूरे मामले को लेकर पूछताछ की जा रही है।

देवरिया में खतरे के निशान के करीब पहुंची सरयू नदी

एजेंसी, लखनऊ

पहाड़ों और मैदानी क्षेत्रों में लगातार हो रही वर्षा के कारण सरयू नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। शनिवार को नदी का जलस्तर खतरे के निशान से महज 10 सेंटीमीटर नीचे पहुंच गया। जलस्तर में लगातार वृद्धि से सरयू के किनारे बसे गांवों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। निचले इलाकों में रहने वाले ग्रामीण नदी के बढ़ते जलस्तर को लेकर चिंतित हैं। प्रशासन और बाढ़ खंड की ओर से स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

24 घंटे में 20 सेंटीमीटर बढ़ा सरयू का जलस्तर।

केंद्रीय जल आयोग तुर्तीपार के अनुसार शनिवार शाम चार बजे सरयू नदी का जलस्तर 63.90 मीटर दर्ज किया गया। नदी का खतरे का निशान 64.010 मीटर है। इस तरह नदी खतरे के निशान से केवल 10 सेंटीमीटर नीचे बह रही है। पिछले 24 घंटे में नदी के जलस्तर में करीब 20 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। जलस्तर में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो आने वाले समय में नदी खतरे के निशान को पार कर सकती है।

सरयू नदी के जलस्तर में वृद्धि का सबसे अधिक असर तटवर्ती और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों पर पड़ने की आशंका है। ग्रामीणों को डर है कि नदी का पानी खेतों और आबादी वाले क्षेत्रों की ओर बढ़ सकता है। जलस्तर बढ़ने के साथ ही नदी के आसपास के क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। स्थानीय लोग भी नदी की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

बाढ़ खंड और तहसील प्रशासन ने संभावित बाढ़ से निपटने के लिए तैयारियां पूरी होने का दावा किया है। अधिकारियों के अनुसार नदी के जलस्तर की लगातार निगरानी की जा रही है। संवेदनशील क्षेत्रों में स्थिति पर नजर रखने के साथ ही आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू करने की तैयारी रखी गई है। प्रशासन की ओर से ग्रामीणों को भी सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

हाईकोर्ट ने ज्ञानती देवी को दी बड़ी राहत, अगली सुनवाई 15 सितंबर को

एजेंसी, गोरखपुर। नगर निगम के शाहपुर वार्ड की पार्षद ज्ञानती देवी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उनके निर्वाचन को शून्य घोषित करने वाले निर्वाचन ट्रिब्यूनल के आदेश के क्रियान्वयन पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। इस अंतरिम आदेश के बाद फिलहाल ज्ञानती देवी के निर्वाचन को रद करने संबंधी फैसला लागू नहीं होगा। मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर को निर्धारित की गई है।

जानकारी के अनुसार गोरखपुर के शाहपुर वार्ड से पार्षद ज्ञानती देवी के निर्वाचन को लेकर विवाद चल रहा था। इस मामले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा फास्ट ट्रैक कोर्ट, महिलाओं के विरुद्ध अपराध, गोरखपुर ने 23 जुलाई को अपना फैसला सुनाया था। न्यायालय ने ज्ञानती देवी के वार्ड सदस्य के रूप में निर्वाचन को शून्य घोषित कर दिया था। इस आदेश के बाद उनके निर्वाचन पर संकट खड़ा हो गया था।

निर्वाचन ट्रिब्यूनल के आदेश के खिलाफ ज्ञानती देवी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने निर्वाचन ट्रिब्यूनल के 23 जुलाई के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी।

झांसी जेल से प्रयागराज पहुंचाया जा रहा अली अहमद

एजेंसी, महोबा। बुंदेलखंड के महोबा में रविवार 21 जून को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जिसको लेकर ऐतिहासिक गोरखगिरि पर्वत पर आज शुक्रवार से 21 जून तक आमजनमानस के लिए दर्शन भ्रमण और भंडारा के लिए रोक लगाई गई है। सीएम के कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियों को तेज कर दिया है।

जनपद मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक गोरखगिरि पर्वत को नाथ संप्रदाय के गुरु गोरखनाथ की तपोस्थली माना जाता है। जहां गुरु गोरखनाथ ने गुफा में बैठकर तप किया था। रविवार को सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ के जनपद भ्रमण कार्यक्रम को लेकर गुरु गोरखनाथ की तपोभूमि को संवारने का काम किया जा रहा है। प्रशासन सीएम के आगमन को लेकर तैयारियों में जुटा है। भीषण गर्मी के बावजूद अफसर गोरखगिरि पर्वत पर पसीना बहाते नजर आ रहे हैं। अपर जिला मजिस्ट्रेट कुंवर पंकज ने शुक्रवार को बताया कि गोरखगिरि पर कार्य चल रहा है।

गोरखपुर में देवरिया बाईपास से जुड़ेगा कुशीनगर फोरलेन, लखनऊ की यात्रा होगी सुगम

एजेंसी, गोरखपुर

गोरखपुर में सड़क संपर्क व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण देवरिया बाईपास को सिक्टौर के पास कुशीनगर फोरलेन से जोड़ने की तैयारी कर रहा है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद गोरखपुर से लखनऊ जाने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। साथ ही लिंक एक्सप्रेसवे तक पहुंचना भी आसान हो जाएगा।

वर्तमान में महानगर से लखनऊ जाने वाले वाहनों को ट्रांसपोर्टनगर और नौसढ़ होते हुए सहजनवा के कालेसर जीरो प्वाइंट तक जाना पड़ता है। इस मार्ग पर अक्सर यातायात का दबाव बना रहता है। खासकर नौसढ़ क्षेत्र में जाम की स्थिति बनने पर वाहन चालकों को काफी परेशानी होती है। ऐसे में देवरिया बाईपास को कुशीनगर फोरलेन से जोड़ने वाला नया संपर्क मार्ग वैकल्पिक रास्ते के रूप में उपयोगी साबित हो सकता है।

कालेसर जीरो प्वाइंट से कुशीनगर तक फोरलेन मार्ग पहले से बना हुआ है। यह मार्ग देवरिया बाईपास पर सिक्टौर के पास से रामनगर

कड़जहां होते हुए कुशीनगर की ओर जाता है। नए संपर्क के बाद देवरिया बाईपास से इस फोरलेन तक वाहनों की सीधी पहुंच बन सकेगी। इससे यात्रियों को अनावश्यक रूप से शहर के भीतरी हिस्सों से गुजरने की जरूरत कम होगी।

एनएचएआइ ने प्रस्तावित सड़क संपर्क की डिजाइन तैयार कराने के लिए एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। परियोजना के आगे बढ़ने के साथ इसके निर्माण और यातायात संचालन की तस्वीर भी स्पष्ट होगी। अधिकारियों का मानना है कि नया मार्ग बनने से यात्रा का समय कम हो सकता है और वाहनों को बेहतर विकल्प मिलेगा।

शिलान्यास | मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने अहिल्याबाई के योगदान को सराहा, बोले- उनका जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत

रामलीला चौराहे पर सजी अहिल्याबाई की प्रतिमा

एजेंसी, बिजनौर

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद में शनिवार को लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया गया। रामलीला मैदान के पास स्थित चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने विधिवत रूप से प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी और पाल समाज के लोग मौजूद रहे। प्रतिमा स्थापित होने और चौराहे के सौंदर्यीकरण से स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

नगर पालिका परिषद की ओर से रामलीला मैदान के पास चौराहे पर लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा स्थापित कराई गई है। प्रतिमा लगाने के साथ ही चौराहे का सौंदर्यीकरण भी कराया गया है। इससे क्षेत्र की सुंदरता बढ़ी है और स्थानीय लोगों में भी इसे लेकर खुशी है।

कार्यक्रम के दौरान लोगों ने लोकमाता अहिल्याबाई के जीवन और उनके योगदान को याद किया।

प्रतिमा के अनावरण के बाद मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने हिंदू समाज, देश की परंपरा, विरासत और आस्था से जुड़े विषयों के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। उन्होंने अपना पूरा जीवन देश और समाज की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उनके कार्यों और जीवन से आज भी समाज को प्रेरणा मिलती है। मंत्री ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर का जीवन त्याग, सेवा, समर्पण और लोककल्याण का उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने अपने शासनकाल में धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण तथा विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए। उनके प्रयासों का प्रभाव देश के विभिन्न हिस्सों में आज भी दिखाई देता है। आस्था और संस्कृति से जुड़े अनेक स्थानों के विकास में उनके योगदान को याद किया जाता है। यही कारण है कि करोड़ों आस्थावान लोगों के लिए उनका जीवन आज भी प्रेरणास्रोत बना हुआ है।

अपने संबोधन में मंत्री ने विदेशी आक्रांताओं द्वारा देश की परंपरा, संस्कृति और आस्था के केंद्रों पर किए गए हमलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसे दौर में सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए किए गए प्रयासों का महत्व समझना जरूरी है।

कई भाजपा नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान बाबी, नगर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष साकेंद्र प्रताप सिंह, झालू नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी और सुभाष वाल्मीकि समेत कई भाजपा नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों ने भी लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा पर श्रद्धा व्यक्त की और उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में पाल समाज के लोगों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। समाज के लोगों ने प्रतिमा स्थापित किए जाने को सम्मान और गौरव का विषय बताया। स्थानीय लोगों का कहना है कि चौराहे पर अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा स्थापित होने से नई पीढ़ी को उनके जीवन और योगदान के बारे में जानने का अवसर मिलेगा।

रामपुर में भीषण सड़क हादसा टेंपो सवार 11 लोग घायल

एजेंसी, रामपुर

रामपुर के बिलासपुर क्षेत्र में नैनीताल हाईवे बाइपास पर शनिवार को तेज रफ्तार टूरिस्ट बस ने पीछे से एक टेंपो को टक्कर मार दी। हादसे में टेंपो पलट गया और उसमें सवार नौ महिलाओं समेत 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में टेंपो चालक भी शामिल है। इनमें से दो घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया।

- बस ने टेंपो को 20 मीटर तक घसीटा, 11 लोग घायल

जानकारी के अनुसार टेंपो में सिकरौरा और बेरखेड़ा गांव के रहने वाले लोग सवार थे। सभी लोग टैमरा गांव स्थित धागा फैक्ट्री में काम करने के लिए जा रहे थे। टेंपो रामनगर पुल के पास पहुंचा ही था कि पीछे से तेज गति से आ रही टूरिस्ट बस ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया।

हादसे के बाद टूरिस्ट बस टेंपो को करीब 20 मीटर तक घसीटते हुए ले गई। गनीमत रही कि टेंपो पुल से नीचे नहीं गिरा, वरना हादसा और भी गंभीर हो सकता था। टक्कर के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल घायलों को टेंपो से बाहर निकालने में मदद की और घटना की सूचना पुलिस को दी। इसके बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दो लोगों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर भेज दिया।

1063 निजी स्कूलों के एमआईएस पोर्टल बंद होने से संचालकों में बढ़ा रोष और चिंता

पोर्टल बंद होने से दाखिले और प्रशासनिक कार्य भी हुए प्रभावित

भारतेन्दु संवाददाता, हांसी

हरियाणा में 1063 निजी स्कूलों के एमआईएस पोर्टल बंद किए जाने के बाद स्कूल संचालकों में रोष बढ़ता जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर हांसी, हिसार और सिरसा जिलों के कई निजी स्कूल संचालकों की बैठक हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल परिसर में आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा विभाग की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पोर्टल जल्द बहाल करने और समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की गई।

स्कूल संचालकों ने आरोप लगाया कि विभागीय स्तर पर उचित भौतिक सत्यापन किए बिना निदेशालय को भेजी गई रिपोर्ट के कारण यह स्थिति पैदा हुई है। संचालकों का कहना है कि रिपोर्ट में कई स्थायी मान्यता प्राप्त स्कूलों को भी गैर-मान्यता प्राप्त अथवा अस्थायी श्रेणी में दर्शा दिया गया है।

वहीं, कुछ ऐसे स्कूल भी हैं जो पहले से ही 'एग्जिस्टिंग' सूची में शामिल हैं।

संचालकों ने बताया कि पिछले वर्ष भी इसी तरह की समस्या सामने आई थी। बाद में विभाग ने अपनी रिपोर्ट में त्रुटि स्वीकार करते हुए संबंधित स्कूलों के एमआईएस पोर्टल दोबारा शुरू किए थे। उनका कहना है कि इस बार भी बिना उचित जांच के पोर्टल बंद किए जाने से स्कूलों के सामने गंभीर परेशानी खड़ी हो गई है।

दाखिले और प्रमाणपत्र संबंधी कार्य प्रभावित : स्कूल संचालकों के अनुसार एमआईएस पोर्टल निजी स्कूलों के दैनिक शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों का महत्वपूर्ण माध्यम है। पोर्टल बंद होने के कारण नए विद्यार्थियों के दाखिले दर्ज करने, स्कूल छोड़ चुके विद्यार्थियों के नाम हटाने तथा विभिन्न आवश्यक प्रमाणपत्रों से जुड़ी प्रक्रियाएं प्रभावित हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि इसका सीधा असर विद्यार्थियों की पढ़ाई और स्कूलों की नियमित प्रशासनिक व्यवस्था पर पड़ रहा है। कई आवश्यक कार्य समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं। इसके अलावा प्रभावित स्कूलों की सूची सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के कारण अभिभावकों में भी भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है।

संचालकों ने कहा कि यदि किसी स्कूल के दस्तावेजों, मान्यता या अन्य औपचारिकताओं में कोई कमी है तो विभाग को संबंधित स्कूल को सीधे ईमेल, संदेश या फोन के माध्यम से इसकी जानकारी देनी चाहिए। सार्वजनिक रूप से सूची जारी करने से स्कूलों की छवि प्रभावित होती है और विद्यार्थियों तथा अभिभावकों के बीच स्कूल प्रबंधन के प्रति विश्वास पर भी असर पड़ता है।

25 साल सेवा के बाद भी नहीं मिली पेंशन हाई कोर्ट ने सरकार को दिया सख्त निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पति की करीब 25 वर्ष की सेवा के बावजूद पारिवारिक पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभ नहीं मिलने के मामले में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार को तीन माह के भीतर याचिकाकर्ता के मांग पत्र पर कानून के अनुसार फैसला लेने का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सक्षम प्राधिकारी सभी तथ्यों और पूर्व में दिए गए हाई कोर्ट के फैसले को ध्यान में रखते हुए कारणयुक्त और स्पष्ट आदेश पारित करे।

जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ ने जींद निवासी बिमला की याचिका का निपटारा करते हुए यह आदेश दिया। याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि उनके दिवंगत पति परमजीत की 18 जुलाई 1994 से पांच दिसंबर 2019 तक की पूरी सेवा को पारिवारिक पेंशन और अन्य पेंशन संबंधी लाभों के लिए योग्य सेवा माना जाए।

याचिका के अनुसार, परमजीत को 18 जुलाई 1994 को जिला जींद के राजकीय कन्या प्राथमिक विद्यालय, खरैंती में अंशकालिक सफाई कर्मचारी के तौर पर नियुक्त किया गया था। बाद में 23 अगस्त 2012 के आदेश के तहत उन्हें सफाई कर्मचारी-सह-चौकीदार के पद पर नियमित किया गया। सेवा के दौरान पांच दिसंबर 2019 को उनकी मृत्यु हो गई।

पति की मृत्यु के बाद सरकार ने जून 2020 में उनके बेटे को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति दी। याचिकाकर्ता का कहना था कि जब सरकार ने उनके पति की सेवा के दौरान हुई मृत्यु को स्वीकार करते हुए बेटे को अनुकंपा नियुक्ति दी, तो उन्हें पारिवारिक पेंशन और अन्य संबंधित लाभों से वंचित क्यों रखा गया।

याचिकाकर्ता ने 25 मई 2026 को सरकार को न्यायिक मांग नोटिस भेजा था, लेकिन उस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। इसके बाद उन्होंने हाई कोर्ट का रुख किया। याचिका में पुरानी पेंशन योजना के तहत पारिवारिक पेंशन, बकाया राशि, महंगाई राहत और सामान्य भविष्य निधि का भुगतान 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित करने की मांग भी की गई।

न्यूज ब्रीफ

रिश्वतकांड में बिचौलिया गिरफ्तार, पूछताछ के बाद एसएचओ को मिली क्लीन चिट

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। टोहाना शहर थाने में नशे के मामले को रफा-दफा करने के नाम पर रिश्वत लेने के आरोप में एंटी करप्शन ब्यूरो ने कार्रवाई करते हुए बिचौलिए कृपाल सिंह को 50 हजार रुपये की पहली किश्त लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। शिकायतकर्ता जगजीत सिंह ने करनाल एसीबी को शिकायत दी थी कि मामले को दबाने के लिए पहले पांच लाख रुपये मांगे गए, बाद में ढाई लाख रुपये में सौदा तय हुआ। ट्रैप के दौरान शिकायतकर्ता ने जैसे ही बिचौलिए को 50 हजार रुपये दिए, एसीबी टीम ने उसे पकड़ लिया। आरोपी के कब्जे से रासायनिक पदार्थ लगे नोट बरामद किए गए। पूछताछ में कृपाल सिंह ने दावा किया कि रकम टोहाना सिटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह के लिए ली जा रही थी। इसके बाद एसीबी ने एसएचओ को हिरासत में लेकर पूछताछ की। देर रात तक चली जांच में एसएचओ के खिलाफ रिश्वत मांगने या लेने का कोई प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं मिला। एसीबी ने उन्हें छोड़ दिया, जबकि बिचौलिए के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

फरीदाबाद में बारिश का कहर, 50 से अधिक सड़कें जलमग्न, अंडरपास बंद

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। पिछले चार दिनों से जारी बारिश के कारण शहर में जनजीवन प्रभावित हो गया है। शनिवार को भी लगातार बारिश से 50 से अधिक सड़कों और प्रमुख मार्गों पर जलभराव की स्थिति बनी रही। शहर में अब तक 113 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। दयाल बाग, सेक्टर-14, सेक्टर-16, विनय नगर और ओल्ड फरीदाबाद सहित कई इलाकों में घरों के अंदर पानी भर गया। ओल्ड फरीदाबाद रेलवे अंडरपास में कई फीट पानी भरने से एक स्कूल बस और फॉर्च्यूनर कार फंस गई। गनीमत रही कि बस में बच्चे नहीं थे। बस चालक और कर्मचारी छत पर चढ़ गए, जिन्हें पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाला। कार चालक को भी स्थानीय लोगों की मदद से बचाया गया।

सिगरेट पीने से रोकने पर युवक की चाकू घोंपकर हत्या, आरोपी फरार

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। पल्ला थाना क्षेत्र के ओम एंक्लेव में सिगरेट पीने से रोकने को लेकर हुए विवाद में एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान किशोरी के रूप में हुई है, जो परिवार के साथ ओम एंक्लेव में रहता था। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम मुरली नामक युवक इलाके में सिगरेट पी रहा था। किशोरी ने उसे वहां सिगरेट पीने से मना किया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि मुरली ने किशोरी के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर विवाद बढ़ गया और आरोपी ने चाकू निकालकर किशोरी पर हमला कर दिया। चाकू लगने से किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन और आसपास के लोग उसे उपचार के लिए अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पल्ला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

हिसार के शोधकर्ताओं ने आम-जामुन से शुगर-फ्री वाइन का पेटेंट किया हासिल

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। गुरु गोरखनाथ जी राजकीय महाविद्यालय के शोधकर्ताओं ने आम और जामुन से शुगर-फ्री वाइन तैयार करने की विधि विकसित कर उसका पेटेंट हासिल किया है। बायोटेक्नोलॉजी विभाग की डॉ. मुकेश आर. जांगड़ा और वनस्पति विभाग की डॉ. दीपिका गुलाटी ने पूर्व प्रोफेसर डॉ. केएस नेहरा के मार्गदर्शन में यह शोध किया। 'जामरस' नामक वाइन केवल आम, जामुन और यीस्ट से तैयार की गई है। इसमें कृत्रिम रसायन और हानिकारक संरक्षक का इस्तेमाल नहीं किया गया। शोधकर्ताओं के अनुसार इसमें एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा अधिक और टैनिन कम रखा गया है। वर्तमान में इसमें 9 से 10 प्रतिशत अल्कोहल है।

सिरसा में नशा तस्करों पर शिकंजा छह गिरफ्तार, 84 ग्राम हेरोइन हुई बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा

पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जिले के अलग-अलग स्थानों से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों के कब्जे से कुल 84 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी बाजार में कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

शहर थाना प्रभारी ने बताया कि सीआईए सिरसा की टीम शनिवार को गश्त पर थी। इसी दौरान सरकारी अस्पताल के पास पुलिस को एक स्कार्पियो गाड़ी दिखाई दी। पुलिस को देखकर चालक ने वाहन को वापस मोड़कर भागने का प्रयास किया। शक होने पर पुलिस टीम ने गाड़ी को रोककर तलाशी ली। वाहन में चार युवक सवार थे। तलाशी के दौरान 68 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

पुलिस ने चारों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान सिरसा निवासी कुनाल, दीपक, शिवा और रोहित के रूप में हुई है। उनके खिलाफ शहर सिरसा थाना में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर नशे की सप्लाई और उनके संपर्कों के बारे में जानकारी जुटा रही है। वहीं, एंटी नारकोटिक्स सेल ने गांव रघुआना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए हुसनप्रीत नामक युवक को नौ ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ बड़ागुढ़ा थाना में मामला दर्ज किया गया है।

अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई, पुलिस ने आरोपियों से लाखों की हेरोइन बरामद की

बेरोजगारी से परेशान युवती ने फंदा लगाकर दी जान

भारतेन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर निवासी 18 वर्षीय युवती मनीषा ने रेवाड़ी के कोनसीवास रोड स्थित किसान वाटिका के पास किराये के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह करीब 20 दिन पहले नौकरी की तलाश में अपनी बड़ी बहन के पास रेवाड़ी आई थी। हालांकि, उसे नौकरी नहीं मिल सकी थी। आत्महत्या के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है और मौके से कोई सुसाइड नोट भी बरामद नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार मनीषा की बड़ी बहन बावल की एक निजी कंपनी में काम करती है और कोनसीवास रोड पर किराये के कमरे में रहती है। गुरुवार सुबह बहन ड्यूटी पर चली गई थी। शाम को लौटने पर कमरे का दरवाजा खोलते ही उसने मनीषा को फांसी के फंदे पर लटका देखा। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

एमडीयू के पूर्व कुलपति ब्रिगेडियर ओपी चौधरी का हुआ निधन, शिक्षा जगत को बड़ी क्षति

भारतेन्दु संवाददाता, सोनीपत

सोनीपत के गांव ठरु उलदेपुर के मूल निवासी और वर्तमान में सेक्टर-14 निवासी कर्मयोद्धा ब्रिगेडियर ओपी चौधरी का निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही शिक्षा, सामाजिक सेवा और जनसेवा से जुड़े लोगों में शोक की लहर दौड़ गई। उनका अंतिम संस्कार शनिवार दोपहर बाद तीन बजे सेक्टर-15 स्थित शिव मुक्ति धाम में किया जाएगा।

ब्रिगेडियर ओपी चौधरी ने अपना जीवन शिक्षा के उत्थान, अनुशासन और युवा पीढ़ी के मार्गदर्शन के लिए समर्पित किया। उन्होंने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के कुलपति और राई खेल विद्यालय के प्राचार्य जैसे महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारी निभाई। इसके अलावा वे सोनीपत के ब्राइट स्कॉलर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के संरक्षक भी रहे।

शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न जिम्मेदारियां संभालते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय अनुशासन, जिम्मेदारी और राष्ट्र सेवा की भावना से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उनके मार्गदर्शन में शिक्षा प्राप्त करने वाले अनेक विद्यार्थी आज विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। शिक्षा के प्रति समर्पण और विद्यार्थियों के प्रति मार्गदर्शक रवैये के कारण उन्होंने शिक्षा जगत में अलग पहचान बनाई।

परिचितों और शिक्षा जगत से जुड़े लोगों के अनुसार ब्रिगेडियर चौधरी का व्यक्तित्व सादगी, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और सेवा भावना से परिपूर्ण था। वे युवाओं को मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते थे। विभिन्न संस्थानों में जिम्मेदारी निभाते हुए उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दी।

नगर पालिका कर्मचारियों की हड़ताल से नहीं उठा तीन हजार टन कूड़ा , सेवाएं प्रभावित

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

नगर पालिका कर्मचारी संघ और अग्निशमन कर्मचारी यूनियन ने अपनी मांगों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए तीन दिवसीय हड़ताल को आगे बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। हड़ताल के दूसरे दिन शुक्रवार को प्रदेश के विभिन्न शहरों में करीब तीन हजार टन कूड़ा नहीं उठाया गया। इससे कई इलाकों में सफाई व्यवस्था प्रभावित हुई और कूड़े के ढेर लगने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

कर्मचारियों की हड़ताल का असर केवल सफाई व्यवस्था तक सीमित नहीं रहा। सीवर सफाई, पेयजल आपूर्ति, स्ट्रीट लाइट और नगर निकायों से जुड़ी अन्य नागरिक सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने दावा किया कि प्रदेशभर में 45 हजार से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर हैं।

कर्मचारी नेताओं का कहना है कि शनिवार को हड़ताल के तीन दिन पूरे हो जाएंगे, लेकिन सरकार की ओर से उनकी मांगों को लेकर अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इसी को देखते हुए नगर पालिका कर्मचारी संघ और अग्निशमन कर्मचारी यूनियन की राज्य कमेटी की बैठक बुलाई जाएगी। बैठक में हड़ताल को आगे बढ़ाने और आंदोलन की आगामी रणनीति पर निर्णय लिया जाएगा।

45 हजार कर्मचारियों की हड़ताल से सफाई, सीवर और पेयजल सेवाएं प्रभावित, आंदोलन बढ़ाने की तैयारी

17 मांगों पर सहमति का दावा: संघ नेताओं ने बताया कि 13 मई को सरकार के साथ हुई वार्ता में कर्मचारियों की 17 मांगों पर सहमति बनी थी। आरोप है कि छह अगस्त को सरकार की ओर से जारी पत्र में उन सहमत मांगों को शामिल नहीं किया गया। इससे कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ गई है।

कर्मचारी नेताओं ने कहा कि सरकार के इस रवैये के कारण उन्हें दोबारा आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। उनका कहना है कि जब तक सहमत मांगों को लागू करने के संबंध में स्पष्ट निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन समाप्त करना मुश्किल होगा।

ठेका प्रथा खत्म करने की मांग : कर्मचारी संघ ने सीवर सफाई कार्यों से ठेका प्रथा समाप्त करने की मांग की है। नेताओं का कहना है कि ठेके पर काम कर रहे कर्मचारियों को विभागीय रोल पर लिया जाए। जब तक उन्हें विभागीय रोल पर नहीं लिया जाता, तब तक बैंक के माध्यम से न्यूनतम वेतन उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा सभी कर्मचारियों को ईपीएफ, ईएसआइ और श्रम कानूनों के तहत मिलने वाली अन्य वैधानिक सुविधाएं देने की मांग की गई है। कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने तथा सीवर सफाई कर्मचारियों के रिक्त पद भरने की भी मांग उठाई गई है।

दिग्विजय चौटाला ने कुवि में लिया दाखिला लोक प्रशासन में करेंगे स्नातकोत्तर की पढ़ाई

भारतेन्दु संवाददाता, कुरुक्षेत्र

जननायक जनता पार्टी की युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में दाखिला लिया है। उन्होंने विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग में स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया है। दाखिले की प्रक्रिया करीब 10 दिन पहले ऑनलाइन पूरी की गई थी।

दिग्विजय चौटाला का कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से पारिवारिक जुड़ाव भी रहा है। उनके पिता डॉ. अजय चौटाला ने भी इसी विश्वविद्यालय से शिक्षा हासिल की है। डॉ. अजय चौटाला ने वर्ष 1981 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की थी। इसके बाद उन्होंने विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग से ही पीएचडी की उपाधि हासिल की थी। उन्होंने वर्ष 2010 में पीएचडी पूरी की थी।

विश्वविद्यालय से जुड़े विवाद के बाद दाखिला : दिग्विजय चौटाला का दाखिला ऐसे समय हुआ है, जब पिछले दिनों विश्वविद्यालय प्रशासन और उनसे जुड़े छात्र संगठन के बीच विवाद सामने आया था। इनसो की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान डॉ. राधाकृष्ण सदन में कुछ कुर्सियां टूटने के मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन ने दिग्विजय चौटाला और कई अन्य पदाधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई थी। इसके बाद इनसो कार्यकर्ताओं ने कुलपति कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया था। इस घटनाक्रम को लेकर विश्वविद्यालय परिसर में मामला काफी चर्चा में रहा था।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. वीरेंद्र पाल ने पुष्टि करते हुए बताया कि दिग्विजय चौटाला ने लोक प्रशासन विभाग में स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष में दाखिला लिया है। दाखिले की प्रक्रिया नियमानुसार पूरी की गई है।

कई नियम उल्लंघनों पर अब जेल नहीं मौके पर लगेगा जुर्माना,रेल यात्रियों को मिली राहत

भारतेन्दु संवाददाता, अंबाला

रेल यात्रा के दौरान छोटी चूक, लापरवाही या सामान्य नियम उल्लंघन करने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। रेल मंत्रालय ने रेलवे अधिनियम की कई धाराओं में आपराधिक कार्रवाई के स्थान पर आर्थिक जुर्माने का प्रविधान किया है। अब निर्धारित मामलों में यात्रियों से मौके पर ही जुर्माना वसूलकर रसीद जारी की जाएगी। इससे उन्हें अदालत की प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा।

रेल मंत्रालय ने इस संबंध में देशभर के सभी रेलवे मंडलों को नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। रेलवे सुरक्षा बल को भी नई व्यवस्था से अवगत कराया गया है। अधिकारियों के अनुसार, इस बदलाव से अदालतों में लंबित मामलों का बोझ कम होगा और रेलवे अधिकारी गंभीर अपराधों पर अधिक ध्यान दे सकेंगे।

रेलवे के नए नियमों से अदालतों का बोझ घटेगा, यात्रियों को मौके पर मिलेगी राहत

मौके पर होगी कार्रवाई : नए प्रविधान के तहत नियम तोड़ने वाले व्यक्ति से मौके पर जुर्माना वसूला जाएगा। जुर्माना जमा करने के बाद उसे रसीद दी जाएगी और कार्रवाई का पूरा विवरण ऑनलाइन प्रणाली तथा रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा। जब तक संबंधित साफ्टवेयर पूरी तरह अद्यतन नहीं हो जाता, तब तक मैनुअल रजिस्टर में भी रिकॉर्ड सुरक्षित रखना होगा।

कार्रवाई के दौरान उल्लंघनकर्ता का पूरा विवरण दर्ज करने के साथ फोटो और वीडियो रिकार्डिंग भी की जाएगी। किसी व्यक्ति द्वारा बार-बार नियम तोड़ने की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आगे की कार्रवाई होगी। प्रतिदिन की कार्रवाई की रिपोर्ट मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष को भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

इन मामलों में लगेगा जुर्माना: बिना टिकट या फर्जी टिकट पर यात्रा करने, निर्धारित दूरी से आगे जाने तथा कुछ अन्य टिकट संबंधी उल्लंघनों में किराये के साथ अतिरिक्त शुल्क वसूला जाएगा। अधिकांश ऐसे मामलों में न्यूनतम अतिरिक्त शुल्क 500 रुपये रखा गया है। रेलवे परिसर में अनधिकृत प्रवेश पर 500 रुपये, बिना अधिकार सीट या बर्थ घेरने पर 1,000 रुपये और आरक्षित डिब्बे में अनधिकृत प्रवेश पर 2,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। भीख मांगने या अनधिकृत बिक्री करने पर 2,000 रुपये, महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बे या विशेष स्थान में अनधिकृत प्रवेश पर 2,500 रुपये तक जुर्माना निर्धारित किया गया है।

नीट में प्रथम रैंक वाले प्रोफेसर को हाई कोर्ट की राहत, अधिकारियों पर कड़ा रुख

प्रशासनिक देरी पर हाई कोर्ट सख्त, प्रोफेसर को उच्च शिक्षा के लिए बांड प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

नीट-सुपर स्पेशियलिटी परीक्षा में प्रथम रैंक हासिल करने वाले हरियाणा के प्रोफेसर को उच्च शिक्षा के लिए अध्ययन अवकाश और आवश्यक बांड की औपचारिकता पूरी कराने में अधिकारियों की लापरवाही पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने मामले में प्रशासनिक उदासीनता पर नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को 10 अगस्त 2026 की शाम पांच बजे तक आवश्यक बांड निष्पादित कराने की प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं। आदेश का पालन नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों से पांच लाख रुपये की लागत वसूलने की चेतावनी दी गई है।

जस्टिस हरप्रीत सिंह बराड़ ने कुलजीत कुमार की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि फरवरी 2026 से बांड निष्पादन का मामला लंबित रखना अधिकारियों के असंवेदनशील रवैये और प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता ने महत्वपूर्ण परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और उच्च शिक्षा हासिल करने का अवसर उन्हें समय पर मिलना चाहिए।

याचिकाकर्ता कल्पना चावला राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, करनाल में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें 22 अक्टूबर 2016 को आर्थोपेडिक्स विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर नियुक्त किया गया था। उन्होंने वर्ष 2025 में आयोजित नीट-सुपर स्पेशियलिटी परीक्षा में शामिल होने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र मांगा था। संबंधित विभाग ने पांच फरवरी 2026 को उन्हें अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी किया।

इसके बाद उन्होंने नीट-सुपर स्पेशियलिटी परीक्षा के आर्थोपेडिक्स समूह में प्रथम रैंक हासिल की। परीक्षा में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने बाल अस्थि रोग विशेषज्ञता में एमसीएच की पढ़ाई के लिए तीन वर्ष के वेतन सहित अध्ययन अवकाश का आवेदन किया। नियमों के तहत इसके लिए उन्हें आवश्यक बांड और बैंक गारंटी जमा करनी थी। याचिका के अनुसार, बांड और बैंक गारंटी से संबंधित प्रक्रिया फरवरी से ही लंबित थी। एक जून 2026 को संबंधित अधिकारी ने भी उच्च अधिकारी को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई जल्द पूरी करने का अनुरोध किया था, ताकि प्रोफेसर अध्ययन अवकाश पर जा सकें और बांड निष्पादित कर सकें। इसके बावजूद मामले में समय रहते कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि जिस संस्थान में उन्हें प्रवेश लेना है, वहां प्रवेश की अंतिम तिथि 12 अगस्त 2026 निर्धारित है। यदि निर्धारित समय तक बांड की औपचारिकता पूरी नहीं होती, तो उन्हें उच्च शिक्षा के इस अवसर से वंचित होना पड़ सकता है। इससे उनके शैक्षणिक और व्यावसायिक भविष्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका थी।

मामले के रिकॉर्ड पर विचार करने के बाद हाई कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता मेधावी हैं और उन्होंने नीट-सुपर स्पेशियलिटी परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

प्रोफेसर को मिली उच्च शिक्षा की राहत

प्रशासनिक प्रक्रिया में अनावश्यक देरी के कारण उनके उच्च शिक्षा के अवसर में बाधा नहीं आनी चाहिए। अदालत ने संबंधित अधिकारियों को 10 अगस्त की शाम पांच बजे तक आवश्यक बांड निष्पादित कराने की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही स्पष्ट किया कि आदेश का पालन नहीं होने की स्थिति में संबंधित अधिकारियों से पांच लाख रुपये की लागत वसूली जाएगी। फैसले से प्रोफेसर के उच्च शिक्षा के रास्ते में आ रही प्रशासनिक बाधा दूर होने की उम्मीद है। अदालत ने कहा कि निर्धारित समयसीमा में कार्रवाई पूरी कर प्रोफेसर को प्रवेश प्रक्रिया में राहत दी जाए।

फतेहाबाद में चलती कार में अचानक लगी भीषण आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

भारतेन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

फतेहाबाद जिले के जाखल क्षेत्र में चांदपुरा हेड के पास शुक्रवार देर रात उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब घग्गर साइफन से गांव मुंदलिया की ओर जा रही एक स्विफ्ट डिजायर कार में अचानक आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कार में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लगी। आग लगते ही चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए चलती कार से बाहर कूदकर अपनी जान बचा ली। देखते ही देखते कार धूं-धूं कर जलने लगी और कुछ ही देर में पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

जानकारी के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त कार नूंह जिले के तिया पत्ती मियोली निवासी साजिद खान के नाम पंजीकृत है। साजिद खान जाखल के गांव मुंदलिया स्थित मक्का मस्जिद में मौलवी के पद पर कार्यरत हैं। शुक्रवार देर रात उनका ममेरा भाई जाहिद खान कार लेकर मुंदलिया की ओर जा रहा था।

बताया गया कि जैसे ही कार चांदपुरा हेड के पास पहुंची, उसमें अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ और लपटें उठने लगीं। जाहिद खान ने कार में आग लगी देखकर बिना समय गंवाए वाहन से बाहर छलांग लगा दी। उसके बाहर निकलते ही आग तेजी से फैल गई।

घटना के बाद जाहिद खान ने तुरंत पुलिस और कार मालिक साजिद खान को इसकी सूचना दी। जानकारी मिलते ही जाखल थाना पुलिस की डायल-112 गाड़ी और राइडर टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिसकर्मियों और स्थानीय राहगीरों ने आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि कार में सीएनजी किट लगी होने के कारण आग ने जल्द ही विकराल रूप ले लिया। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही समय में कार पूरी तरह जल गई। गनीमत रही कि घटना के समय कार में केवल जाहिद खान ही सवार था और उसने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली।

पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया और मामले की जानकारी जुटाई। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। समय रहते चालक के वाहन से बाहर निकलने के कारण बड़ा हादसा टल गया।

न्यूज ब्रीफ

बच्चों को पाने की आस में हरिद्वार से कांवड़ लेकर मेरठ पहुंचीं अनीसा

एजेंसी ,नई दिल्ली तीन तलाक और हलाला के दबाव के बाद अपने बच्चों को वापस पाने और न्याय की उम्मीद में मुस्लिम महिला अनीसा बानो हरिद्वार से कांवड़ लेकर मेरठ की ओर रवाना हुई हैं। उनके साथ उनकी साथी तमन्ना मलिक भी कांवड़ यात्रा कर रही हैं। दोनों महिलाओं के अनुसार, बुर्के में कांवड़ लेकर चलने को लेकर उन्हें धमकियों का सामना भी करना पड़ रहा है। अनीसा बानो का कहना है कि वह अपने बच्चों को वापस पाने और न्याय मिलने की उम्मीद में लेकर भगवान शिव की शरण में पहुंची हैं। उन्होंने कहा कि भोलेनाथ सबकी पीड़ा समझते हैं और उनकी मनोकामना पूरी करेंगे। अनीसा ने भावुक होकर कहा कि वह मुस्लिम हैं, लेकिन इससे उनकी आस्था और प्रार्थना कम नहीं होती। उन्होंने बताया कि वह हरिद्वार से कांवड़ में गंगाजल लेकर मेरठ पहुंचेंगी और शिवरात्रि के अवसर पर भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगी। उनके साथ चल रहीं तमन्ना मलिक ने भी इस यात्रा को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। इस मामले में अनीसा और तमन्ना के बयानों ने सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर चर्चा पैदा कर दी है। वहीं, धमकियों को लेकर सुरक्षा और संबंधित शिकायतों पर भी ध्यान देने की मांग उठ रही है।

गुरुग्राम में 12वीं मंजिल से गिरकर युवक की मौत, परिजनों ने जताया शक

एजेंसी, नई दिल्ली गुरुग्राम के सोहना थाना क्षेत्र स्थित हिल टाउन सोसाइटी में रात के समय एक युवक की 12वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। मृतक की पहचान बंद कॉलोनी निवासी दीपक के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में मातम का माहौल है। जानकारी के मुताबिक, दीपक अपने दोस्त जोगिंद्र के साथ हिल टाउन सोसाइटी पहुंचा था। इसी दौरान वह 12वीं मंजिल से नीचे गिर गया। ऊंचाई से गिरने के कारण दीपक को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास मौजूद लोगों से जानकारी जुटाई। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दीपक 12वीं मंजिल से दुर्घटनावश गिरा या घटना के पीछे कोई अन्य वजह थी। वहीं, मृतक के परिजनों ने इस मौत को संदिग्ध बताते हुए पुलिस से मामले की निष्पक्ष और गहन जांच कराने की मांग की है। परिजनों का कहना है कि घटना की वास्तविक वजह सामने आनी चाहिए। पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम और जांच के बाद ही मौत की परिस्थितियों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। अधिकारियों का कहना है कि तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पलवल जिला अस्पताल में बड़ी लापरवाही लेबर रूम में पुरुषों की मौजूदगी से उठे सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली पलवल जिला नागरिक अस्पताल में चाइल्ड केयर कैंपेन की विशेष टीम के औचक निरीक्षण में स्वास्थ्य सेवाओं और अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर कई गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। दो सदस्यीय टीम, जिसमें डॉ. मोहित चहल और संदीप शामिल थे, ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लेबर रूम और महिला वार्ड में पुरुषों की मौजूदगी पाए जाने पर गंभीर सवाल खड़े हुए। टीम ने गायनी ओपीडी के कमरा नंबर 5, 6 और 7 के अलावा एसएनसीयू और एनआरसी वार्ड का भी जायजा लिया। जांच के दौरान अस्पताल में व्यवस्थाओं से जुड़ी कई कमियां सामने आने की बात कही गई है। चाइल्ड केयर कैंपेन टीम के निरीक्षण ने अस्पताल प्रशासन के उन दावों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, जिनमें मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही जाती है। खासतौर पर महिला और प्रसूति संबंधी वार्डों में पुरुषों की मौजूदगी को सुरक्षा और गोपनीयता के लिहाज से गंभीर माना जा रहा है। औचक निरीक्षण के बाद अस्पताल की व्यवस्थाओं और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

तेज रफ्तार मर्सिडीज बनी मौत की वजह नरेला में 70 वर्षीय महिला की जान गई

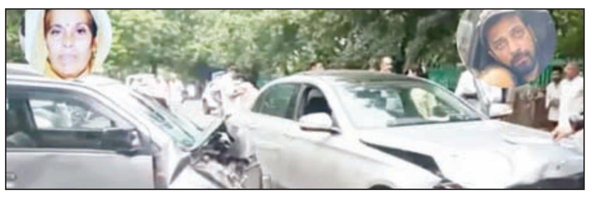

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के बाहरी इलाके नरेला के मामुरपुर क्षेत्र में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार मर्सिडीज और वैगन आर की आमने-सामने टक्कर में 70 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, टक्कर के दौरान महिला वाहन की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गई।

घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घातक दुर्घटना का मामला दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। हादसे में शामिल मर्सिडीज चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि आरोपी युवक के पिता हरियाणा पुलिस में उपनिरीक्षक के पद पर तैनात हैं। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। शुरुआती जानकारी में तेज रफ्तार को हादसे की वजह बताया जा रहा है, हालांकि दुर्घटना की वास्तविक परिस्थितियों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चलेगा। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण को लेकर चिंता जताई है।

मैगी के लेड विवाद में नेस्ले इंडिया को बड़ी राहत, दिल्ली हाई कोर्ट ने मामला किया खत्म

एजेंसी, नई दिल्ली

मैगी नूडल्स में तय सीमा से अधिक लेड पाए जाने के करीब 11 साल पुराने विवाद में नेस्ले इंडिया को दिल्ली हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट ने वर्ष 2015 में मैगी नूडल्स में लेड की मात्रा को लेकर शुरू हुई आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया है। अदालत के इस फैसले के बाद नेस्ले इंडिया के अधिकारियों के साथ-साथ वितरकों, खुदरा विक्रेताओं और सप्लाई चेन से जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही भी समाप्त हो गई है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने वर्ष 2015 और 2016 में जारी किए गए समन आदेशों को भी निरस्त कर दिया। इसके साथ ही इन आदेशों के आधार पर दर्ज संबंधित आपराधिक शिकायतों और उनसे जुड़ी सभी परिणामी कार्यवाहियों को भी रद्द कर दिया गया। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मधु जैन ने की। यह पूरा विवाद वर्ष 2015 में सामने आया था, जब देशभर में मैगी नूडल्स के नमूने लेकर उनकी जांच की गई थी। उस समय मैगी में लेड की मात्रा तय सीमा से अधिक पाए जाने का दावा किया गया था। इसके बाद खाद्य सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों की कार्रवाई तेज हुई और नेस्ले इंडिया के खिलाफ कई स्तरों पर कानूनी कार्यवाही शुरू हुई। मई 2015 में देशभर में मैगी के नमूने लेने की कार्रवाई के दौरान दिल्ली के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने भी मैगी नूडल्स के नमूने लिए थे। इन नमूनों की जांच खाद्य विश्लेषकों द्वारा की गई।

विश्लेषकों की रिपोर्ट में मैगी के टेस्टमेकर में लेड की मात्रा 2.5 पार्ट्स पर मिलियन यानी पीपीएम की निर्धारित स्वीकृत सीमा से अधिक बताई गई थी। रिपोर्ट सामने आने के बाद मैगी की गुणवत्ता और उसमें मौजूद लेड की मात्रा को लेकर देशभर में बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। विवाद बढ़ने के बाद मैगी की बिक्री पर रोक लगाने और बाजार से उत्पाद वापस लेने जैसी कार्रवाई भी हुई थी। इस मामले ने खाद्य सुरक्षा मानकों, परीक्षण प्रक्रियाओं और उपभोक्ता सुरक्षा को लेकर व्यापक बहस छेड़ दी थी। नेस्ले इंडिया ने हालांकि जांच और आरोपों से जुड़े कई पहलुओं पर अपना पक्ष रखा था और बाद में विभिन्न वैज्ञानिक परीक्षणों तथा कानूनी प्रक्रियाओं के जरिए मामले को चुनौती दी।

फरीदाबाद के ओम एंक्लेव में सनसनी: मामूली विवाद में चाकूबाजी, इलाज के दौरान किशोरी की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

फरीदाबाद के पल्ला थाना क्षेत्र स्थित ओम एंक्लेव में सिगरेट पीने से मना करने पर हुई बहस के बाद एक युवक की निर्मम हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 28 वर्षीय किशोरी के रूप में हुई है, जो एक निजी कंपनी में कार्यरत था और अपने परिवार के साथ ओम एंक्लेव इलाके में रहता था। इस जघन्य वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना का सिलसिलेवार विवरण घटना शुक्रवार देर रात लगभग 11 बजे की बताई जा रही है।

किशोरी अपने दोस्त अनिल के साथ घर से कुछ ही दूरी पर खड़ा होकर बातचीत कर रहा था। इसी दौरान वहां मुरली नाम का युवक पहुंचा और उसने अपनी जेब से सिगरेट निकालकर अनिल से माचिस मांगी। यह देखते ही किशोरी ने मुरली को टोकते हुए कहा, 'बच्चे, सिगरेट मत पी'। इतनी सी बात सुनकर मुरली बुरी तरह भड़क गया और किशोरी के साथ गाली-गलौज करने लगा। दोनों के बीच तीखी बहस हुई, जिसके बाद मुरली वहां से गुस्से में चला गया।

हालांकि, थोड़ी ही देर बाद मुरली वापस लौटा और उसने अचानक जेब से चाकू निकालकर किशोरी की गर्दन पर वार कर दिया। इसके बाद आरोपी ने एक और जानलेवा वार उसके पेट में किया, जिससे किशोरी लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। अस्पताल ले जाते समय तोड़ा दम और पुलिस कार्रवाईघटना के तुरंत बाद किशोरी के दोस्त अनिल और अन्य स्थानीय लोगों ने उसे संभाला और पल्ला के पास स्थित नागरिक अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने किशोरी की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे दिल्ली के एम्स अस्पताल के लिए रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया इस दुखद घटना से मृतक के घर का इकलौता सहारा छीन गया है। परिजनों ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट मेट्रो को मिली बड़ी मंजूरी, 7.5 किमी रूट पर बनेंगे 5 स्टेशन

एजेंसी, नई दिल्ली

घर बैठे विदेश भेजें पार्सल, डाक विभाग की नई सुविधा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाले लोगों के लिए मेट्रो कनेक्टिविटी को लेकर बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बीच मेट्रो चलाने की लंबे समय से चल रही प्रक्रिया अब आगे बढ़ गई है। प्रस्तावित मेट्रो कॉरिडोर को सार्वजनिक निवेश बोर्ड यानी पीआईबी की मंजूरी मिल गई है। केंद्र से मंजूरी मिलने के बाद इस परियोजना पर काम शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। जानकारी के अनुसार, नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बीच प्रस्तावित मेट्रो रूट की लंबाई करीब 7.5 किलोमीटर होगी।

इस कॉरिडोर पर कुल पांच मेट्रो स्टेशन बनाए जाने की योजना है। परियोजना के पूरा होने के बाद ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाले हजारों लोगों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिलने की उम्मीद है। नोएडा से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के बीच मेट्रो कनेक्टिविटी की मांग लंबे समय से की जा रही थी। तेजी से विकसित हो रहे ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बड़ी संख्या में आवासीय सोसायटियों और आबादी बढ़ने के कारण सार्वजनिक परिवहन की जरूरत भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में मेट्रो परियोजना को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पीआईबी की मंजूरी परियोजना के लिए अहम चरण है। अब केंद्र सरकार की आवश्यक स्वीकृतियों के बाद निर्माण कार्य आगे बढ़ाया जा सकेगा। मेट्रो के शुरू होने से लोगों को नोएडा और आसपास के प्रमुख क्षेत्रों तक आने-जाने में सुविधा मिलेगी। साथ ही सड़क पर बढ़ते यातायात के दबाव को कम करने में भी मदद मिल सकती है। परियोजना पूरी होने के बाद ग्रेटर नोएडा वेस्ट की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और क्षेत्र के विकास को भी गति मिलने की उम्मीद है। लंबे समय से मेट्रो का इंतजार कर रहे स्थानीय निवासियों के लिए पीआईबी की मंजूरी को बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

गुरुग्राम में दिखेगा नया आसमानी नजारा ग्लोबल सिटी में बनेंगे 700 मीटर ऊंचे टावर

एजेंसी, नई दिल्ली

गुरुग्राम में विकसित की जा रही ग्लोबल सिटी आने वाले समय में देश की सबसे आधुनिक और ऊंची इमारतों वाले शहरों में शामिल हो सकती है। इस परियोजना में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस ऊंचे-ऊंचे टावर बनाए जाने की योजना है। इन टावरों की ऊंचाई करीब 620 से 700 मीटर तक हो सकती है। इतनी ऊंचाई के कारण इनकी तुलना दुनिया की मशहूर गगनचुंबी इमारतों से की जा रही है। ग्लोबल सिटी परियोजना को गुरुग्राम के भविष्य के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र के तौर पर विकसित किया जा रहा है।

यहां मिश्रित उपयोग वाले टावर बनाए जाएंगे, जिनमें व्यावसायिक गतिविधियों के साथ आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है। परियोजना के तहत बड़े स्तर पर बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, परियोजना के पहले चरण में बुनियादी ढांचे से जुड़े काम को जून 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद अलग-अलग हिस्सों में निर्माण गतिविधियां तेजी पकड़ सकती हैं। ग्लोबल सिटी में बड़े टावरों के निर्माण के लिए निजी कंपनियों की भागीदारी भी प्रस्तावित है। करीब 15 कंपनियों की ओर से दो बड़े टावरों के निर्माण की योजना बनाई गई है।

इन इमारतों के तैयार होने के बाद गुरुग्राम के शहरी स्वरूप में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। ग्लोबल सिटी को आधुनिक परिवहन, कारोबार और अन्य सुविधाओं से जोड़ने की तैयारी है। परियोजना पूरी होने के बाद यह क्षेत्र देश-विदेश की कंपनियों और निवेशकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सकता है। ग्लोबल सिटी में बनने वाले ये गगनचुंबी टावर गुरुग्राम की पहचान बदल सकते हैं। परियोजना पूरी होने पर शहर को नया आधुनिक और व्यावसायिक केंद्र मिलने की उम्मीद है।

रेवाड़ी के 16 निजी स्कूलों पर कार्रवाई, 1 लाख तक लगेगा जुर्माना

एजेंसी, नई दिल्ली

रेवाड़ी में शिक्षा विभाग ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटें निर्धारित करने में लापरवाही बरतने वाले 16 निजी स्कूलों पर सख्त कार्रवाई की है। इन स्कूलों का एमआईएस पोर्टल बंद कर दिया गया है। विभाग की ओर से अब संबंधित स्कूलों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा जाएगा। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमों के अनुसार जुर्माना लगाया जाएगा। विभाग के अनुसार, छह हजार रुपये दाखिला फीस वसूलने वाले स्कूलों पर एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। आरटीई के तहत निजी स्कूलों में कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश का प्रावधान है। इसके बावजूद सीटों का ब्योरा उपलब्ध नहीं कराने और नियमों का पालन नहीं करने वाले स्कूलों के खिलाफ शिक्षा विभाग ने कार्रवाई शुरू की है।

दिल्ली के देवली में बारिश का कहर,पार्किंग की दीवार गिरने से 10 से ज्यादा वाहन दबे

एजेंसी, नई दिल्ली

देवली में बारिश से गिरी दीवार, कई कारें क्षतिग्रस्त

राजधानी दिल्ली में भारी बारिश के बाद शनिवार को देवली इलाके की नई बस्ती में बड़ा हादसा हो गया। यहां एक निजी पार्किंग की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। दीवार के मलबे की चपेट में आने से पार्किंग में खड़े 10 से ज्यादा वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार, भारी बारिश के कारण दीवार कमजोर हो गई थी, जिसके बाद यह अचानक गिर गई। दीवार के नीचे दबे वाहनों में कई नई गाड़ियां शामिल हैं, जबकि कुछ वाहन करीब दो से चार साल पुराने बताए जा रहे हैं। हादसे में वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा है।

पार्किंग में खड़ी कारों पर दीवार और मलबा गिरने से कई गाड़ियों के शीशे टूट गए और उनकी बॉडी क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे से करीब दो दिन पहले ही इस इलाके में दिल्ली जल बोर्ड और नगर निगम की ओर से काम कराया गया था। इसके बाद दीवार की स्थिति को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, दीवार गिरने की वास्तविक वजह की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। भारी बारिश के कारण दिल्ली के कई हिस्सों में जलभराव और अन्य समस्याएं सामने आई हैं। इसी बीच देवली की नई बस्ती में दीवार गिरने की घटना ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

स्थानीय लोगों ने संबंधित विभागों से इलाके में कमजोर दीवारों और निर्माण कार्यों की जांच कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। भारी बारिश के बाद देवली की नई बस्ती में पार्किंग की दीवार अचानक गिर गई। मलबे में दबकर कई कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। स्थानीय लोगों ने घटना के बाद संबंधित विभागों से इलाके की कमजोर दीवारों की जांच और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

गाजियाबाद में आज 6 घंटे बिजली कटौती, इन इलाकों में रहेगा पावर कट

एजेंसी, नई दिल्ली

गाजियाबाद में शनिवार को बिजली उपभोक्ताओं को छह घंटे तक बिजली कटौती का सामना करना पड़ सकता है। बिजनेस प्लान 2025-26 के तहत विद्युत वितरण निगम की ओर से रखरखाव कार्य कराया जा रहा है। इसी के चलते लालकुआं-2 उपकेंद्र से जुड़े कुछ फीडरों पर शटडाउन लिया जाएगा। विद्युत वितरण निगम के अनुसार, लालकुआं-2 उपकेंद्र से जुड़े फीडर नंबर-4 और फीडर नंबर-10 पर दोपहर 1 बजे से शाम 7 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। इस दौरान संबंधित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति पूरी तरह प्रभावित रहने की संभावना है।

शटडाउन के कारण मानसरोवर, गिरधरपुर रोड, रामविहार-1, रामविहार-2, सूर्यलोक, रेलवे कॉलोनी और मानसरोवर पार्क समेत आसपास के कई इलाकों में बिजली नहीं आएगी। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को छह घंटे की संभावित बिजली कटौती को ध्यान में रखते हुए जरूरी तैयारियां पहले से करने की सलाह दी गई है। रखरखाव कार्य का उद्देश्य बिजली व्यवस्था को बेहतर और अधिक सुचारु बनाना है। विभाग द्वारा निर्धारित समय के दौरान फीडरों पर काम किया जाएगा, जिसके कारण आपूर्ति बाधित रहेगी। ऐसे में लोगों को सलाह है कि कटौती शुरू होने से पहले मोबाइल, इन्वर्टर और अन्य जरूरी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चार्ज कर लें। बिजली आपूर्ति शाम 7 बजे के बाद बहाल होने की उम्मीद है। हालांकि, रखरखाव कार्य की स्थिति के अनुसार आपूर्ति बहाल होने के समय में थोड़ा बदलाव संभव है। प्रभावित इलाकों के लोगों से विभाग ने सहयोग की अपील की है। बिजली कटौती के दौरान लोगों को जरूरी काम पहले से निपटा लेने की सलाह दी गई है। खासकर घरों और दुकानों में बिजली से चलने वाले जरूरी उपकरणों का इस्तेमाल प्रभावित हो सकता है।

गर्मी के मौसम में लंबे समय तक बिजली बंद रहने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में उपभोक्ता पहले से पानी की व्यवस्था कर लें और मोबाइल फोन, पावर बैंक व अन्य जरूरी उपकरण चार्ज रखें। वहीं, जिन कारोबारियों का काम बिजली पर निर्भर है, वे भी शटडाउन के समय को ध्यान में रखते हुए अपनी गतिविधियों की योजना बना सकते हैं। विभाग द्वारा रखरखाव कार्य पूरा होने के बाद बिजली आपूर्ति सामान्य करने का प्रयास किया जाएगा।

प्रयागराज में राहुल गांधी के खिलाफ लगे पोस्टर, नीट और छात्र आंदोलन पर तीखे सवाल

राहुल गांधी के दौरे से पहले गरमाई प्रयागराज की सियासत, शहर में लगे सवालिया पोस्टर

एजेंसी, नई दिल्ली

राहुल गांधी के दौरे से पहले प्रयागराज में पोस्टर वार

प्रयागराज में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के प्रस्तावित दौरे से कुछ घंटे पहले शहर का राजनीतिक माहौल गरमा गया। राहुल गांधी के आगमन से पहले अलग-अलग स्थानों पर उनके खिलाफ पोस्टर और होर्डिंग दिखाई देने लगे। इन पोस्टरों के सामने आने के बाद शहर में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं और इसे लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। पोस्टरों में राहुल गांधी से जुड़े कई मुद्दों को उठाते हुए सीधे सवाल किए गए हैं। इनमें नीट परीक्षा, छात्रों के आंदोलन और झारखंड से जुड़े मामलों का उल्लेख किया गया है। पोस्टरों में सवाल पूछने के साथ-साथ राहुल गांधी पर राजनीतिक तंज भी कसे गए हैं।

खास बात यह है कि इन पोस्टर और होर्डिंग पर किसी राजनीतिक दल, संगठन या समूह का नाम स्पष्ट रूप से दर्ज नहीं है। राहुल गांधी के प्रयागराज दौरे को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में पहले से ही उत्साह था। उनके कार्यक्रम को लेकर पार्टी की ओर से तैयारियां की जा रही थीं। इसी बीच शहर में जगह-जगह विरोध वाले पोस्टर नजर आने से राजनीतिक माहौल अचानक चर्चा का विषय बन गया। पोस्टरों में नीट और छात्रों के आंदोलन का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया है। इसके अलावा झारखंड से संबंधित सवाल भी राहुल गांधी के सामने रखे गए हैं। पोस्टर लगाने वालों ने इन मुद्दों के जरिए राहुल गांधी की राजनीति और उनके सार्वजनिक बयानों पर सवाल खड़े करने की कोशिश की है।

हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन पोस्टरों को किस व्यक्ति, समूह या संगठन ने लगवाया है। पोस्टरों पर किसी संगठन का नाम नहीं होने के कारण यह सवाल भी उठ रहा है कि आखिर इनके पीछे कौन है।

स्थानीय स्तर पर लोग और राजनीतिक कार्यकर्ता अपने-अपने अनुमान लगा रहे हैं, लेकिन आधिकारिक तौर पर पोस्टर लगाने की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है। राहुल गांधी के दौरे से ठीक पहले पोस्टर सामने आने को राजनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रयागराज उत्तर प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान रखता है और यहां होने वाली राजनीतिक गतिविधियों पर प्रदेशभर की नजर रहती है।

ऐसे में राहुल गांधी के दौरे से पहले सामने आए इन पोस्टरों ने राजनीतिक हलचल को और बढ़ा दिया है। फिलहाल इन पोस्टरों को लेकर कांग्रेस की ओर से क्या प्रतिक्रिया आती है, इस पर भी नजर बनी हुई है। वहीं, पोस्टर किसने लगाए और इसके पीछे वास्तविक मकसद क्या था, यह सवाल अभी भी बना हुआ है। किसी संगठन की ओर से आधिकारिक जिम्मेदारी सामने नहीं आने के कारण पोस्टर वार को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। राहुल गांधी के प्रयागराज पहुंचने के बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। पोस्टर सामने आने के बाद प्रयागराज की सियासत गरमा गई है। हालांकि, इन्हें किसने लगाया, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया का इंतजार है।

जनसांख्यिकी बदलाव पर केंद्र की नजर, जम्मू में 10 अगस्त से जांच

केंद्रीय समिति करेगी जम्मू में जनसांख्यिकी बदलाव का सत्यापन

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में बदलते जनसांख्यिकीय स्वरूप और अवैध आव्रजन से जुड़े मामलों को लेकर केंद्र सरकार ने निगरानी और आकलन की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसी क्रम में केंद्र की ओर से गठित उच्चस्तरीय समिति 10 से 12 अगस्त तक जम्मू संभाग के तीन दिवसीय दौरे पर रहेगी। यह जम्मू-कश्मीर में समिति का पहला दौरा होगा। समिति का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर मौजूदा स्थिति को समझना और उपलब्ध सरकारी आंकड़ों तथा स्थानीय जानकारी का विस्तृत अध्ययन करना है।

दौरे के दौरान समिति जम्मू संभाग के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण करेगी। विशेष रूप से सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इन क्षेत्रों में आबादी के स्वरूप में आए बदलाव, दस्तावेजविहीन प्रवास तथा विदेशियों के कथित रूप से बसने से संबंधित मामलों की जानकारी जुटाई जाएगी। समिति स्थानीय प्रशासन और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर उपलब्ध आंकड़ों की समीक्षा भी करेगी। इसके माध्यम से यह समझने का प्रयास होगा कि पिछले कुछ वर्षों में आबादी के स्वरूप में किस तरह के बदलाव आए हैं और उनके पीछे कौन-कौन से कारण हो सकते हैं।

जम्मू दौरे के दौरान समिति आबादी के मौजूदा स्वरूप के साथ उसमें हुए बदलावों के संभावित कारणों का भी अध्ययन करेगी। इसके अलावा ऐसे बदलावों के सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक और सुरक्षा संबंधी प्रभावों को समझने का प्रयास किया जाएगा। अधिकारियों से यह जानकारी भी ली जा सकती है कि दस्तावेजों की जांच से जुड़े मामलों में स्थानीय स्तर पर क्या चुनौतियां सामने आ रही हैं।

जम्मू संभाग का रणनीतिक महत्व काफी अधिक है। इसका एक बड़ा हिस्सा अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट स्थित है। ऐसे में सीमा पार से होने वाले अवैध प्रवेश और दस्तावेजविहीन आव्रजन से जुड़े मामलों को सुरक्षा की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। समिति सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थानीय परिस्थितियों का जायजा लेकर प्रशासनिक और सुरक्षा एजेंसियों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकती है।

मृतकों की पहचान

हालांकि समिति का उद्देश्य किसी समुदाय विशेष को निशाना बनाना नहीं बल्कि उपलब्ध तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर वास्तविक स्थिति का आकलन करना बताया गया है। समिति की अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नवलकर कर रहे हैं। इसमें जनगणना आयुक्त के साथ सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्रा, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी बालाजी श्रीवास्तव और डॉ. शमिका रवि शामिल हैं। गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव विदेशी नागरिक शाखा को समिति का सदस्य सचिव बनाया गया है।

आतंकवाद भर्ती के मामले में सी आई के ने कश्मीर में कई जगहों पर की छापेमारी

पुंछ। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने शनिवार को कश्मीर घाटी में कई जगहों पर छापेमारी की। यह छापेमारी आतंकवाद से जुड़े एक मामले के सिलसिले में की गई जिसमें कथित तौर पर ऑनलाइन आतंकवाद का महिमामंडन करने और लोगों को आतंकवादी संगठनों में भर्ती करने का आरोप है। अधिकारियों ने बताया कि बारामूला, शोपियां, अनंतनाग, कुपवाड़ा, बांदीपोरा और अन्य जिलों में तलाशी अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि ये छापेमारी एफआईआर नंबर 03/2023 से जुड़ी है जो सीआईके श्रीनगर पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 505 और 153-ए तथा गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धारा 13 और 18 के तहत दर्ज की गई थी। अधिकारियों के अनुसार यह मामला कथित तौर पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करके आतंकवाद का महिमामंडन करने और लोगों को आतंकवादी संगठनों में शामिल होने के लिए उकसाने से जुड़ा है।

कश्मीरी हिंदू सितंबर से तेज करेंगे होमलैंड आंदोलन

5 सितंबर को भूख हड़ताल 14 को होमलैंड धरना

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

कश्मीरी हिंदुओं की वापसी और उनकी विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर सितंबर महीने से आंदोलन तेज होने जा रहा है। संगठन पनुन कश्मीर की ओर से इस संबंध में लगातार बैठकें की जा रही हैं और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। विस्थापित कश्मीरी हिंदुओं का कहना है कि घाटी से उनके विस्थापन को कई दशक बीत चुके हैं, लेकिन आज भी बड़ी संख्या में परिवार अपनी मातृभूमि में सुरक्षित और सम्मानजनक वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

आंदोलन की शुरुआत 5 सितंबर को एक दिवसीय भूख हड़ताल से होगी। इस दौरान विस्थापित परिवारों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा। संगठन का कहना है कि विस्थापित समुदाय के सामने आर्थिक सहायता, आवास, सुरक्षा और पुनर्वास से जुड़ी कई चुनौतियां बनी हुई हैं। मासिक नकद राहत को बढ़ाने और विस्थापित बस्तियों की स्थिति सुधारने की मांग भी लंबे समय से उठाई जाती रही है।

इसके बाद 14 सितंबर को होमलैंड की मांग को लेकर विशेष कार्यक्रम और धरना आयोजित किया जाएगा। पनुन कश्मीर का कहना है कि कश्मीरी हिंदुओं की सुरक्षित वापसी के लिए ऐसा स्थायी और सुरक्षित क्षेत्र होना चाहिए जहां समुदाय अपने सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों के साथ सम्मानपूर्वक जीवन जी सके।

विस्थापित समुदाय का कहना है कि केवल आर्थिक सहायता से उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। उनके लिए अपनी मूल भूमि से जुड़ाव, सुरक्षा और भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्थिर वातावरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है। संगठन सितंबर में प्रस्तावित कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार का ध्यान इन मुद्दों की ओर आकर्षित करना चाहता है। आंदोलन के नेताओं का कहना है कि 36 वर्ष का लंबा समय बीत जाने के बावजूद वापसी का प्रश्न पूरी तरह हल नहीं हुआ है। इसलिए आने वाले दिनों में जनसमर्थन जुटाने और सरकार के समक्ष अपनी मांगों को प्रभावी ढंग से रखने की कोशिश की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर में ऑटो बाजार ने पकड़ी रफ्तार, बिक्री बढ़ी

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू। जम्मू-कश्मीर में ऑटोमोबाइल बाजार त्योहारी और शादी के सीजन से पहले तेजी की उम्मीद में है। जुलाई 2026 में प्रदेश में 21 हजार से अधिक वाहनों की बिक्री हुई, जो पिछले साल जुलाई की तुलना में 17.30 प्रतिशत अधिक रही। हालांकि जून के मुकाबले जुलाई में बिक्री 4.03 प्रतिशत घटी, लेकिन मानसून के दौरान यह कमी सामान्य मानी जा रही है। अब शुभ मुहूर्त शुरू होने के साथ शादियों, त्योहारों और अन्य समारोहों का सिलसिला बढ़ेगा। इससे वाहन खरीदारी में तेजी आने की उम्मीद है।

कुलगाम रैली में गूंजा 'आज़ी ते फ़ाज़ी हुंद इज़्ज़त', भाजपा पर बरसीं सकिना इट्टू

◆ कश्मीरी महिलाओं की इज्जत पर गरमाई सियासत, सकिना इट्टू ने भाजपा को घेरा

भारतेंदु संवाददाता, कुलगाम। जम्मू-कश्मीर की मंत्री सकिना इट्टू ने कुलगाम में आयोजित रैली के दौरान भाजपा पर तीखा राजनीतिक पलटवार किया। उन्होंने कश्मीरी महिलाओं की इज्जत और गरिमा को लेकर भाजपा नेताओं की कथित टिप्पणियों पर सवाल उठाते हुए इसे राजनीतिक बहस का महत्वपूर्ण मुद्दा बनाया। सकिना इट्टू ने रैली में 'आज़ी ते फ़ाज़ी हुंद इज़्ज़त' का नारा बुलंद किया और कश्मीरी महिलाओं की पहचान तथा सम्मान की बात कही।

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश का अलर्ट जारी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र ने आगामी दिनों में जम्मू और कश्मीर के कई हिस्सों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश का पूर्वानुमान लगाया है साथ ही संवेदनशील स्थानों पर भारी बारिश, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की चेतावनी भी दी है। पूर्वानुमान के अनुसार 9 अगस्त को कई स्थानों पर विशेष रूप से दोपहर, शाम और सुबह के शुरुआती घंटों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। कुछ जिलों में भारी बारिश, तीव्र बौछारें और मूसलाधार बारिश की भी आशंका है। 9 से 11 अगस्त तक कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है जबकि कुछ स्थानों पर संक्षिप्त तीव्र भारी बौछारें भी पड़ सकती हैं।

श्रीनगर मस्जिद हत्याकांड में पांच साल बाद इंसाफ, हत्यारे को उम्रकैद

गजाली हत्याकांड में अदालत ने सुनाई उम्रकैद, 50 हजार जुर्माना

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

श्रीनगर की जिला एवं सत्र अदालत ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-उल-मुजाहिदीन के पूर्व प्रमुख कमांडर अब्दुल गनी डार उर्फ गजाली की हत्या के मामले में दोषी गुलाम मोहि-उद-दीन डार को आजीवन कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। करीब पांच साल पुराने इस मामले में अदालत के फैसले के बाद पीड़ित परिवार को न्याय मिला है।

अब्दुल गनी डार उर्फ गजाली की 13 फरवरी 2020 को श्रीनगर के गवकदल स्थित मरकजी अहले हदीस मस्जिद में हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मैसूमा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान कई महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए और उन्हें अदालत के समक्ष पेश किया। पांच अगस्त 2026 को अदालत ने गुलाम मोहि-उद-दीन डार को हत्या का दोषी करार दिया था। इसके बाद अदालत ने शुक्रवार को सजा सुनाई।

अदालत ने कहा कि मस्जिद जैसे धार्मिक स्थल के भीतर हुई हत्या गंभीर और जघन्य अपराध है। इस तरह की घटना से सार्वजनिक शांति, सामाजिक सौहार्द और धार्मिक स्थल की पवित्रता प्रभावित होती है। हालांकि अदालत ने यह भी कहा कि मामला दुर्लभतम से दुर्लभ श्रेणी में नहीं आता, इसलिए दोषी को मृत्युदंड नहीं दिया जा सकता। अदालत ने उम्रकैद की कठोर सजा के साथ जुर्माना लगाया। मामले की जांच में सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, वैज्ञानिक और फोरेंसिक साक्ष्य तथा अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को शामिल किया गया।

भीषण आग लगने से दो आवासीय मकान जलकर खाक

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। शनिवार सुबह रामबन जिले की खारी तहसील के अखरान इलाके में भीषण आग लगने से दो आवासीय मकान जलकर खाक हो गए जिससे दो गरीब परिवारों को भारी नुकसान हुआ। अखरान निवासी फरीद अहमद काज़ी पुत्र गुलाम काज़ी गुज्जर और शब्बीर अहमद गुज्जर पुत्र नूर मोहम्मद गुज्जर के मकान आग की चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों ने बताया कि अखरान मुख्य सड़क से दूर स्थित होने के कारण आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया और अग्निशमन उपकरण लाना भी कठिन हो गया। स्थानीय निवासियों ने पानी के बर्तनों से आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग की तीव्रता के कारण उनके प्रयास अपर्याप्त साबित हुए।

गुलमर्ग से पहलगाम तक हाईटेक सुरक्षा कवच होगा तैयार

कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर अब होगी सीसीटीवी निगरानी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

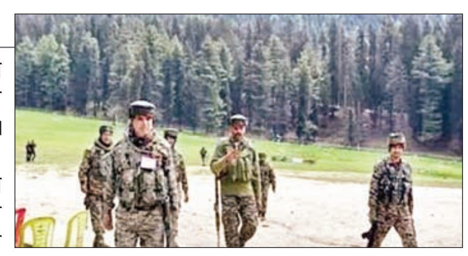

पर्यटन स्थलों पर केंद्रीय निगरानी से बढ़ेगा पर्यटकों का भरोसा।

जम्मू-कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर अब सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा। गुलमर्ग से लेकर पहलगाम, सोनमर्ग और अन्य प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर पर्यटकों की सुरक्षा के लिए हाईटेक निगरानी व्यवस्था विकसित करने की तैयारी है। इसके तहत व्यापक सीसीटीवी कवरेज, केंद्रीकृत निगरानी नियंत्रण कक्ष और नियमित सुरक्षा आकलन जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत किया जाएगा। इस कदम का उद्देश्य पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा संबंधी किसी भी खतरे की समय रहते पहचान करना और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करना है।

पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाकर किए गए आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थलों की सुरक्षा को लेकर गंभीरता बढ़ी है। बड़ी संख्या में देश और विदेश से पर्यटक जम्मू-कश्मीर के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने पहुंचते हैं। गुलमर्ग, पहलगाम और सोनमर्ग जैसे स्थान लंबे समय से पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहे हैं। ऐसे में इन स्थानों पर मजबूत सुरक्षा व्यवस्था न केवल पर्यटकों की सुरक्षा के लिए जरूरी है बल्कि जम्मू-कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र में लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर केंद्र की बड़ी तैयारी

संसद की गृह मामलों से संबंधित स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में पर्यटन स्थलों के लिए एकीकृत सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। समिति ने जम्मू-कश्मीर के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों का दौरा कर वहां की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया था। इस दौरान गुलमर्ग, पहलगाम, सोनमर्ग और वैष्णो देवी जैसे महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था को समझा गया।

जम्मू-कश्मीर में तेज 5जी के बीच दूरदराज इलाकों में सिग्नल कमजोर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में 5जी सेवाओं की रफ्तार ने डिजिटल कनेक्टिविटी को नई गति दी है। ट्राई की स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के कई क्षेत्रों में 5जी नेटवर्क पर 200 से 250 एमबीपीएस से अधिक की डाउनलोड गति देखने को मिली है। इससे इंटरनेट सेवाओं के क्षेत्र में बेहतर तस्वीर सामने आती है। हालांकि पहाड़ी और दूरदराज इलाकों में कमजोर सिग्नल, कॉल ड्रॉप और खराब कवरेज की समस्या अब भी बनी हुई है। पर्यटन मार्गों पर भी नेटवर्क की स्थिति कई जगह चुनौतीपूर्ण है। रिपोर्ट से स्पष्ट होता है कि तेज इंटरनेट के साथ मजबूत नेटवर्क कवरेज पर भी ध्यान देना जरूरी है। जियो और एयरटेल की सेवाएं बेहतर प्रदर्शन करती दिखाई दीं, जबकि बीएसएनएल और वीआई को अपनी सेवाओं में सुधार की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर जैसे पहाड़ी प्रदेश में मजबूत नेटवर्क केवल सुविधा नहीं बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में भी बेहद आवश्यक है। दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाले लोगों, पर्यटकों और यात्रियों को निर्बाध मोबाइल सेवा उपलब्ध कराने के लिए नेटवर्क विस्तार और सिग्नल गुणवत्ता सुधारने की जरूरत है।

महबूबा मुफ्ती पर तिरंगे के अपमान का आरोप, कठुआ में शिकायत दर्ज

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर

तिरंगे के कथित अपमान पर महबूबा मुफ्ती घिरीं

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के खिलाफ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के कथित अपमान को लेकर कठुआ थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता ने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि एक सार्वजनिक प्रदर्शन के दौरान तिरंगे के कथित अपमान की घटना सामने आई। इसी को लेकर शिकायतकर्ता ने पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच करने का आग्रह किया है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि राष्ट्रीय ध्वज देश की आन, बान और शान का प्रतीक है और इसके सम्मान से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए। मामले को लेकर कठुआ में भाजपा कार्यकर्ताओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान को सर्वोपरि बताते हुए प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। शिकायत में पुलिस से यह भी आग्रह किया गया है कि जांच के दौरान सामने आने वाले सभी साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर निर्णय लिया जाए। यदि जांच में किसी प्रकार का अपराध स्थापित होता है तो संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाए।

आईआईटी जम्मू में शुरू हुआ एआई सेंटर

भारतेंदु संवाददाता, अनंतनाग। जम्मू-कश्मीर में तकनीक आधारित शासन, नवाचार और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल शुरू हुई है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आईआईटी जम्मू में जम्मू-कश्मीर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ किया। इस केंद्र का उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से शासन और सार्वजनिक सेवाओं को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और नागरिक केंद्रित बनाना है। इसके साथ ही स्थानीय उत्पादों को देश और विदेश के बाजार तक पहुंचाने वाले डिजिटल कामर्स प्लेटफार्म प्रोजेक्ट फोनिक्स को भी जनता को समर्पित किया गया।

◆ एआई से शासन होगा अधिक प्रभावी

कार्यक्रम में आईआईटी जम्मू के निदेशक प्रो. मनोज सिंह गौर, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रशासनिक सचिव सौरभ भगत समेत कई अधिकारी, शिक्षाविद और अन्य हितधारक मौजूद रहे। इस पहल को जम्मू-कश्मीर में तकनीकी विकास और डिजिटल बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अंतिम उद्देश्य आम लोगों के जीवन में बेहतर परिणाम लाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आईआईटी जम्मू में स्थापित एआई सेंटर शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के साथ-साथ नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायता करेगा। एआई के माध्यम से सरकारी कामकाज में तेजी, बेहतर निर्णय लेने और उपलब्ध संसाधनों का अधिक प्रभावी उपयोग संभव हो सकता है।

एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से जम्मू-कश्मीर में स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी समाधान विकसित करने पर ध्यान दिया जाएगा।

उमर अब्दुल्ला का पाकिस्तान पर हमला कहा- आंतरिक मामलों में दखल देना बंद करें

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि उसे भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने के बजाय अपने कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के हालात पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने गुलाम जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन को लेकर पाकिस्तान पर सवाल उठाए और वहां रेंजर्स तथा सुरक्षा बलों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों को तुरंत रोकने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों के उल्लंघन की बात करने से पहले पाकिस्तान को अपने कब्जे वाले क्षेत्र की स्थिति पर जवाब देना चाहिए। जम्मू में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उमर अब्दुल्ला ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की पांच अगस्त को लेकर की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में मानवाधिकारों के उल्लंघन की बात करना उचित नहीं है। यदि मानवाधिकारों के उल्लंघन का सवाल उठता है तो पाकिस्तान को पहले अपने कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में हो रही घटनाओं का जवाब देना चाहिए।

संकट बिजली की खपत बढ़ने से चुनौती बढ़ी, 2028-29 तक जम्मू-कश्मीर में पीक डिमांड 4117 मेगावाट पहुंचने का अनुमान

अगस्त में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में गहराएगा बिजली संकट

भारतेंदु संवाददाता, जम्मू

अगस्त महीने में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बिजली संकट गहराने की आशंका जताई गई है। उत्तरी क्षेत्रीय ऊर्जा समिति के अनुमान के अनुसार पीक आवर्स के दौरान दोनों केंद्र शासित प्रदेशों में बिजली की मांग और उपलब्धता के बीच बड़ा अंतर रह सकता है। अगस्त 2026 में अधिकतम मांग के समय बिजली की जरूरत करीब 2710 मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है जबकि उपलब्धता लगभग 2334 मेगावाट रहने की संभावना है। इस तरह पीक आवर्स में करीब 376 मेगावाट बिजली की कमी हो सकती है। मांग और उपलब्धता के इस अंतर के कारण उपभोक्ताओं को बिजली कटौती का सामना करना पड़ सकता है। अनुमान के अनुसार अधिकतम मांग के समय बिजली की कमी करीब 14 प्रतिशत तक रह सकती है। हालांकि राहत की बात यह है कि पीक आवर्स के अलावा सामान्य समय में बिजली की स्थिति बेहतर रहने की उम्मीद है।

पीक डिमांड 4117 मेगावाट पहुंचने का अनुमान

अतिरिक्त बिजली होगी खपत

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार सामान्य समय में करीब 47 प्रतिशत अतिरिक्त बिजली उपलब्ध रह सकती है। इसका अर्थ है कि बिजली संकट मुख्य रूप से उस समय अधिक महसूस हो सकता है जब बिजली की मांग अपने उच्चतम स्तर पर पहुंचती है। गर्मी के मौसम में घरों, दुकानों और अन्य संस्थानों में बिजली की खपत बढ़ने के कारण पीक डिमांड का दबाव बढ़ जाता है।

पीक आवर्स के दौरान 14 प्रतिशत कमी का अनुमान

जम्मू-कश्मीर में बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है। सरकार की ओर से मार्च में लगाए गए अनुमान के अनुसार आने वाले वर्षों में पीक डिमांड में लगातार वृद्धि होने की संभावना है। वित्त वर्ष 2026-27 में बिजली की अधिकतम मांग करीब 3813 मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है। इसके बाद वित्त वर्ष 2027-28 में यह मांग बढ़कर 3964 मेगावाट और 2028-29 में करीब 4117 मेगावाट तक पहुंच सकती है।

लद्दाख में 376 मेगावाट की कमी संभव

बिजली की मांग में वृद्धि केवल पीक आवर्स तक सीमित नहीं है। कुल ऊर्जा खपत में भी आने वाले वर्षों में बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया है। वित्त वर्ष 2026-27 में जम्मू-कश्मीर में करीब 23,372 मिलियन यूनिट बिजली की जरूरत होने का अनुमान है। वर्ष 2027-28 में यह खपत बढ़कर करीब 24,559 मिलियन यूनिट और 2028-29 में लगभग 25,780 मिलियन यूनिट तक पहुंच सकती है। इससे स्पष्ट है कि आने वाले समय में बिजली की बढ़ती जरूरत को पूरा करना प्रशासन और ऊर्जा विभाग के लिए बड़ी चुनौती रहेगी।

नेटवर्क बढ़ाएं, नए लोगों से जुड़ें व ज्ञान हासिल करें विद्यार्थी : अनुराग

सांसद ने सैनिक स्कूल सुजानपुर में विद्यार्थियों से संवाद कर शिक्षा व राष्ट्र निर्माण पर की चर्चा

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने सैनिक स्कूल सुजानपुर टीहरा में विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा, व्यक्तित्व विकास, राष्ट्र निर्माण और देश की रक्षा क्षमताओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए उन्हें जीवन में निरंतर सीखने, नए लोगों से जुड़ने और अपने ज्ञान का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि आपका नेटवर्क ही आपकी नेट-वर्थ है। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल में देश के विभिन्न राज्यों से विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। ऐसे में जब भी विद्यार्थियों की दूसरे राज्यों से आए साथियों से मुलाकात हो, तो उन्हें आपस में संपर्क नंबर और ई-मेल आईडी जरूर साझा करनी चाहिए। भविष्य में जब वे उनके राज्यों में जाएं तो इन संपर्कों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर उपयोगी और सार्थक जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। इससे न केवल ज्ञान का आदान-प्रदान होगा, बल्कि विद्यार्थियों की समझ, आत्मविश्वास व इंटरपर्सनल स्किल्स भी मजबूत होंगी।

अनुराग ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे भारतीय रक्षा सेनाओं की वीरता और शौर्यगाथाओं का अधिक से अधिक अध्ययन करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को देश के वीर सैनिकों के गैलेंट्री अवॉर्ड्स, उनके अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान के बारे में जानकारी हासिल करनी चाहिए। साथ ही भारत की सैन्य उपलब्धियों, स्वदेशी रक्षा उपकरणों, आधुनिक तकनीक, हथियार प्रणालियों और ऑर्डिनेंस क्षमताओं के बारे में भी अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश में आधुनिक रक्षा उपकरणों का निर्माण हो रहा है और भारतीय सेनाएं नई तकनीकों से सुसज्जित हो रही हैं। ऐसे समय में सैनिक स्कूलों के विद्यार्थियों को इन उपलब्धियों और देश की रक्षा शक्ति से परिचित होना आवश्यक है, ताकि उनमें राष्ट्र के प्रति गौरव और जिम्मेदारी की भावना और अधिक प्रबल हो।

सांसद ने विद्यार्थियों से कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है। उन्हें देश-दुनिया में हो रहे बदलावों, नई तकनीकों, भारतीय संस्कृति, इतिहास और राष्ट्र की उपलब्धियों के बारे में भी निरंतर सीखते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूलों से निकलने वाले विद्यार्थी देश के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व की भूमिका निभाते हैं। इसलिए इन संस्थानों की जिम्मेदारी केवल अच्छे विद्यार्थी तैयार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसे जागरूक, अनुशासित व राष्ट्रभक्त नागरिक तैयार करना भी है, जो देश की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

राज्य स्तरीय चेस प्रतियोगिता में 120 खिलाड़ियों ने दिखाया दम

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला हमीरपुर शतरंज संघ एवं हमीर चेस एसोसिएशन के सौजन्य से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) हमीरपुर में राज्य स्तरीय अंडर-17 शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। दो दिवसीय प्रतियोगिता का समापन 9 अगस्त को होगा। प्रतियोगिता का शुभारंभ एसपी हमीरपुर बलवीर सिंह ने किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि विजयपाल सोहारू तथा एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष अनिल चंदेल भी मौजूद रहे। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों का स्वागत कर उन्हें बैज एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। एसोसिएशन के पूर्व महासचिव संसार राणा ने हमीर चेस एसोसिएशन की गतिविधियों और खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जानकारी दी। एसपी बलवीर सिंह ने कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें नशे से दूर रखने में भी मददगार हैं। उन्होंने युवाओं में बढ़ते मानसिक तनाव और आत्महत्या के मामलों पर चिंता जताते हुए खेलों को इससे निपटने का प्रभावी माध्यम बताया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब 120 लड़के-लड़कियां हिस्सा ले रहे हैं। विजेता दो लड़के और दो लड़कियां सितंबर में जम्मू में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिमाचल का प्रतिनिधित्व करेंगे। प्रतियोगिता में कई ऐसे खिलाड़ी भी भाग ले रहे हैं, जो पहले राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश कुमार राठौर एडवोकेट ने मुख्य अतिथि, खिलाड़ियों और अभिभावकों का आभार जताया।

न्यूज ब्रीफ

तेज रफ्तार ट्रैक्टर 150 मीटर गहरी खड्ड में गिरा, चालक की मौत, दो घायल

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर में नम्होल चौकी के तहत विनायक घाट के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार तेज रफ्तार ट्रैक्टर (एचपी 72 ए 9885) अनियंत्रित होकर करीब 150 मीटर गहरी खड्ड में जा गिरा। हादसे में ट्रैक्टर चालक किसना कुजूर निवासी सरगुजा, छत्तीसगढ़ की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रैक्टर में सवार उसके दो साथी कोरोने लियुस एक्का और दीपक घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

बिलासपुर पुलिस ने मारपीट, शराब तस्करी और सड़क हादसे के तीन मामले किए दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस ने पिछले 24 घंटों के दौरान मारपीट, अवैध शराब तस्करी और सड़क दुर्घटना से जुड़े तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान ने बताया कि थाना घुमारवीं में ललवाण निवासी सुदर्शन कुमार की शिकायत पर टिक्कर निवासी शशी कुमार के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। वहीं थाना तलाई में यातायात जांच के दौरान पुलिस ने वाहन संख्या (एचपी01-1942) से देसी शराब की चार पेटियां, कुल 48 बोतलें 'वीआरवी संतरा', बरामद कीं। पुलिस ने चालक प्यार सिंह निवासी भुट्टाला, हमीरपुर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इसके अलावा घुमारवीं थाना में बिहार निवासी मंकदय यादव की शिकायत पर अज्ञात पिकअप चालक के खिलाफ तेज रफ्तार व लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने तीनों मामलों में जांच शुरू कर दी है।

श्री साई कॉलेज ऑफ एजुकेशन का बीएड चौथे सेमेस्टर में शानदार प्रदर्शन

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। श्री साई कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बढ़ानी पठानकोट कैंपस के बीएड चौथे सेमेस्टर का परिणाम शानदार रहा।

प्रिंसिपल डॉ. नवदीप सांवल ने बताया कि अस्मिता सिंह ने 8.15 सीजीपीए के साथ प्रथम, कोमल ने 8.13 के साथ द्वितीय और साक्षी ठाकुर ने 7.95 सीजीपीए के साथ तृतीय स्थान हासिल किया। कॉलेज के सभी बीएड विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत तक अंक प्राप्त कर संस्थान और अपने माता-पिता का नाम रोशन किया। इस अवसर पर ग्रुप चेयरमैन एसके पुंज, एमडी तृप्ता पुंज और सीएमडी कंवर तुषार पुंज ने विद्यार्थियों, प्रिंसिपल व स्टाफ को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। एमडी तृप्ता पुंज ने विद्यार्थियों के अभिभावकों से बातचीत कर उन्हें भी बधाई दी। इस अवसर पर डायरेक्टर रणजीत सिंह, एचओडी जसवंत कौर व स्टाफ मौजूद रहे।

रछेड़ा गांव में 'बेटियों के सम्मान और अधिकारों के प्रति ग्रामीण किए जागरूक

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बाल विकास परियोजना झंडूता के अंतर्गत वृत्त डडाह की पंचायत दांडी-भाड़ी के गांव रछेड़ा में 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पंचायत प्रतिनिधियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, महिलाओं, किशोरियों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वृत्त पर्यवेक्षक प्रवीण कुमार ने की। उन्होंने कहा कि बेटियां समाज की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं और उन्हें शिक्षा, सुरक्षा तथा समान अवसर उपलब्ध करवाना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। शिविर के दौरान गोद भराई और अन्नप्राशन संस्कार भी करवाए गए। वहीं, 'एक वृक्ष बेटी के नाम' अभियान के तहत फलदार पौधा लगाया गया। पंचायत प्रधान अनीता देवी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बेटियों के सम्मान, समानता और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जेएनवी कोठीपुरा में छठी कक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 10 तक बढ़ी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जवाहर नवोदय विद्यालय कोठीपुरा, जिला बिलासपुर में सत्र 2027-28 के लिए कक्षा छठी में प्रवेश हेतु जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। नवोदय विद्यालय समिति ने पूर्व निर्धारित अंतिम तिथि 7 अगस्त के स्थान पर अब 10 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन करने का अवसर दिया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश कटोच ने बताया कि प्रशासनिक कारणों से आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाई गई है। आवेदन में आवश्यक संशोधन करने वाले अभ्यर्थियों के लिए 11 और 12 अगस्त को करेक्शन विंडो उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट के माध्यम से 10 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। चयन परीक्षा 28 नवंबर 2026 को आयोजित होगी। आवेदन प्रक्रिया या अन्य जानकारी के लिए अभिभावक व अभ्यर्थी विद्यालय के हेल्प डेस्क नंबर 9872311414, 9418114501 और 8219844779 पर कार्य दिवसों में सुबह 9 से शाम 5 बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

अग्निवीर भर्ती रैली के लिए सभी जरूरी दस्तावेज लाना अनिवार्य

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। सेना की अग्निवीर भर्ती की संयुक्त प्रवेश परीक्षा पास करने वाले जिला हमीरपुर, बिलासपुर और ऊना के अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं तथा इन उम्मीदवारों को ईमेल के माध्यम से भी सूचित कर दिया गया है। थल सेना भर्ती कार्यालय हमीरपुर के निदेशक कर्नल श्रीधर राजन ने बताया कि इन अभ्यर्थियों का ग्राउंड टेस्ट, मेडिकल परीक्षण और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया 26 सितंबर से 6 अक्तूबर तक हमीरपुर के निकट अणु के सिंथेटिक ट्रैक ग्राउंड एवं डिग्री कालेज परिसर में होने वाली भर्ती रैली के दौरान पूर्ण की जाएगी।

कर्नल श्रीधर राजन ने इन अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे अपने एडमिट कार्ड का अच्छी क्वालिटी का रंगीन प्रिंट साथ लेकर आएं, ताकि भर्ती रैली में बार कोड स्कैनिंग के माध्यम से एंट्री में कोई दिक्कत न आए। अभ्यर्थी वेबसाइट पर दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का बारीकी से अध्ययन करें और सभी आवश्यक दस्तावेजों की मूल प्रतियां और दो-दो सेल्फ अटैस्टड प्रतियां साथ लाएं।

इन दस्तावेजों में एडमिट कार्ड, आधार कार्ड, शैक्षणिक योग्यता से संबंधित सभी प्रमाण पत्रों की तीन-तीन कॉपियां, अगर ओपन स्कूल से मैट्रिक की है तो अंतिम स्कूल के छोड़ने का प्रमाण पत्र जोकि सक्षम अधिकारी द्वारा काउंटर साइन किया हो, बोनाफाइड हिमाचली प्रमाण पत्र, डोगरा क्लास या जाति प्रमाण पत्र, धर्म का प्रमाण पत्र, अल्पसंख्यक प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र, सेवारत सैनिक या भूतपूर्व सैनिक के पुत्र का प्रमाण पत्र, अविवाहित होने का प्रमाण पत्र, एनसीसी और खेल गतिविधियों के प्रमाण पत्र, बैंक खाता, पैन कार्ड, अन्य दस्तावेज और 20 पासपोर्ट साइज फोटो शामिल हैं।

टिप्पणियों के विरोध सुधीर शर्मा का पुतला जलाया

मुख्यमंत्री सुक्खू के खिलाफ कथित अभद्र भाषा को लेकर नादौन कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के खिलाफ भाजपा विधायक सुधीर शर्मा की कथित टिप्पणियों को लेकर नादौन कांग्रेस ने शनिवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर में जुलूस निकाला और इंद्रपाल चौक पर सुधीर शर्मा का पुतला फूंका। इस दौरान भाजपा, सुधीर शर्मा और पूर्व विधायक राजेंद्र राणा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुमन भारती ने किया। इसमें ब्लॉक कांग्रेस प्रधान कैप्टन पृथ्वी चंद, महासचिव संतोष संधू, कमल कम्मी, मोती जोशी, पिछड़ा वर्ग के वाइस चेयरमैन डॉ. मोहन लाल, नगर परिषद अध्यक्ष शम्मी सोनी सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और युवा कांग्रेस के सदस्य शामिल हुए।

इससे पहले गीता भवन नादौन में ब्लॉक कांग्रेस की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के खिलाफ विधायक सुधीर शर्मा द्वारा कथित तौर पर अभद्र भाषा के इस्तेमाल की कड़ी निंदा की गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर मामले में कार्रवाई और मामला दर्ज करने की मांग उठाई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुमन भारती ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर भाजपा नेताओं की कथित बयानबाजी को जनता के सामने रखना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से संगठन को मजबूत करने और कांग्रेस के पक्ष में काम करने का आह्वान किया। बैठक में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के खिलाफ लगातार की जा रही व्यक्तिगत टिप्पणियां राजनीतिक मर्यादा के अनुरूप नहीं हैं और इससे प्रदेश का राजनीतिक माहौल प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में स्वस्थ राजनीतिक संवाद और जनहित के मुद्दों पर आधारित राजनीति को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणियों और अमर्यादित भाषा से बचना सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों और राजनीतिक शुचिता बनाए रखने की अपील की।

स्वर्ण जयंती आश्रय योजना से जोगिंद्रनगर में 114 गरीब परिवारों का अपने घर का सपना हुआ साकार

◆ प्रत्येक लाभार्थी को मिली डेढ़ लाख की आर्थिक सहायता

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। 'अपना घर' हर व्यक्ति का सपना होता है और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के इस सपने को पूरा करने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर प्रयासरत है। प्रदेश सरकार की स्वर्ण जयंती आश्रय योजना ऐसे परिवारों के जीवन में आशा की नई किरण बनकर आई है जिसके माध्यम से जरूरतमंद लोगों को पक्का मकान बनाने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है।

जोगिंद्रनगर क्षेत्र में वर्ष 2023 से 2026 के दौरान इस योजना के अंतर्गत 114 पात्र परिवारों को प्रति लाभार्थी 1.50 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। इस सहायता से अनेक परिवार कच्चे मकानों से निकल कर सुरक्षित और सम्मानजनक ढंग से पक्के घरों में रहने लगे हैं।

हारगुनैन गांव के लाभार्थी रण सिंह बताते हैं कि पहले उनका परिवार कच्चे मकान में रहता था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पक्का घर बनाना संभव नहीं था। स्वर्ण जयंती आश्रय योजना के तहत मिली डेढ़ लाख रुपये की सहायता से उनका पक्का घर बनने का सपना पूरा हुआ। इसके लिए वे प्रदेश सरकार के आभारी हैं।

इसी योजना के एक अन्य लाभार्थी सुखदेव गांव आरठी का कहना है कि पहले उनका परिवार कच्चे मकान में रहता था। सरकार से मिली आर्थिक सहायता ने उन्हें पक्का मकान बनाने में सक्षम बनाया। उनके अनुसार राज्य सरकार गरीब परिवारों की मूलभूत जरूरतों को समझते हुए उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने का कार्य कर रही है। तहसील कल्याण अधिकारी, जोगिंदर नगर के अनुसार वर्ष 2023 से 2026 के दौरान कुल 114 लाभार्थियों को योजना का लाभ प्रदान किया गया है। इनमें 109 अनुसूचित जाति, 3 अन्य पिछड़ा वर्ग तथा 2 अनुसूचित जनजाति के परिवार शामिल हैं।

स्वर्ण जयंती आश्रय योजना केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह गरीब परिवारों को सुरक्षा, सम्मान और बेहतर जीवन की नई शुरुआत भी देती है। यह योजना इस बात का उदाहरण है कि संवेदनशील शासन व्यवस्था समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश सरकार का प्रयास है कि कोई भी पात्र परिवार अपने घर के सपने से वंचित न रहे और प्रत्येक जरूरतमंद को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अवसर मिले।

चंपा ठाकुर ने सभी सदस्यों को वितरित किए नियुक्ति पत्र

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सदर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की परिचय बैठक गांधी भवन मंडी में ब्लॉक अध्यक्ष हेमराज ठाकुर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष चंपा ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस दौरान संगठन को मजबूत करने और पार्टी की गतिविधियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने को लेकर चर्चा की गई। बैठक में कश्यप, भगवान दास, परमदेव, प्रदीप, माया देवी, बबली देवी, शेर सिंह राणा, पूर्णचंद, पूर्णप्रकाश, दिलेर सिंह, कुलदीप गुलेरिया, चूड़ामणि, वीरी सिंह, राजकुमार, राकेश कुमार, अजय कुमार, सुरेश पहियावा, तीर्थ राम और दौलत राम सहित कई कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष चंपा ठाकुर ने सभी सदस्यों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पार्टी संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बढ़ाने और कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

टीएमसी में दवाइयों की कमी, मरीज घंटों कतार में खड़े होकर लौटे खाली हाथ

आशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल टांडा में दवाइयों की उपलब्धता को लेकर मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों का आरोप है कि डॉक्टरों द्वारा लिखी गई दवाइयां लेने के लिए जब वे अस्पताल की डिस्पेंसरी में पहुंचते हैं तो मेडिकल स्टोर कर्मियों की ओर से दवाइयां उपलब्ध न होने की बात कही जाती है।

मरीज सुभाष चंद, सुषमा देवी, मिलाप चंद, गुलाम कुमार और कुलदीप चंद सहित अन्य लोगों ने बताया कि वे घंटों कतार में खड़े रहे, लेकिन नंबर आने पर उन्हें दवाइयां उपलब्ध न होने की जानकारी दी गई। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों ने कहा कि बाहर से महंगी दवाइयां खरीदना उनके लिए संभव नहीं है।

गौरतलब है कि इस समस्या को पहले भी उठाया जा चुका है। मरीजों ने प्रदेश सरकार से व्यवस्था जल्द सुधारने की मांग की है। वहीं अस्पताल के एमएस डॉ. विवेक बुनियाल ने कहा कि डिस्पेंसरी में उपलब्ध न होने वाली दवाइयों की आपूर्ति जल्द सुनिश्चित की जाएगी।

संवाद घुमारवीं कॉलेज में विद्यार्थियों से तकनीकी शिक्षा मंत्री ने किया प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक संवाद

मोबाइल को मनोरंजन नहीं, ज्ञान का साधन बनाएं: धर्माणी

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं में नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिकी प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी का BA, BCom BSC दूसरे एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के साथ दूसरे दिन भी संवाद किया गया। जिसमें विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, आत्मनिर्भरता एवं सकारात्मक जीवन-दृष्टि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित संवाद किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए केवल शैक्षणिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यक्तित्व विकास, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच भी आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने तथा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन का प्रयोग केवल मनोरंजन के लिए न करके आत्म-विकास, ज्ञानवर्धन और सीखने के साधन के रूप में किया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को अच्छा श्रोता बनने, सामाजिक रूप से सक्रिय रहने तथा अपने सामाजिक दायरे को व्यापक बनाने की सलाह दी गई।

संवाद के दौरान खेलों के महत्व, आत्मनिर्भरता, स्वरोजगार (Self-employment) तथा जीवन में लक्ष्य निर्धारण पर भी चर्चा की गई। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी खूबियों और कमियों को पहचानकर निरंतर आत्म-सुधार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से महत्वपूर्ण प्रश्न किया 'आज से पाँच वर्ष बाद आप स्वयं को कहाँ देखना चाहते हैं?' इस प्रश्न के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने भविष्य के लक्ष्यों पर विचार करने तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को डीप थिंकर (Deep Thinker) बनने और किसी भी विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक जागरूकता, संचार कौशल तथा आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना रहा। विद्यार्थियों ने संवाद में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने प्रश्न एवं विचार भी साझा किए। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों से उनकी समस्याओं को जाना और समाधान किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

बिलासपुर में मत्स्य तालाब निर्माण के लिए 14.26 लाख रुपए का अनुदान

◆ मत्स्य संपदा योजना के तहत 2.25 हेक्टेयर क्षेत्र का लक्ष्य

◆ इच्छुक लाभार्थियों से आवेदन आमंत्रित

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। मत्स्य पालन को बढ़ावा देने तथा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से मत्स्य पालन विभाग के माध्यम से संचालित मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत जिला बिलासपुर में नवीन मत्स्य तालाब निर्माण के लिए इच्छुक लाभार्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

सहायक निदेशक मत्स्य, बिलासपुर पंकज ठाकुर ने बताया कि जिला बिलासपुर में नए मत्स्य तालाब निर्माण के लिए कुल 2.25 हेक्टेयर का भौतिक लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके अंतर्गत कुल 14.26 लाख रुपये का अनुदान उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को अधिकतम एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 40 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जाएगा, जो 4.96 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर होगा। महिला लाभार्थियों को अधिकतम एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 60 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा, जिसकी राशि 7.44 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर होगी। इसी प्रकार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लाभार्थियों को अधिकतम 0.25 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 60 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जाएगा। इस श्रेणी में अनुदान राशि 7.44 लाख प्रति हेक्टेयर की दर से होगी तथा 0.25 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 1.86 लाखका अनुदान देय होगा।

पंकज ठाकुर ने बताया कि जिला बिलासपुर का कोई भी इच्छुक व्यक्ति, किसान, महिला लाभार्थी अथवा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग से संबंधित व्यक्ति, जिसके पास मत्स्य पालन के लिए उपयुक्त भूमि एवं पानी की उपलब्धता है, योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन कर सकता है। भूमि आवेदक के स्वामित्व में अथवा वैध लीज या पट्टे पर भी हो सकती है। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का जिला बिलासपुर का निवासी होना आवश्यक है तथा मत्स्य पालन गतिविधि संचालित करने का इच्छुक होना चाहिए। लाभार्थियों की प्राथमिकता एवं चयन विभागीय तथा योजना संबंधी दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इच्छुक आवेदक निर्धारित आवेदन प्रपत्र के साथ संबंधित पटवारी एवं तहसीलदार द्वारा भूमि संबंधी विवरण के सत्यापन या हस्ताक्षर सहित आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन के साथ आधार कार्ड की प्रति, बैंक खाते की पासबुक की प्रति, भूमि संबंधी दस्तावेज जैसे जमाबंदी एवं ततीमा, पासपोर्ट साइज फोटो तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के लाभार्थियों के लिए जाति प्रमाण-पत्र संलग्न करना आवश्यक होगा। लीज भूमि की स्थिति में वैध लीज दस्तावेज भी प्रस्तुत करना होगा। इच्छुक आवेदक अपने निकटतम मत्स्य अधिकारी कार्यालय में जाकर आवेदन कर सकते हैं।

क्रिकेट : पांच हजार इंटरनेशनल मैच वाला पहला फॉर्मेट बना वनडे

भारत ने सबसे ज्यादा मैच खेले, ऑस्ट्रेलिया जीत में आगे, सचिन रनों के बादशाह

एजेंसी, नई दिल्ली

इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार किसी फॉर्मेट में 5 हजार मैच पूरे हो गए हैं। यह उपलब्धि हासिल हुई वनडे को। जिस स्कॉटलैंड में अभी कॉमनवेल्थ गेम्स हुए हैं, वहीं 5000वां वनडे मैच भी खेला गया। शुक्रवार को स्कॉटलैंड और कनाडा के बीच हुए इस मुकाबले को स्कॉटलैंड ने 9 रन से जीत लिया।

वनडे फॉर्मेट 1971 में वजूद में आया था। वहीं, टेस्ट क्रिकेट शुरू होने के 94 साल बाद टेस्ट अभी 3000 मैचों के आंकड़े तक भी नहीं पहुंचा है और वनडे ने 5 हजार मैचों का सफर पूरा कर लिया है। 1971 से अब तक 55 सालों में 29 देशों ने वनडे खेले। इसी फॉर्मेट से वर्ल्ड कप का कॉन्सेप्ट आया और इसी फॉर्मेट में भारत पहली बार चैंपियन भी बना।

वर्ष 1877 में खेला गया पहला इंटरनेशनल मैच

क्रिकेट का पहला फॉर्मेट टेस्ट है। 1877 में पहला टेस्ट मैच खेला गया था। अब तक 2629 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं। वहीं टी-20 की शुरुआत 2004 में हुई थी।

मुरलीधरन की सबसे ज्यादा 534 विकेट

श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन ने 350 मैच में सबसे ज्यादा 534 विकेट लिए हैं। सबसे ज्यादा 5 विकेट हॉल का रिकॉर्ड पाकिस्तान के वकार युनूस के नाम है।

ऑस्ट्रेलिया ने 619 और भारत ने 575 मैच जीते

एक दिवसीय क्रिकेट में भारत ने 1081 वनडे में 575 मुकाबले जीते। मैचों के मामले में ऑस्ट्रेलिया दूसरे, जबकि जीत के मामले में पहले स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया को 1025 मैचों में 619 में जीत मिली। पाकिस्तान तीसरे स्थान पर है। उसने 1002 मैच खेले और 529 में जीत दर्ज की।

वनडे में कोहली, सचिन, रोहित शर्मा के सबसे ज्यादा शतक

कोहली ने वनडे में सबसे ज्यादा 54 शतक लगाए हैं। सचिन 49 शतक के साथ दूसरे, जबकि रोहित 34 शतक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। रिकी पोंटिंग 30 शतक के साथ चौथे नंबर पर हैं।

टॉप-10 स्कोरर में 4 भारतीय

वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-10 खिलाड़ियों में चार भारतीय शामिल हैं। सचिन पहले, कोहली दूसरे, रोहित शर्मा तीसरे और सौरव गांगुली चौथे स्थान पर हैं।

सचिन ने सर्वाधिक 463 मैच खेले

सचिन ने वनडे में सबसे ज्यादा 463 वनडे मैच खेले हैं। इस लिस्ट में श्रीलंका के चार, पाकिस्तान के 3, भारत के 2 और ऑस्ट्रेलिया के एक खिलाड़ी शामिल हैं।

कप्तानी में पोंटिंग रहे नंबर वन

सबसे ज्यादा वनडे मैचों में कप्तानी का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग के नाम है। उन्होंने बतौर कप्तान 230 वनडे मैच खेले और सबसे ज्यादा 165 मैच जीते है।

बुमराह के बाद अब सुदर्शन भी भारत-श्रीलंका सीरीज से बाहर

एजेंसी, नई दिल्ली

श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू होने वाले टेस्ट सीरीज से पहले ही टीम इंडिया के लिए बुरी खबर है। बाएं हाथ के बल्लेबाज साई सुदर्शन पैर की चोट से परेशान सीरीज से बाहर हो गए हैं। सुदर्शन को दाएं पैर में स्ट्रेस की शिकायत है। साई सुदर्शन रिकवर हो रहे है और बल्लेबाजी और फील्डिंग का अभ्यास शुरू कर चुके हैं। लेकिन अभी भी उन्हें कुछ समस्या है जिसके कारण वह सीरीज का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। हालांकि अभी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आधिकारिक ऐलान नहीं किया है।

टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी चोटिल होकर बाहर हो चुके हैं।

वहीं प्रैक्टिस मैच के पहले खुद कप्तान शुभमन गिल भी चोटिल हो गए, जिसके कारण केएल भारत की कप्तानी कर रहे है। ऐसे में अब साई सुदर्शन भी इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। अब देखना ये होगा कि सुदर्शन की जगह टीम इंडिया में किस खिलाड़ी को शामिल किया जाता है।

हेड ने दूसरी बार जीता 'एलन बॉर्डर मेडल'

एजेंसी, ब्रिस्बेन। ट्रेविस हेड लगातार दूसरी बार 'एलन बॉर्डर मेडल' पुरस्कार जीतने वाले पांचवें खिलाड़ी बन गए और ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर के इस प्रतिष्ठित व्यक्तिगत पुरस्कार के लिए कड़े मुकाबले में उन्होंने अपने मित्र एलेक्स कैरी को बेहद मामूली अंतर से पीछे छोड़ा। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलन बॉर्डर से शुक्रवार को यहां आयोजित समारोह में लगातार दूसरा 'एलन बॉर्डर मेडल' प्राप्त करने के बाद हेड ने 'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' से कहा, 'मेरे लिए यह बहुत बड़ा सम्मान और सौभाग्य की बात है कि 'एबी' स्वयं यहां मौजूद थे। पिछले साल श्रीलंका में हुए समारोह की तुलना में यही सबसे बड़ा अंतर था कि इस बार उन्होंने खुद मुझे यह पुरस्कार प्रदान किया।'

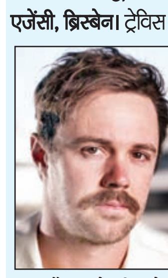

खूबसूरत खिलाड़ी एम्मा डुकानो

एम्मा डुकानो ब्रिटेन की प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी हैं। उन्होंने कम उम्र में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। वर्ष 2021 में यूएस ओपन का खिताब जीतकर वह पहली क्वालीफायर बनीं जिन्होंने ग्रैंड स्लैम एकल खिताब हासिल किया। उनके आत्मविश्वास, खेल कौशल और संघर्षशीलता ने उन्हें विश्वभर में लोकप्रिय बनाया।

स्पोर्ट्स विंडो

अष्मिता चालिहा कोरिया मास्टर्स सुपर 300 के फाइनल में पहुंची

एजेंसी, आसन। अष्मिता चालिहा ने कोरिया मास्टर्स सुपर 300 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हमवतन रक्षिता श्री संतोष रामराज को 21-13, 16-21, 21-13 से हराकर पहली बार बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल में प्रवेश कर लिया। तीन महीने चोट के कारण कोर्ट से बाहर रही 26 वर्ष की चालिहा मकाउ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंची थी। क्वार्टर फाइनल में दुनिया की 22वें नंबर की खिलाड़ी जापान की हिना अकेची को हराकर वह सेमीफाइनल में पहुंची थी। रक्षिता ने क्वार्टर फाइनल में तन्वी शर्मा को हराया था। 26 वर्षीय अष्मिता घुटने की चोट के कारण तीन महीने बाहर रहने के बाद मई में कोर्ट पर लौटी हैं और अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना चीन की हान कियानक्सी से होगा

ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर्स का आईपीएल 2027 में खेलना हुआ मुश्किल

एजेंसी, मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट खिलाड़ियों के आईपीएल-2027 में खेलने पर सवाल खड़े हो गए हैं। टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा कि अगले 12 महीनों में ऑस्ट्रेलिया को 20 टेस्ट समेत 34 इंटरनेशनल मैच खेलने हैं। ऐसे में खिलाड़ियों के वर्कलोड को देखते हुए आईपीएल को लेकर मुश्किल फैसले लेने पड़ सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया अगले एक साल में बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ कुल 20 टेस्ट खेलेगा। इसके अलावा जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ व्हाइट बॉल सीरीज भी होगी। अगर टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचती है तो एक टेस्ट और जुड़ जाएगा। इसके बाद जून-जुलाई 2027 में इंग्लैंड में एशेज और फिर अक्टूबर-नवंबर में वनडे वर्ल्ड कप खेला जाएगा। मैकडोनाल्ड ने कहा कि आईपीएल ऑस्ट्रेलिया के कई खिलाड़ियों के विकास और तैयारी का अहम हिस्सा है। दुनिया की बेस्ट टी-20 लीग में खेलने से खिलाड़ियों को फायदा मिलता है। शुरुआत यही होगी कि खिलाड़ी आईपीएल खेल सकते हैं। बाद में परिस्थितियों के हिसाब से फैसला लिया जाएगा।

मेसी के संन्यास का फैसला केवल उनका होगा: अर्जेंटीना फुटबॉल प्रमुख

एजेंसी, ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ के अध्यक्ष क्लाउडियो 'चिकी' तापिया ने कहा है कि दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी के संन्यास का फैसला पूरी तरह उन्हीं का होगा। 2026 विश्व कप में मेसी के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए तापिया उन्हें संन्यास के लिए जल्दबाजी में विदा करने के पक्ष में नहीं हैं। अर्जेंटीना टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में तापिया ने कहा, 'यह पूरी तरह और व्यक्तिगत रूप से उनका फैसला है। आपको उन्हें आराम से रहने देना होगा।' उन्होंने कहा, '2022 में हमें नहीं पता था कि वह 2026 में खेलेंगे या नहीं। उन्होंने कहा था कि वह मैच दर मैच आगे बढ़ेंगे। मुझे लगता है कि हमने विश्व कप में लियो का शानदार, अगर उनका सर्वश्रेष्ठ नहीं तो बेहतरीन रूप देखा है। आपको उन्हें फुटबॉल खेलने का आनंद लेते रहने देना चाहिए और उसके बाद वह वही फैसला करेंगे, जो उन्हें सही लगेगा।' 24 जून को 39 वर्ष के हुए मेसी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की कोई समयसीमा नहीं बताई है।

अमेरिकी खिलाड़ी बेन ने मॉन्ट्रियल मास्टर्स के चौथे दौर में किया प्रवेश

एजेंसी, मॉन्ट्रियल

अमेरिका के पांचवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बेल्जियम के जिजो बर्ग्स को सीधे सेटों में हराकर मॉन्ट्रियल मास्टर्स 2026 के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। शेल्टन ने शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में बर्ग्स को 6-3, 6-2 से शिकस्त दी। 23 वर्षीय शेल्टन ने मुकाबले में आठ ऐस लगाए और दूसरे सेट में तीन बार बिना कोई अंक गंवाए गेम जीते। उन्होंने महज 65 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। टूर्नामेंट में पांचवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन अब बचे हुए खिलाड़ियों में सबसे ऊंची रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं। शेल्टन ने कहा, 'मेरे लिए यह अच्छा दिन था। मैंने मैच को अच्छी तरह संभाला। उन्होंने शुरुआत में बेहद अच्छी सर्विस की, इसलिए मुझे कुछ बदलाव करने पड़े। मैंने उनकी सर्विस तोड़ने का तरीका ढूंढ लिया और बढ़त मिलने के बाद दबाव बनाए रखा।' क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए शेल्टन का सामना ब्राजील के युवा खिलाड़ी जोआओ फोंसेका से होगा। फोंसेका ने नौवीं वरीयता प्राप्त नॉर्वे के कैस्पर रूड को 7-6 (8/6), 6-3 से हराया।

नीदरलैंड के ग्रिकस्पूर ने अरनाल्डी को किया बाहर

इस बीच, नीदरलैंड के टैलोन ग्रिकस्पूर ने इटली के माटेओ अरनाल्डी को तीन सेटों के संघर्ष में 3-6, 6-4, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। ग्रिकस्पूर ने इससे पहले शीर्ष वरीयता प्राप्त और फ्रेंच ओपन चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। अरनाल्डी ने शुरुआती सेट में दबदबा बनाया, लेकिन ग्रिकस्पूर ने स्वीडिश कोच थॉमस हॉगस्टेड की सलाह के बाद मुकाबले में वापसी की। विश्व रैंकिंग में 66वें स्थान पर काबिज ग्रिक्सपूर ने निर्णायक सेट में दो बार अरनाल्डी की सर्विस तोड़ी। हालांकि उन्होंने एक ब्रेक गंवा दिया, लेकिन तुरंत वापसी करते हुए तीसरे मैच प्वाइंट पर जीत दर्ज की। मुकाबला दो घंटे से अधिक चला।

फ्लिंटॉफ ने इंग्लैंड लायंस के मुख्य कोच का पद छोड़ा

एजेंसी, लंदन। पूर्व हरफनमौला एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने इंग्लैंड लायंस के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। फ्लिंटॉफ ने सितंबर 2024 में यह पद संभाला था। उन्होंने इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा जारी बयान में कहा, 'मैंने लायंस के साथ अपने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है।' उन्होंने कहा, 'मैंने देश के सर्वश्रेष्ठ युवा क्रिकेटरों के साथ काम करने का पूरा मजा लिया और उन्हें आगे बढते देखने में गर्व महसूस किया।' फ्लिंटाफ अब बिग बैश लीग में सिडनी थंडर्स टीम के मुख्य कोच होंगे।

डेविस कप: कोरिया में दूसरे दौर का क्वालीफायर खेलेगा भारत

एजेंसी, नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया 18 और 19 सितंबर को भारत के खिलाफ डेविस कप दूसरे दौर के क्वालीफायर की मेजबानी करेगा। भारत इस समय डेविस कप रैंकिंग में 19वें और कोरिया 16वें स्थान पर है। कोरिया का भारत के खिलाफ जीत हार का रिकॉर्ड 6 . 5 का है। भारतीय टीम का चयन 10 अगस्त को किया जायेगा। दोनों टीमों के बीच पिछला मुकाबला एक दशक पहले हुआ था जब भारत ने चंडीगढ में एशिया ओशियाना ग्रुप एक के मुकाबले में 4 . 1 से जीत दर्ज की थी । दूसरे दौर में विजयी रहने वाली टीम नवंबर में होने वाले अंतिम आठ मुकाबले में जगह बनायेगी।

आशीष यादव ने 20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीता सिल्वर मेडल

74.09 मी. थ्रो किया, नीरज के बाद पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय

एजेंसी, यूजीन

आशीष यादव ने यूजीन में चल रही अंडर-20 वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन मेंस जेवलिन थ्रो इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। भारत के युवा एथलीटआशीष ने तीसरे राउंड में 74.09 मीटर का थ्रो किया, जिससे उन्हें सिल्वर मिला। इसी फाइनल में शामिल दूसरे भारतीय टी. धरनिधरन 72.35 मीटर के थ्रो के साथ छठे स्थान पर रहे। गोल्ड मेडल साउथ अफ्रीका के जान-हेन्ड्रिक हेमन्स ने जीता। उन्होंने अपने छठे और आखिरी अटेम्प्ट में 80.50 मीटर भाला फेंका। वहीं, भारत की पूजा ने चैंपियनशिप में विमेंस हाई जंप के फाइनल में जगह बना ली है।

उन्होंने क्वालिफिकेशन में 1.79 मीटर की ऊंचाई पहले ही प्रयास में पार की। अब पूजा 10 अगस्त को भारतीय समानुसार रात 1 बजे होने वाले फाइनल में मेडल के लिए चुनौती पेश करेंगी।

नीरज चोपड़ा ने 2016 में जीता था गोल्ड

19 साल के आशीष इस इवेंट में मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे भारतीय बन गए हैं। दो बार के ओलिंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने 2016 में पोलैंड में हुई चैंपियनशिप में गोल्ड जीता था। नीरज ने उसी स्पर्धा में 86.48 मीटर का थ्रो किया था, जो अब भी वर्ल्ड जूनियर रिकॉर्ड है। इसके अलावा अभी हाल ही में संपन्न हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भी नीरज चोपड़ा ने भारत के लिए रजत पदक जीता है।

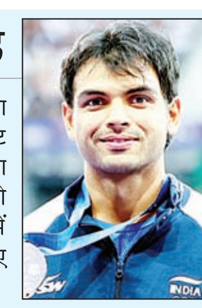

पीओके में हिंसा पर यूएन ने पाकिस्तान को लगाई लताड़

एजेंसी, यूएनओ

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में बिगड़ते सुरक्षा हालात पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने चिंता जताई है। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के डिप्टी प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ अगर कार्रवाई में उन्हें नुकसान पहुंचा है, तो इसके लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि महासचिव यूएन मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क के काम का समर्थन करते हैं और उम्मीद है कि उनकी अपीलों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा।

फरहान हक ने शुक्रवार को एक सवाल के जवाब में कहा, 'महासचिव अपने हाई कमिश्नर के काम का समर्थन करते हैं और हमें पूरी उम्मीद है कि मिस्टर तुर्क की बातों पर ध्यान दिया जाएगा।' वह पीओके में मौजूदा सुरक्षा हालात और हाल की घटनाओं को लेकर महासचिव के रुख के बारे में पूछे गए पीटीआई के सवाल का जवाब दे रहे थे। पिछले महीने यूएन के मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने पीओके में हुई हालिया घटनाओं पर गंभीर चिंता जताई थी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों की मौत, पाकिस्तान की ओर से 'जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी' पर प्रतिबंध लगाए जाने और उसके नेताओं की गिरफ्तारी की निष्पक्ष एवं गहन जांच की मांग की थी।

मणिपुर में पांच संदिग्ध उग्रवादी कैडर गिरफ्तार

एजेंसी, इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों तथा पुलिस ने अलग-अलग अभियानों में पांच संदिग्ध उग्रवादी कैडरों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने शनिवार को बताया कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को कछार जिले के गोसाईपुर पार्ट-1 स्थित उसके आवास से यूएनएलएफ (पी) के कैडर अकोइजाम शंकर सिंघा (47) उर्फ चेप्टा उर्फ युमशंगबा को गिरफ्तार किया। एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने काकचिंग जिले के वाइखोंग थाना क्षेत्र के काकचिंग खुनौ उमाथेल अवांग लीकाई से सोरेपा के दो सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मयांगलाम्बम निमाइचंद (25) उर्फ पांगनबा मैतेई और मयांगलाम्बम खोइरबा (27) उर्फ अचौबा मैतेई के रूप में हुई है। इंफाल पूर्वी जिले के पोरोंपाट थाना क्षेत्र में पुलिस ने चेकॉन इलाके के आयांग पाली रोड से सोरेपा के एक कथित उगाहीकर्ता को भी गिरफ्तार किया। उसकी पहचान खेरगाओ माखा लीकाई निवासी मोहम्मद मजाहर अली (52) के रूप में हुई है। उसके पास से स्कूटर (एमएन-06एसएक्स-6027) जब्त किया गया।

मनीला में जयशंकर बोले- भारत और आसियान साझेदारी होगी और मजबूत

एजेंसी, मनीला

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित भारत-आसियान पोस्ट-मिनिस्ट्रियल कॉन्फ्रेंस 2026 की सह-अध्यक्षता की। यह बैठक 59वें आसियान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों का हिस्सा थी। इस दौरान भारत की ओर से सभी आसियान सदस्य देशों को शुभकामनाएं दी गईं। बैठक में भारत ने अपनी 'एक्ट ईस्ट' नीति के तहत दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों पक्षों के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने और क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए भारत-आसियान संबंधों को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति के तहत कनेक्टिविटी, व्यापार, डिजिटल लिंकेज, मजबूत सप्लाई चेन, रक्षा, शिक्षा और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से भारत और आसियान के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है। जयशंकर ने भरोसा जताया कि आने वाले समय में भारत-आसियान संबंध और अधिक मजबूत और महत्वाकांक्षी बनेंगे। उन्होंने कहा कि इससे व्यापक इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। मनीला में हुई बैठक को भारत और आसियान के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

फेसबुक और इंस्टाग्राम की कानूनी सुरक्षा वापस ले सकती है सरकार

रिकमेंडेशन और पैसों के बदले कंटेंट प्रमोशन बड़ा मुद्दा

एजेंसी, नई दिल्ली

सोशल मीडिया कंपनी मेटा और भारत सरकार के बीच चल रही बैठकों के बाद एक बड़ा कानूनी और तकनीकी सवाल खड़ा हो गया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक मुख्य मुद्दा यह है कि क्या मेटा के रिकमेंडेशन सिस्टम और पैसों के बदले कंटेंट का प्रमोशन उसे एक साधारण प्लेटफॉर्म बनाए रखते हैं या फिर वह पब्लिशर की भूमिका में आ जाती है।

यदि कोई प्लेटफॉर्म यह खुद तय करता है कि किस यूजर को क्या कंटेंट दिखाया जाएगा और पैसे लेकर कंटेंट को प्रमोट करता है, तो उसे पब्लिशर माना जा सकता है। ऐसा होने पर कंपनी को अपने प्लेटफॉर्म पर पोस्ट होने वाले कंटेंट की पूरी जिम्मेदारी लेनी होगी और ढ्ढ एक्ट के तहत मिलने वाली कानूनी छूट यानी सेफ हार्बर स्टेटस गंवाना पड़ सकता है।

क्या है 'सेफ हार्बर' प्रोटेक्शन और क्यों खतरे में है मेटा का स्टेटस? आईटी एक्ट की धारा 79 सोशल मीडिया कंपनियों को 'सेफ हार्बर' यानी कानूनी सुरक्षा कवच देती है। इसके तहत किसी यूजर द्वारा पोस्ट की गई विवादित या गलत जानकारी के लिए प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक या इंस्टाग्राम को सीधे जिम्मेदार नहीं ठहराया जाता। हालांकि, यह छूट तभी तक मिलती है जब तक कंपनी पूरी तरह 'ड्यू डिलिजेंस' यानी कानूनी नियमों और सावधानियों का पालन करे।

सरकारी सूत्रों का कहना है कि अगर प्लेटफॉर्म खुद एल्गोरिदम के जरिए यह तय कर रहा है कि क्या कंटेंट किसको दिखेगा, तो यह पब्लिशिंग यानी प्रकाशन के दायरे में आता है। नियमों का पालन न करने पर आईटी एक्ट और भारतीय न्याय संहिता के तहत कंपनी पर सीधी कार्रवाई की जा सकती है।

आशंका रूस के राष्ट्रपति पुतिन उकसावे वाले कदमों को मंजूरी देने के लिए तैयार

नाटो के इलाके तक पहुंच सकता है रूस का खतरा

एजेंसी, वॉशिंगटन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अब ऐसे उकसावे वाले कदमों को मंजूरी देने के लिए पहले से ज्यादा तैयार हो सकते हैं। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, इसका असर नाटो के इलाके तक पहुंच सकता है। सीबीएस ने इस मामले की जानकारी रखने वाले अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि इन कार्रवाइयों में हाइब्रिड अभियान, साइबर हमले और ऐसे दूसरे कदम शामिल हो सकते हैं, जिनमें रूस की सीधी भूमिका साबित करना मुश्किल हो। हालांकि, ये कदम बड़े स्तर के पारंपरिक सैन्य अभियान से कम होंगे। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, कुछ महीने पहले की तुलना में पुतिन के जोखिम उठाने के तरीके में बदलाव आया है।

आखिर क्या हो सकता है रूस का मकसद?

अधिकारियों ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य शायद बड़ा युद्ध शुरू करना नहीं है। इसके बजाय रूस नाटो की एकता को परखना और यह देखना चाहता है कि अगर नाटो के किसी सदस्य देश पर हमला होता है, तो ट्रंप प्रशासन किस तरह जवाब देगा। पिछले महीने की शुरुआत में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी देशों पर 'दोहरा मापदंड' अपनाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि पश्चिमी देश अपने हित के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र चार्टर का इस्तेमाल करते हैं और जब यह उनके हित में नहीं होता, तब राष्ट्रों के 'आत्मनिर्णय' के सिद्धांत को नजरअंदाज करते हैं।

पश्चिमी प्रतिबंधों को लेकर पुतिन का दावा

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने दावा किया था कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंध अपने लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रहे हैं। उन्होंने कहा, 2022 से 'पश्चिम ने अपनी रूस-विरोधी व्यवस्था को पूरी रफ्तार दी है और रिकॉर्ड संख्या में प्रतिबंध लगाए हैं। ये प्रतिबंध बेअसर रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति ने आगे आरोप लगाया कि रूस को 'जंग के मैदान में' हराने में नाकाम रहने के बाद उसके विरोधियों ने रूसी लोगों के खिलाफ 'सीधे आतंकवादी तरीकों' का सहारा लिया। उन्होंने कहा, 'लेकिन रूस के लोगों को कभी तोड़ा नहीं जा सकता। वे कभी टूटे नहीं हैं और कभी टूटेंगे भी नहीं।' पुतिन ने यह भी कहा कि रूस यूक्रेन में चल रहे 'विशेष सैन्य अभियान' में अपने लक्ष्य हासिल करेगा। उन्होंने पश्चिम पर 'रूस-विरोध' का अभियान चलाने और रूस को कमजोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। रूसी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गई।